3 राजधानी
अतिशी ने एलजी से की मुख्य सचिव की शिकायत

6 अभिमत
भारत के वित्तीय परिवेश में बदलाव

10 विदेश
मणिपुर में धार्मिक हिंसा के कोई सबूत नहीं

11 राष्ट्रीय
जीप खाई में गिरी से नौ महिलाओं की मौत

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 289
नई दिल्ली, शनिवार, 26 अगस्त, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नीरज पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

स्पोर्ट्स-12

मोदी-शी की बैठक पर भारत व चीन के अलग-अलग दावे

● ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान जोहानिसबर्ग में दोनों नेताओ के बीच अनौपचारिक मीटिंग के बाद वार्ता की पहल को लेकर दोनों पक्षों की अलग अलग राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जोहानिसबर्ग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बातचीत के दो दिन बाद भारत और चीन ने शुक्रवार को इस बारे मेंअलग-अलग राय रखी कि किस पक्ष ने बातचीत की पहल की। हालांकि भारतीय सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक के लिए चीन का अनुरोध लंबित है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन से इतर बुधवार को बातचीत की थी। यह बातचीत एक व्यवस्थित द्विपक्षीय बैठक नहीं थी, बल्कि एक अनौपचारिक बैठक थी। चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा मोदी-शी की बातचीत पर एक बयान जारी किए जाने के कुछ घंटों बाद भारतीय पक्ष के सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक के लिए चीनी पक्ष की ओर से एक अनुरोध लंबित था। चीन के बयान में कहा गया था कि यह भारतीय पक्ष के अनुरोध पर आयोजित की गई थी। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, हालांकि, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने लीडर्स लाउंज में अनौपचारिक बातचीत की थी। चीन की ओर से जारी बयान में कहा गया है, राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 23 अगस्त को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुरोध पर उनसे बात की। इसमें कहा गया है कि मोदी के साथ बातचीत में शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार से साझा हित सधते हैं और यह विश्व एवं क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता के अनुकूल है। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान शी चिनफिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अनसुलझे मुद्दों के संबंध में भारत की चिंताओं से अवगत कराया। क्वात्रा के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। चीनी ब्योरे में दोनों नेताओं के बीच बुधवार को हुई बातचीत को स्पष्ट और गहन बताया गया। बीजिंग के बयान में कहा गया, (चीन के) राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अगस्त को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य मामलों पर विचारों का स्पष्ट एवं गहन आदान-प्रदान किया। इसमें कहा गया, राष्ट्रपति शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार दोनों देशों और लोगों के साझा हितों को पूरा करता है और क्षेत्र एवं दुनिया की शांति, स्थिरता और विकास के लिए भी सहायक है। नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए ताकि सीमा क्षेत्र में शांति की संयुक्त रूप से रक्षा की जा सके। जोहानिसबर्ग में बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में क्वात्रा ने कहा था कि मोदी और शी अपने-अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों के शीघ्र पीछे हटने और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से इतर समूह के नेताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर शी से बातचीत की और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करने की महत्ता के साथ ही भारत की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। विदेश सचिव ने कहा, प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अन्य ब्रिक्स नेताओं से बातचीत की। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामंजस्य बनाए रखना तथा एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। क्वात्रा ने कहा, इस संबंध में दोनों नेता अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। भारत सरकार पूर्वी लद्दाख क्षेत्र को पश्चिमी सेक्टर कहती है। पिछले साल नवंबर में बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर संक्षिप्त मुलाकात के बाद सार्वजनिक रूप से मोदी और चिनफिंग की यह पहली बातचीत थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो द्वारा 16 नवंबर को आयोजित औपचारिक रात्रिभोज में दोनों नेताओं ने संक्षिप्त मुलाकात की थी। मई, 2020 में शुरू हुए पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कुछ स्थानों पर तीन साल से अधिक समय से तनाव कायम है जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई इलाकों से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। भारत लगातार कहता रहा है कि समग्र संबंधों को सामान्य बनाने के लिए एलएसी पर शांति महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप में ट्रंप का आत्मसमर्पण

● 20 मिनट तक जेल में रहे, बाद में दो लाख डॉलर की जमानत पर रिहा किया गया

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आत्मसमर्पण के बाद ली गई तस्वीर।

एजेंसी। अटलांटा

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में जॉर्जिया में अपनी चुनावी हार को पलटने की अवैध कोशिशों के आरोपों से जुड़े मामले में बृहस्पतिवार को राज्य प्राधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। ट्रंप की गिरफ्तारी की प्रक्रिया 20 मिनट चली और इस दौरान पुलिस ने उनका मग शॉट (गिरफ्तारी के बाद कैदी के रूप में ली जाने वाली तस्वीर) जारी किया। यह अमेरिका के किसी पूर्व राष्ट्रपति का पहला मग शॉट है।

ट्रंप को दो लाख डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया, जिसके बाद वह न्यूजर्सी जाने के लिए हवाई अड्डा रवाना हुए। ट्रंप के खिलाफ चार अलग-अलग शहरों में मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन जॉर्जिया के मामले में आत्मसमर्पण पूर्व तीन मामलों से अलग है। यह आत्मसमर्पण रात में किया गया, जिसके लिए उन्हें किसी अदालती कक्ष के बजाय जेल जाना पड़ा। वह 2024 में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनावों में अहम माने जाने वाले राज्य में आत्मसमर्पण करने पहुंचे। गिरफ्तारी की प्रक्रिया से अवगत एक अधिकारी ने बताया कि अन्य शहरों में दर्ज मामलों में आत्मसमर्पण के दौरान ट्रंप का मग शॉट नहीं लिया गया था, जबकि जॉर्जिया में दर्ज मामले को लेकर कैदी के रूप में उनकी तस्वीर ली गई।

ट्रंप शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद अटलांटा पहुंचे जहां से उन्हें गिरफ्तारी की प्रक्रिया के लिए जेल ले जाया गया। सफेद कमीज और लाल टाई पहने ट्रंप ने निजी विमान से उतरते समय हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया 20 मिनट चली। इस दौरान उनकी लंबाई- छह फुट तीन इंच, वजन-215 पाउंड और बाल-सुनहरे जैसे उनके शारीरिक मापदंड दर्ज किए गए। ट्रंप अमेरिका के इतिहास में अभियोग का सामना करने वाले देश

(शेष पेज 9)

जी-20 बैठक में शामिल नहीं होंगे पुतिन

● नौ से 10 सितंबर तक नई दिल्ली में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में उनका प्रतिनिधित्व रूसी विदेश मंत्री कर सकते हैं

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली/मॉस्को

'व्यस्त कार्यक्रम' के चलते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे और हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में उनकी भागीदारी का प्रारूप बाद में निर्धारित किया जाएगा।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को मॉस्को में इसकी घोषणा की। आधिकारिक समाचार एजेंसी तास ने क्रेमलिन के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि नहीं, राष्ट्रपति की ऐसी कोई योजना नहीं है।' पेसकोव ने कहा, पुतिन की भागीदारी का प्रारूप बाद में निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन का 'व्यस्त कार्यक्रम' है और मुख्य फोकस यूक्रेन में अभी भी जारी 'विशेष सैन्य अभियान' पर है। पेसकोव ने यह भी कहा कि पुतिन ने इस सप्ताह जोहान्सबर्ग में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन में वर्चुअली भाग लिया।

शिखर सम्मेलन में उनका प्रतिनिधित्व रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने किया। आधिकारिक समाचार एजेंसी तास ने क्रेमलिन के प्रवक्ता को उद्धृत करते हुए कहा, बहरहाल उनका व्यस्त कार्यक्रम है और निश्चित रूप से उनका मुख्य फोकस अभी भी विशेष सैन्य अभियान है। इसलिए सीधी यात्रा अभी उनके एजेंडे में नहीं है। जी-20 विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। यह शिखर सम्मेलन भारत में विश्व नेताओं की सबसे बड़ी सभाओं में से एक होने की उम्मीद है। भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की।

राष्ट्रपति पुतिन ने कोविड-19 के बाद पहले व्यक्तिगत रूप से पहली बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग न लेने का फैसला किया क्योंकि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने यूक्रेनी बच्चों को रूस में निर्वासित करने की एक कथित योजना पर मार्च में उनके लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। दक्षिण अफ्रीका एक आईसीसी हस्ताक्षरकर्ता है और उम्मीद थी कि अगर पुतिन देश में मौजूद होंगे तो वह उनकी गिरफ्तारी में मदद करेगा। पुतिन पिछले साल इंडोनेशिया में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हुए थे। भारत जी-20 शिखर सम्मेलन के वर्तमान संस्करण की मेजबानी कर रहा है और मुख्य कार्यक्रम 9-10 सितंबर को

(शेष पेज 9)

शरद पवार ने पहले बताया अजीत को पार्टी नेता, फिर कुछ ही घंटों में बयान से पलटे

भाषा। पुणे

शरद पवार ने पहले तो कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में कोई फूट नहीं है और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार पार्टी के नेता हैं और इसके कुछ ही घंटों बाद शुक्रवार को यह भी कह दिया कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है।

कोल्हापुर में एक रैली को संबोधित करने के लिए वहां रवाना होने से पहले पुणे जिले में अपने गृहनगर बारामती में सुबह-सुबह पत्रकारों से बातचीत में शरद पवार ने कहा था कि कुछ नेताओं ने अलग राजनीतिक रुख अपनाकर राकांपा छोड़ दिया है, लेकिन इसे पार्टी में फूट नहीं कहा जा सकता। अजित पवार और राकांपा के आठ अन्य विधायक दो जुलाई को राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में शामिल हो गए थे। इसके कारण शरद पवार द्वारा गठित राजनीतिक दल में विभाजन हो गया। राकांपा में कोई फूट नहीं होने और अजित पवार के पार्टी के नेता होने संबंधी पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष व अपनी पुत्री सुप्रिया सुले के बयान के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, हां, इसमें कोई संशय नहीं है।

बारामती में दिए गए राकांपा प्रमुख के इस बयान से हलचल मचने के बाद पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कुछ ही घंटों बाद सतारा जिले में यह स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा है। शरद पवार ने कहा, मैं नहीं कह रहा हूं कि वह हमारे नेता हैं। सुप्रिया (सुले) के लिए ऐसा कहना सही है। वह (सुले) उनकी (अजित पवार) छोटी बहन है। इससे कोई राजनीतिक मायने निकलने कर जरूरत नहीं है। यह पूछने

(शेष पेज 9)

यूनान में मोदी का हुआ सम्मान

एजेंसी। एथेंस

यूनान की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोउलू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रतिष्ठित ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुक्रवार को यूनान की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोउलू द्वारा प्रतिष्ठित ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह एक विशिष्ट सम्मान है जो भारत-यूनान साझेदारी की ताकत को दर्शाता है। यह सम्मान यूनान की राष्ट्रपति द्वारा ऐसे प्रधानमंत्रियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपनी विशिष्ट पद के कारण यूनान के कद को बढ़ाने में योगदान दिया है।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में उन्हें ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित करने के लिए राष्ट्रपति सकेलारोपोउलू और यूनान की सरकार तथा लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यक्रम की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, यह यूनान के लोगों का भारत के प्रति सम्मान दर्शाता है। विदेश मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि यह भारत-यूनान साझेदारी की ताकत को प्रतिबिंबित करने वाला एक विशेष सम्मान है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, प्रशस्ति में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेवा में, यह सम्मान भारत के मैत्रीपूर्ण जनों को दिया गया। इसमें कहा गया, इस यात्रा के अवसर पर यूनान सरकार भारत के प्रधानमंत्री का सम्मान करती है, जिन्होंने अपने देश को आगे बढ़ाने और उसे वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में अथक प्रयास किए तथा जो भारत की आर्थिक प्रगति और समृद्धि के लिए व्यवस्थित रूप से कार्यरत हैं, जो बड़े सुधारों को आकार दे रहे हैं। वे ऐसे राजनेता हैं,जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में पर्यावरण सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन के विषय को उच्च प्राथमिकता दिलवाई है।

ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर की स्थापना 1975 में की गई थी। सितारे के आमुख पर देवी अथेना चित्र अंकित है। इसके साथ ओनली द राइचस शुड बी ऑनर्ड (केवल सत्यनिष्ठ व्यक्तियों का सम्मान हो) इबारत उकेरी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने यूनान में अपने कार्यक्रमों की शुरुआत एथेंस

(शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

मणिपुर हिंसा: सीबीआई की सुनवाई स्थानांतरित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर हिंसा से संबंधित जिन 17 मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है, उसकी सुनवाई पड़ोसी राज्य असम में होगी और उसने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मामलों की सुनवाई के लिए एक या अधिक न्यायिक अधिकारियों को नामित करने का निर्देश दिया। इन मामलों में दो महिलाओं को कथित तौर पर निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला भी शामिल है। शीर्ष अदालत ने अदालतों द्वारा पीड़ितों और गवाहों की ऑनलाइन गवाही सहित न्यायिक प्रक्रियाओं पर कई निर्देश दिए, जिसमें कहा गया कि उसे वर्तमान चरण में, मणिपुर के समग्र वातावरण और एक निष्पक्ष न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कई वकीलों की उन दलीलों को खारिज कर दिया, जो सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे मामलों को असम में स्थानांतरित करने का विरोध कर रहे थे।

चांद पर चला रोवर आहिस्ता आहिस्ता

● इसरो के मुताबिक सतह पर आठ मीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय की, इसके सभी उपकरण चालू

चंद्रयान-3 के लैंडर से बाहर निकलता रोवर प्रज्ञान।

एजेंसी। बेंगलुरु

इसरो ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान ने चांद की सतह पर लगभग आठ मीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर ली है और इसके उपकरण चालू हो गए हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी नियोजित रोवर गतिविधियों को सत्यापित कर लिया गया है। रोवर ने लगभग आठ मीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर ली है। रोवर के उपकरण एलआईबीएस और एपीएक्सएस चालू हैं। इसने कहा कि प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर और रोवर पर सभी उपकरण सामान्य ढंग से काम कर रहे हैं। उपकरण अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) का लक्ष्य चंद्र सतह की रासायनिक संरचना और खनिज संरचना का अध्ययन करना है। वहीं, लेजर-इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस) चंद्रमा पर लैंडिंग स्थल के आसपास की मिट्टी और चट्टानों की मौलिक संरचना की पड़ताल के लिए है। इसरो ने बृहस्पतिवार को कहा कि लैंडर उपकरण इल्सा, रंभा और चेस्ट को चालू कर दिया गया है। चंद्र सतह तापीय-भौतिकी प्रयोग (चेस्ट) नामक उपकरण चंद्रमा की सतह के तापीय गुणों को मापेगा। भारत ने बुधवार को तब इतिहास रच दिया जब चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग के साथ यह चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर ऐसा साहसिक कारनामा करने वाला दुनिया का अब तक का एकमात्र देश बन गया।

मधुमिता शुक्ला हत्याकांड मामले में अमरमणि और मधुमणि जेल से रिहा

भाषा। गोरखपुर

कवयित्री मधुमिता शुक्ला की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि को शुक्रवार शाम को जेल से रिहा कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन के कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग के विशेष सचिव मदन मोहन ने बृहस्पतिवार को राज्य की 2018 की रिहाई नीति का जिक्र करते हुए अमरमणि त्रिपाठी की समयपूर्व रिहाई संबंधी एक आदेश जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने कवयित्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि की रिहाई पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। अधिकारी ने आदेश का हवाला देते हुए कहा कि विभाग ने उनकी वृद्धावस्था और

(शेष पेज 9)

आठ से 10 सितंबर तक मेट्रो का करें इस्तेमाल

जी-20 शिखर सम्मेलन

● दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान लुटियंस दिल्ली में बसों की आवाजाही बंद रहेगी: यातायात पुलिस

● एंबुलेंस और आवश्यक सेवाओं की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा

जी-20 शिखर सम्मेलन के स्वागत के लिए तैयार दिल्ली। फोटोः रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए दिल्ली पुलिस ने सख्त सुरक्षा परामर्श जारी किया है। वाहनों के साथ आम लोगों की बेरोकटोक आवाजाही पर पुलिस का सख्त पहरा होगा। मेगा इवेंट के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर नई दिल्ली का इलाका पूरी तरह से प्रतिबंधित जोन में होगा।

प्रतिबंध आदेश सात सितंबर की मध्यरात्रि से लागू होगा और 10 सितंबर की मध्यरात्रि तक रहेगा। प्रतिबंध के दौरान सार्वजनिक बसों की आवाजाही पर भी रोक रहेगी। यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त एसएस यादव ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली पुलिस की वेबसाइट पर एक वर्चुअल हेल्पडेस्क की शुरुआत की जाएगी जिसमें उपलब्ध यातायात और स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचीबद्ध किया जाएगा। एंबुलेंस या आवश्यक सेवाओं की आवाजाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, नई दिल्ली क्षेत्र में बसों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा लेकिन दिल्ली मेट्रो पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। जनता को सलाह दी जाती है कि वे अपने गंतव्य तक आने-जाने के लिए

(शेष पेज 9)

सड़क से आईजीआई जाने में हो सकती है दिक्कत

नई दिल्ली यातायात परामर्श के मुताबिक आठ से 10 सितंबर तक सड़क मार्ग से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक की यात्रा प्रभावित होगी और यात्रियों को सुचारू व निर्बाध यात्रा के लिए मेट्रो की एयरपोर्ट लाइन से सफर करना चाहिए। पुलिस ने कहा, हालांकि जो लोग शहर के विभिन्न हिस्सों और एनसीआर क्षेत्रों से अपने वाहनों के जरिए हवाई अड्डे तक यात्रा करना चाहते हैं, उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। परामर्श के अनुसार, आठ सितंबर को रात 12 बजे से 10 सितंबर को रात 11 बजकर 59 मिनट तक सड़क मार्ग

(शेष पेज 9)

बेटे का शव एम्स में छोड़कर मां-बाप लापता

दिल्ली का फर्जी पता लिखवाकर कराया भर्ती, गाजियाबाद वाले घर पर लगा ताला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के 12 साल के बच्चे की एम्स दिल्ली में मौत हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि बच्चे की मौत के बाद से उसके मां.बाप लापता हैं। मां.बाप ने अपना जो एड्रेस बताया थाए वो भी फर्जी पाया गया है। ऐसे में बच्चे के पेरेंट्स शक के घेरे में आ गए हैं। बच्चे का शव एम्स के पोस्टमार्टम हाउस में रखा हुआ है। इस बच्चे पर दो दिन पहले धारदार हथियार से हमला हुआ था। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

इंदिरापुरम क्षेत्र के स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, 23 अगस्त को एम्स दिल्ली में 12 वर्षीय किशोर रंजन पांडे भर्ती हुआ। 24 अगस्त को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रंजन के पूरे चेहरे पर धारदार हथियार से चोट पहुंचाने के निशान थे। बच्चे के मां.बाप ने उसको भर्ती करते वक्त अपना एड्रेस न्यू अशोक नगर दिल्ली लिखवाया था। बच्चे की मौत के बाद एम्स ने दिल्ली में लोकल पुलिस स्टेशन को सूचना दी।

दिल्ली पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के लिए जब मृतक के मां.बाप से संपर्क कराना चाहा तो उनका न्यू अशोक नगर का एड्रेस फर्जी निकला। इसके बाद दिल्ली पुलिस गाजियाबाद पहुंची और यहां खोड़ा थाने से संपर्क साधा। तब जाकर गाजियाबाद पुलिस को ये केस पता चला। खोड़ा पुलिस जब मृतक बच्चे के घर पर पहुंची तो वहां ताला लगा मिला। मां.बाप कोई मौजूद नहीं पाए गए। एम्स से प्राप्त मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे की मृत्यु का कारण पेरेंटल नेग्लिजेंस बताया गया है। बाकी शरीर पर कितनी चोटें हैं, ये सब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगा। पोस्टमार्टम कराने के लिए पुलिस फिलहाल मृतक बच्चे के परिजनों को खोज रही है।

अभी तक पुलिस ये समझ नहीं पाई है कि पैरेंट्स ने एम्स में अपना एड्रेस गलत क्यों लिखवाया और वे बच्चे के शव को एम्स में छोड़कर क्यों लापता हो गए, पुलिस जांच में ये बात भी पता चली है कि यह बच्चा 29 जुलाई 2023 को लापता हो गया था। वो 12 अगस्त को परिजनों को मिल गया। इसके बाद 23 अगस्त को उसे एम्स दिल्ली में गंभीर घायल अवस्था में भर्ती कराया गया और 24 अगस्त को उसकी मृत्यु हो गई।

एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। गाजियाबाद पुलिस हरसंभव सहयोग कर रही है। इस पूरे मामले में बच्चे की एक वीडियो भी सामने आई है, जो संभवत घर के अंदर बनाई गई है और मृत्यु से पहले की है।

इसमें वो कह रहा है, घर में घुसकर चाकू चला दिया। पहले मेरी आंख पर पत्थर मार दिया। आज चाकू चला दिया, सब काट दिया। थाना खोड़ा के पुलिसवाले कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उधर, खोड़ा थाना पुलिस का कहना है कि हमारे पास बच्चे के पेरेंट्स ने उस वक्त कोई शिकायत नहीं की थी। हमें दिल्ली पुलिस की सूचना पर ही इस केस की जानकारी हुई है।

नोएडा में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर की विदेशों तक चर्चा

- मामले में अमेरिकी जांच एजेंसियों ने दिया था इनपुट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस द्वारा फर्जी कॉल सेंटर के खुलासे की चर्चा भारत देश के साथ साथ विदेश में भी हो रही है। खास कर अमेरिकी नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने वाले इस कॉल सेंटर का पर्दाफाश होने के बाद वाशिंगटन अमेरिकी सोशल मीडिया पर गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट पुलिस की जमकर सराहना हो रही है।

अमेरिकी नागरिक सोशल मीडिया के जरिए नोएडा पुलिस के इस बेहतरीन कार्य जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। डीसीपी हरिश्चंद्र ने बताया कि नोएडा पुलिस को अमेरिकी एजेंसी से इनपुट मिला कि सेक्टर 6 में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों से ठगी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने शुरुआत में गोपनीय जांच की। जांच में सूचना सही पाए जाने पर पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई कर यहां से 84 लोगों को गिरफ्तार किया। कॉल सेंटर से करीब 38 लड़कियों को भी गिरफ्तार किया गया। इस कॉल सेंटर के जरिए आरोपी अमेरिकी नागरिकों को उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर से संबंधित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने का डर दिखाकर उनसे ठगी करते थे। गुरुवार को फर्जी कॉल सेंटर के खुलासे के बाद मामला जब सोशल मीडिया पर वाशिंगटन अमेरिकी मीडिया की सुर्खी बना तो नोएडा पुलिस की जमकर तारीफहुई।

वाशिंगटन अमेरिका से सोशल मीडिया एवं पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अधिकारियों को फ'ेन पर फर्जी कॉल सेंटर के शिकार हुए विदेशी नागरिकों द्वारा इस खुलासे पर बधाइयां दी जा रही हैं। नोएडा पुलिस द्वारा फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर के पर्दाफ़ाश का मामला फिलहाल अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी में स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया व अन्य पदाधिकारी।

यशोदा अस्पताल ने अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी में लिया भाग

गाजियाबाद। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से मेडिकल विषय पर एक अंतराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। कई देशों के जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों ने इसमें भाग लिया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वन अर्थ, वन हेल्थ एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के साथ एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 के जी-20 संस्करण का आयोजन किया। यशोदा सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल, कौशांबी की टीम ने अपने अस्पतालों में उपलब्ध नवीनतम तकनीक के साथ-साथ मेडिकल वैल्यू ट्रैवल सेवाओं का प्रदर्शन किया। यशोदा टीम ने यशोदा मेडीवर्ल्ड, लंदन के साथ अपनी आगामी 1200 बिस्तरों वाली अस्पताल परियोजना यशोदा मेडिसिटी का भी प्रदर्शन किया। ज्योति कौर, अध्यक्ष-इंटरनेशनल मार्केटिंग और एमवीटी और डॉ. सुनील डागर, सीओओ, यशोदा सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल, कौशांबी, अपनी टीम के दृढ़ संकल्प और रचनात्मकता के साथ तीन दिन गांधीनगर में रहे। काउंटर पर, यशोदा टीम ने विभिन्न देशों के 200 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों से मुलाकात की और बातचीत की।

मेयर ने लोहा मंडी में किया विकास कार्यों का उद्घाटन

गाजियाबाद। मेयर सुनीता दयाल ने शहर को कई करोड़ रुपये से होने वाले विकास कार्यों के तोहफे दिए। जिन विकास कार्यों को मेयर सुनीता दयाल ने आज हरी झंड़ी दिखाई इसमें कई करोड़ रुपये के विकास कार्य लोहामंड़ी में होने जा रहे है। इससे लोहामंड़ी के कारोबारियों को सीधा लाभ होगा जो लंबे समय से विकास कार्य कराने की मांग कर रहे है। हाल ही में कुछ दिन पहले कई विकास कार्य 15 वें वित्तीय आयोग निधि से कराने का फैसला लिया गया। जिन विकास कार्यों का आज मेयर सुनीता दयाल ने उदघाटन किया इनमें सभी विकास कार्य कविनगर जोन के है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के खेड़ी गांव में एक 18 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। देर शाम यह घटना हुई और रात से ही गोताखोरों की टीम तालाब में युवक को तलाश कर रही थी। युवक का शव करीब 14 घंटे बाद मिला है। बताया जा रहा है कि कबड्डी खेलने के बाद युवक गांव के मंदिर के पास तालाब में नहाने के लिए गया था। उसी दौरान तालाब के दलदल में फंसकर डूब गया। दरअसल गुरुवार शाम को सूरजपुर थाना क्षेत्र के खेड़ी गांव में प्रशांत नाम का युवक अपने दोस्तों के साथ में तालाब के पास कबड्डी खेल रहा था। कबड्डी खेलने के बाद गांव के मंदिर के पास तालाब में वह नहाने के लिए चला गया और वहीं पर उसका पैर फिसल गया।

80 टन लोहे का छल्ला सड़क पर गिरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- लगा जाम, क्रेन मंगवाकर हटवाया गया

नोएडा में सबसे अधिक व्यस्त सड़क पर करीब 80 टन लोहे का छल्ला बीचों-बीच गिर गया है। इससे वाहन चालकों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यातायात पुलिस ने सड़क पर लोहे का छल्ला गिरने के बाद रोड को डाइवर्ट कर दिया है। पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के जवान सुबह से छल्ला को हटाने की कोशिश में लगे हुए हैं। इसके लिए बड़ी-बड़ी क्रेन मंगवाई गई है। जिसकी मदद से लोहे के छल्ले को किनारे किया गया। जिसके बाद एक-एक कर वाहनों को निकाला जा रहा है।

पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, गाजियाबाद के एक प्लांट से ट्रक पर लादकर लोहे का छल्ला मध्य प्रदेश के लिए जा रहा था। इस दौरान गाजियाबाद से नोएडा की तरफआने सेक्टर-59 अंडरपास पर सेंट्रल वर्ज से छल्ला टकरा गया और सड़क पर पलट गया। इसके कारण सुबह से जाम की स्थिति बनी है। ट्रैफिक पुलिस के जवान जाम की व्यवस्था को दूर करने में लगे हुए है। लोहे का छल्ला भारी भरकम है। इसका वजन करीब 80 टन है। सुबह से नोएडा पुलिस और यातायात पुलिस मौके पर मौजूद है। तीन 100 टन की मशीन को बुलाकर लोहे के छल्ला को हटाने में लगी हुई है लेकिन मशीन की ग्रिप लोहे के छाले को पकड़ नहीं पा रही है। इस वजह से काफी परेशानी हो रही है। 10 घंटे बीत जाने के बाद भी सड़क से छल्ले को हटाया नहीं जा सका है।

आईजीएल की पाइप लाइन में हुआ गैस रिसाव

- अधिकारियों की सक्रियता के चलते बड़ा हादसा टला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड की पाइप लाइन में शुक्रवार को गैस रिसाव हो गया। कंपनी के इंजीनियरों ने पहुंचकर लीकेज बंद किया। इधर, फायर फाइटर्स भी सारे उपकरणों के साथ मौजूद रहे, ताकि कोई अग्निकांड न हो सके।

बेहतर सामंजस्य और सक्रियता से एक बड़ा हादसा होने से टल गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया, शुक्रवार दोपहर 1.18 बजे सूचना मिली कि वैशाली सेक्टर-3 में अंब्रोसिया पैलेस के पास गैस पाइप लाइन में लीकेज हो गया है। इस सूचना पर तुरंत फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन अधिकारी सहित एक फायर टैंकर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुए। वहां जाकर देखा तो आईजीएल पाइप लाइन से गैस का रिसाव बहुत तेजी से हो रहा था। फायर यूनिट ने शीघ्रता से हौजलाइन फैलाकर रिसाव की जगह पर पानी डाला, जिससे आग ना लगे।

इसी दौरान आईजीएल के इंजीनियर पूरी टीम को लेकर पहुंच गए। उन्होंने पाइप से गैस रिसाव को बंद किया। तब तक फायर फाइटर्स ने घेरा बनाकर लोगों को वहां आने से रोक दिया। इस दौरान आसपास के लोगों में दहशत रही। लीकेज नहीं जुड़ने तक उन्होंने अपने घरों के चूल्हे भी नहीं जलाए। सीएफओ ने बताया कि सक्रियता से एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

गाजियाबाद में वेव सिटी थाने के इंस्पेक्टर निलंबित

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र ने वेव सिटी थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुशवाहा को सस्पेंड कर दिया है। एक स्कूल में छात्राओं से कथित तौर पर छेड़छाड़ और प्रिंसिपल से मारपीट प्रकरण में जांच में ढिलाई बरतने पर ये कार्रवाई होना बताया जा रहा है। सोशल मीडिया सेल के प्रभारी सब इंस्पेक्टर अंकित कुमार को वेव सिटी थाने का नया इंचार्ज बनाया गया है।

दरअसल, शाहपुर बम्हैटा गांव स्थित स्कूल की 50 से ज्यादा छात्राओं ने प्रिंसिपल पर छेड़छाड़ करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उधर, प्रिंसिपल ने भी कुछ लोगों पर स्कूल में घुसकर सिर फोड़ने का आरोप लगाया था। दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है। ये मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। उधर, कई पेरेंट्स पर मुकदमा दर्ज होने के बाद कुछ महिलाएं शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर से मिलीं।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	किरण इंटरनेशनल/ अनिता चौहान/ राजकुमार चौहान/ 025005500902	डीडीए एलआईजी फ्लैट-832, तीसरी मंजिल फेज़-2, जीआरपी-3, पॉकेट-1, राधिका अपार्टमेंट सेक्टर-14, द्वारका, दिल्ली/ अगस्त 23, 2023	अक्टूबर 14, 2022 रु. 18,57,034.00/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अगस्त 25, 2023
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	बबीता/ विनोद/विशाल/ LBGUR00004932921	प्लॉट नंबर आर 362, सेक्टर एमटी, बस स्टैंड, भट्टू, फतेहाबाद, हरियाणा/ अगस्त 22, 2023	जून 23, 2021 रु. 1,42,59,584/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अगस्त 25, 2023
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

Rungta Irrigation Limited

RUNGTA IRRIGATION LIMITED

CIN: L74899DL1986PLC023934
Registered Office: 101 Pragati Towers Rajendra Place, New Delhi-110008, India
Tel.: +91-11-40453330/40453331/40453332; **Contact Person:** Mrs. Ayushi Vijay, Company Secretary and Compliance Officer, **Email ID:** cs@rungtairrigation.in; **Website:** www.rungtairrigation.in;

NOTICE REGARDING 39TH ANNUAL GENERAL MEETING TO BE HELD THROUGH VIDEO CONFERENCING (VC) / OTHER AUDIO VISUAL MEANS (OAVM)

Public Notice – 39TH Annual General Meeting

This is to inform that, the 39th Annual General Meeting ("AGM") of Rungta Irrigation Limited ("the Company") will be held on Tuesday, 26th September, 2023 at 01:00 p.m. IST, through video conferencing (VC)/ other audio visual means (OAVM) in compliance with the applicable provisions of the Companies Act, 2013 and the rules made thereunder, read with latest circular date 10/2022 dated 28th December, 2022, other circulars Issued by the Ministry of Corporate Affairs (MCA) and Circular No. SEBI/HO/CFD/PoD-2/P/CIR/2023/4 dated 05th January, 2023 issued by the Securities and Exchange Board of India (SEBI).

Members may further note that in pursuance of above stated circulars and in furtherance of Go-Green initiative of the government, the Notice of the 39th AGM and Annual Report for the financial year 2022-23, will be sent through electronic mode only to those members whose email addresses are registered with the Company / Depository Participant/ Registrar and Transfer Agent ("RTA"). The members attending the meeting through VC or OAVM shall be counted for the purpose of quorum under section 103 of the Act. The Company is also providing e-voting and remote e-voting facility to all its Members similar to earlier practices. Members may note that the detailed procedure for remote e-voting / e-voting during the AGM is also mentioned in the notice of AGM.

The e-copy of the notice of the 39th AGM along with the Annual Report for the FY 2022-23 of the Company will be available on the website of the Company at www.rungtairrigation.in and also be available on the website of the BSE Limited at www.bseindia.com, in due course of time. The Company shall send a physical copy of the AGM Notice and Annual Report to those Members who request for the same at cs@rungtairrigation.in mentioning their Folio No./DP ID and Client ID.

The Members can attend and participate in the AGM through VC/OAVM only, detailed instructions for joining the AGM will be provided in the Notice of 39th AGM. Accordingly, please note that no provision has been made to attend and participate in the AGM of the Company in person.

In case the email address is not registered with the Company / Depository Participant / RTA, please follow the process of registering the same as mentioned below:

Physical Holding	Register/update the details in prescribed Form ISR-1 and other relevant forms with Registrar and Transfer Agents of the Company, BEETAL Financial & Computer Services Pvt Ltd. Members may download the prescribed forms from the Company's website at https://www.rungtairrigation.in/investor-information/download-category/kyc-compliance-for-shareholders/
Demat Holding	Please contact your Depositary Participant (DP) and register your email address as per the process advised by DP. Please also update your bank detail with your DP for dividend payment by NACH if declare by company in future.

The above information is being issued for the information and benefit of all the members of the Company and is in compliance with the MCA Circular(s) and the SEBI Circular.

For Rungta Irrigation Ltd
Sd/-
Ayushi Vijay
Company Secretary & Compliance Officer

Place: Delhi
Date: 25.08.2023

परिशिष्ट IV-A
नियम 8(6) का नियम देखे
अचल संपत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के नियम 8(6) के नियमों को पढते हुए सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रशन ऑफ फायनांशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अधीन अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई- निलामी बिक्री सूचना।

सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) तथा गॅरेन्टर (ओं) को सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी है, जिस पर सुरक्षित लेनदार अधिकृत अधिकारी **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड [CIN: L65922DL2005PLC136029] (सुरक्षित लेनदार द्वारा)** द्वारा **वास्तविक कब्जा** लिया जा चुका है, को **30.09.2023** को **दोपहर 02.00 से 04.00 बजे** तक **"जहां है", "जैसा है", और "जो कुछ भी है"**, की वसूली के लिए **ऋण खाता नं. HHEROH00400284** के लिए **रु. 19,77,626/- (रुपए उन्नीस लाख सतहत्तर हजार छह सौ छब्बीस मात्र)** के लिए **21.08.2023** तक बकाया मूलधन, बकाया (विलंब शुल्क के समेत) और ब्याज ऋण समझौते तथा अन्य सम्बन्धित ऋण दस्तावेजों के संदर्भ में लागू भावी ब्याज तथा कानूनी व्यय और अन्य खर्चों के साथ **22.08.2023** से प्रभावी जो **अनिल कुमार और सिमरन** पर सुरक्षित लेनदार द्वारा बकाया है की वसूली के लिए बेचा जाएगा।

अचल संपत्ति की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य **रु. 31,00,000/- (रुपए इकतीस लाख मात्र)** होगा और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट **("ईएमडी") रु. 3,10,000/- (रुपए तीन लाख दस हजार मात्र)** यानि आरक्षित मूल्य के 10% के बराबर होगा।

अचल संपत्ति का वर्णन

प्रोपर्टी बेअरिंग यूआईडी नंबर 608, मकान नंबर 79, जिसकी जमीन का क्षेत्रफल 170 वर्ग गज है, निर्मित क्षेत्रफल 630 वर्ग फीट है, वार्ड नंबर 9 में स्थित है, मौहल्ला हरिपुरा, राम मंदिर के सामने, झज्जर-124101, हरियाणा, जो निम्नानुसार सीमाबद्ध है:

पूर्व : अशोक कुमार का घर — **उत्तर : लक्ष्मण दास का घर**
पश्चिम : लक्ष्मण दास का घर — **दक्षिण : गली**

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तो के लिए कृपया सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानि www.indiabullshomeloans.com पर दिए गए लिंक को देखे और बोली लगाने के लिए www.auctionfocus.in पर लॉग ऑन करें।

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

दिनांक : 22.08.2023
स्थान : झज्जर

INDAG इन्डैग रबर लिमिटेड

सीआईएन : एल74899डीएल1978पीएलसी009038
पंजी. कार्यालय : खेमका हाउस, 11, कम्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली-110017
फोन : 011-26963172/73, 26863310, 26961211, 41664818, फैक्स : 011-26856350
ई-मेल : info@indagrubber.com, वेबसाइट : www.indagrubber.com

सूचना
(कम्पनी के इक्विटी शेयरधारकों के ध्यानार्थ)
कम्पनी के इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं विनिधानकर्ता प्राधिकरण (आईईपीएफ) के डीमैट खाते में अनिवार्य अंतरण।

यह सूचना कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(6) के साथ पठित कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित निवेशक शिक्षा एवं विनिधानकर्ता प्राधिकरण (लेखांकन, लेखापरीक्षा, अंतरण और प्रत्यर्पण) नियमावली, 2016 ("उक्त नियमावली") समय समय पर संशोधितानुसार तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचिबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 39(4) के अनुसरण में प्रकाशित की जा रही है।

नियमों के अधीन, अन्य के साथ, कम्पनी द्वारा एसे सभी शेयर जिनके संबंध में वित्तीय वर्ष 2016-2017 के लिए अंतरिम लाभांश का भुगतान और मागंदावा लगातार विगत 7 वर्षो से नहीं किया गया है, 30 नवंबर, 2023 से 30 दिन के भीतर, उक्त नियमावली में निर्धारित विधि में, केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा एवं सरंक्षण निधि (आईईपीएफ) के डीमैट खाते में अतंरित किए जाने की अपेक्षा की जाती है।

तदनुसार, कम्पनी द्वारा उन सबंधित शेयरधारकों को उनके अंतिम ज्ञात पते पर या ईमेल आईडी पर व्यक्तिगत सूचना भेजी है, जिनके शेयर नियमों के तहत आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में अंतरित किए जाने के भागी हैं। ऐसे शेयरधारकों का पूर्ण विवरण तथा उनके फोलियो नंबर अथवा डीपीआईडी-क्लाइटं आईडी कंपनी की वेबसाइट www.indagrubber.com पर अपलोड कर दिया गया हैं, जो आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में अंतरण के प्रयोजनार्थ कम्पनी द्वारा नए शेयर प्रमाणपत्र जारी किए जाने, यदि भौतिक रूप में धारित हैं, के संबंध में उचित सूचना मानी जाएगी।

संबंधित शेयरधारक ध्यान दें कि, ऐसे शेयरों पर कोई भावी लाभांश, जिसमें कार्पोरेट लाभ सम्मिलित हैं, आईईपीएफ खाते में क्रेडिट किए जाएंगे। ऐसे शेयर उक्त डीमैट खाते में क्रेडिट किए जाने पर, मांगदावा नहीं किए गए लाभांश और आईईपीएफ खाते में अंतरित किए गए ऐसे शेयरों के संबंध में कम्पनी के विरूद्ध कोई दावा मान्य नहीं होगा। तथापि, शेयरधारक आईईपीएफ नियमों के तहत दी गई प्रक्रिया का अनुपालन करने के पश्चता आईईपीएफ प्राधिकरण से क्रेडिट किए गए शेयर तथा अदावित लाभांश राशि वापस करने की मांग कर सकते हैं। इस संबंध में मांगदावा प्रस्तुत करने हेतु प्रक्रिया www.mca.gov.in तथा www.iepf.gov.in पर उपलब्ध है।

इस विषय में किसी अतिरिक्त जानकारी/स्पष्टीकरण के लिए, संबंधित शेयरधारक कम्पनी को इंडैग रबर लिमिटेड, खेमका हाउस, 11, कम्युनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110017, फोन : 011-26963172-73 ई-मेल : info@indagrubber.com के पते पर लिख सकते हैं अथवा कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेन्ट - स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, डी-153/ए, प्रथम तल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-110020, फोन : 011-26812682-83, ई-मेल : admin@skylinerta.com के साथ सम्पर्क कर सकते हैं।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते इंडैग रबर लिमिटेड
हस्ता./-
कम्पनी सेक्रेटरी

तिथि : 25 अगस्त, 2023
स्थान : नई दिल्ली

विवाद होने पर दोस्त ने वॉर्ड बॉय को मार दी गोली

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में बीती रात हुई एक सनसनीखेज वारदात के दौरान जीटीबी अस्पताल के वॉर्ड बॉय पारुल पंचाल निवासी न्यू रामप्रस्थ कॉलोनी बेहटा हाजीपुर को उसके दोस्तों ने ही गोली मार दी। पुलिस के मुताबिक यह वारदात उस समय हुई कि जब वॉर्ड बॉय पारुल पंचाल का विवाद किसी बात को लेकर अपने दोस्तों मिन्टू उर्फ पिन्टू, बाचू व भारत आदि से हो गया। गोली मारने के बाद जब चारों युवक वहां से भाग गये तो किसी ने उक्त वारदात की सूचना पुलिस व पारुल पंचाल के परिजनों को दी।

उक्त वारदात की सूचना मिलने के बाद पुलिस व पारुल के परिजन मौके पर पहुंच गये। उसके बाद उन्होंने पुलिस के सहयोग से पारुल पंचाल को गंभीर अवस्था में जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। इस संदर्भ में एसीपी अंकुर विहार रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि पुलिस ने तहरीर मिलने पर नामजद तीनों युवकों सहित चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कर ली। उसके बाद पुलिस की कई टीम गठित करके उन्हें अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये लगा दिया गया। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी थी। उधर जीटीबी अस्पताल में भर्ती पारु पंचाल की हालत नाजुक बनी हुई थी।

करंट लगने से तीन मजदूरों की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अंडर कंस्ट्रक्शन साइट पर शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। करंट लगने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त निमिष पाटिल ने बताया, विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित सिद्धार्थ विहार में टीएंडटी कंस्ट्रक्शन साइट है, जहां पर डी.होम्स हाउसिंग सोसाइटी पर काम चल रहा है। यहां शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे काम करते वक्त तीन मजदूरों को करंट लग गया। तुरंत उन्हें नजदीकि अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

तीनों मृतक पश्चिम बंगाल में अलग.अलग जगहों के रहने वाले थे। पुलिस का उनके परिजनों से संपर्क हो गया है। एसीपी ने बताया, इस संबंध में मृतकों के परिजनों की तरफसे जो शिकायत दी जा रही है, उस पर तुरंत मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दे दिया गया है।

साइट पर मौजूद अन्य मजदूरों ने बतायाए साइट पर बिजली के तार और खंभे लगाने का काम चल रहा था। अचानक तार में करंट दौड़ आया और ऊपर काम कर रहे तीन मजदूर नीचे आ गिरे। मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है।

अक्टूबर 2024 से जेवर एयरपोर्ट से पहली उड़ान

- 8 हजार श्रमिक रात-दिन कर रहे हैं काम, पहले रनवे का ट्रायल छह माह में : मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेनो में बन रहे एयरपोर्ट के उद्घाटन का समय तय हो गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने घोषणा की है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 14 महीने बाद फ्लाइट उड़नी शुरू हो जाएगी।

यात्रियों के लिए फ्लाइट उड़ाने से पहले 6 महीने का ट्रॉयल किया जाएगा। इस हिसाब से अगले 8 महीने में एयरपोर्ट का प्रथम चरण बनकर तैयार हो जाएगा। आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा की बगल में बस रहे यमुना सिटी में एशिया का सबसे बड़ा हवाई अडडा बन रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से बन रहे इस एयरपोर्ट को जेवर एयरपोर्ट भी कहा जाता है। इस एयरपोर्ट को बनाने का काम देश की जानी-मानी कंपनी टाटा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कर रही है। एयरपोर्ट बहुत जल्दी बनकर तैयार हो जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने बताया कि अक्टूबर 2024 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट उड़ेगी। उद्घाटन की निश्चित तारीख को लेकर उन्होंने बताया कि अभी से दिन व तारीख की घोषणा करना व्यवहारिक नहीं है। यह निश्चित कर लिया गया है कि अक्टूबर 2024 में फ्लाइट अवश्य उड़ाई जाने लगेगी। फ्लाइट उडने् से पहले रनवे व दूसरी सुविधाओं का 6 महीने तक ट्रॉयल किया जाएगा। इस प्रकार अगले 8 महीने में एयरपोर्ट के प्रथम चरण का निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कर रही टाटा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के विनायक पाई ने बताया कि एयरपोर्ट के निर्माण कार्य में 6 हजार मजदूर रात-दिन लगे हुए हैं। शीघ्र ही इन मजूदरों को बढ़ाकर 8 हजार कर दिया जाएगा। जेवर में बनने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर यमुना प्राधिकरण के सीईओ डा अरूणवीर सिंह ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ना सिर्फ देश का पहला सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा बल्कि इसका डिजाइन टिकाऊ विकास पर आधारित होगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

आतिशी ने एलजी से की मुख्य सचिव की शिकायत

सतर्कता व सेवा मंत्री ने निर्वाचित सरकार के आदेश को न माने जाने पर एलजी को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सेवा एवं सतर्कता मंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर मुख्य सचिव नरेश कुमार की शिकायत की है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि मुख्य सचिव दिल्ली सरकार के आदेशों का पालन करने से इनकार कर रहे हैं।

मंत्री ने अपने पत्र में लिखा कि जीएनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम, 2023 सेवाओं के संबंध में उपराज्यपाल को केवल विशिष्ट शक्तियां प्रदान करता है। इनका प्रयोग राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण को लेकर की गई सिफारिशों पर किया जाना है। साथ ही कहा कि सर्वोच्च कोर्ट ने भी दिल्ली सरकार का समर्थन करते हुए कहा है कि एनसीटीडी के पास सेवाओं पर विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। मंत्री के आदेश पर मुख्य सचिव ने जो जवाब दिए हैं वह गलत हैं।

सर्विसेज पर एग्जीक्यूटिव कंट्रोल के मुद्दे पर असहमति के बाद, आतिशी ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को इस मामले पर पुनर्विचार करने के लिए पत्र लिखा है और उनकी राय भी मांगी है। मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 239एए के खंड (3) और (4), राज्य सूची या समवर्ती सूची में शामिल सभी मामलों के संबंध में पब्लिक ऑर्डर, लैंड और पुलिस को छोड़कर दिल्ली की मंत्रिपरिषद अपनी कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करती है और एलजी उन मामलों को छोड़कर बाकी सभी में मंत्रिपरिषद को केवल सलाह दे सकते है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी 21 मई, 2015 की अपनी अधिसूचना में यह निर्धारित किया था कि उपराज्यपाल लैंड, पुलिस, पब्लिक ऑर्डर और सेवाओं से जुड़े मामलों के संबंध में अपनी शक्तियों का प्रयोग करेंगे। तब से, उपराज्यपाल दिल्ली में सर्विसेज के संबंध में सभी निर्णय ले रहे है। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई, 2023 के अपने आदेश में सर्वसम्मति से दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि दिल्ली सरकार के पास सर्विसेज पर विधायी और कार्यकारी शक्तियाँ है।

लेकिन 19 मई, 2023 को जीएनसीटीडी (संशोधन) अध्यादेश, 2023, ने सर्विसेज़ से संबंधित किसी भी मामले के संबंध में कानून बनाने के लिए विधानसभा की शक्तियों को छीन लिया। इसके परिणाम स्वरूप, सर्विसेज पर जीएनसीटीडी की कार्यकारी शक्ति भी ले ली गई और जिस दौरान अध्यादेश लागू था, तब लैंड, पुलिस और पब्लिक ऑर्डर के अलावा सर्विसेज को भी एक आरक्षित विषय माना गया। उन्होंने कहा कि अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई थी। इसके बाद, जीएनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम, 2023 लागू हुआ, जिसने जीएनसीटीडी (संशोधन) अध्यादेश, 2023 की जगह ले ली।इसमें विशेष रूप से संशोधन अधिनियम ने जानबूझकर धारा 3 ए को हटा दिया गया। फिर भी जीएनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम, 2023 में सर्विसेज के संबंध में एलजी को केवल विशिष्ट शक्तियां प्रदान करता है, जिनका प्रयोग राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण द्वारा की गई सिफारिशों पर ही किया जाना है। इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और जीएनसीटीडी संशोधन अधिनियम के तहत सर्विसेज़ के संबंध में अन्य सभी शक्तियां जो एलजी या अथॉरिटी को प्रदान नहीं की गई हैं, उनका प्रयोग दिल्ली की चुनी हुई सरकार के मंत्री मंडल द्वारा किया जाना है।

ऐसे में जीएनसीटीडी संशोधन अधिनियम की धारा 45 जे (5) के तहत मुख्य सचिव का कहना है कि जीएनसीटीडी अधिनियम से धारा 3 ए को हटाने के बावजूद सर्विसेज और विजिलेंस से संबंधित सभी मामलों पर प्रभावी कार्यकारी नियंत्रण केंद्र सरकार और एलजी के पास है, न की चुनी हुई सरकार के पास। ऐसे में दिल्ली की चुनी हुई सरकार इस कानूनी व्याख्या से असहमत है और एलजी से इसपर विचार करने की माँग करती है।

अब दिल्ली सेवा से जुड़े कानून को चुनौती देगी दिल्ली सरकार

- उच्चतम न्यायालय ने दी याचिका में संशोधन की अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को याचिका में संशोधन कर राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश के बजाय संसद द्वारा हाल में पारित कानून को चुनौती देने की शुक्रवार को अनुमति दे दी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर ध्यान दिया कि पहले याचिका में अध्यादेश को चुनौती दी गई थी जो अब संसद से मंजूरी के बाद कानून बन गया है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, अंतरिम अर्जी उस रिट याचिका में संशोधन का अनुरोध करती है, जिसमें एनसीटी अध्यादेश को चुनौती दी गई थी। अब यह एक अधिनियम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार संशोधन अधिनियम 2023) के जरिए बदला जा चुका है। हमने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनी हैं। पीठ ने कहा, सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। (याचिका में) संशोधन संबंधी अर्जी स्वीकार की जाती है। केंद्र सरकार यदि जवाबी हलफनामा देना चाहती है तो चार सप्ताह के भीतर दायर सकती है। संसद में तीखी बहस और विपक्षी दलों द्वारा इसे पारित होने से रोकने के प्रयास के बावजूद लोकसभा एवं राज्यसभा ने हाल में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी, जिसे दिल्ली सेवा विधेयक के रूप में भी जाना जाता है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाहों की तैनाती और स्थानांतरण सहित विभिन्न सेवाओं पर उपराज्यपाल का सर्वोच्च अधिकार होगा। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केंद्र के 19 मई के अध्यादेश को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका को पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया था। अध्यादेश के जरिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं से स्थानीय सरकार का नियंत्रण छीन लिया था और एक बार फिर से केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच नए सिरे से विवाद शुरू हो गय था।

केंद्र ने दिल्ली में ग्रुप-ए के अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती के लिए एक प्राधिकरण बनाने के वास्ते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 लागू किया था। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने अध्यादेश को सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ धोखा करार दिया था। मामला अब भी शीर्ष अदालत में लंबित है। अध्यादेश जारी होने से पहले, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की 2015 की अधिसूचना के कारण केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच जारी आठ साल पुराने विवाद पर विराम लगा दिया था। आप सरकार और उपराज्यपाल के बीच लगातार टकराव की पृष्ठभूमि में, शीर्ष अदालत ने कहा था कि राजधानी सरकार को नौकरशाहों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है, अन्यथा सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नए कानून में दिल्ली, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली (सिविल) सेवा (दानिक्स) कैडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के स्थानांतरण, तैनाती और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्वाई के लिए एक राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकार की परिकल्पना की गई है। मुख्यमंत्री प्राधिकार के तीन सदस्यों में से एक हैं, जबकि दो अन्य नौकरशाह हैं। प्राधिकार द्वारा निर्णय बहुमत से लिए जाएंगे और विवाद की स्थिति में मामला एलजी को भेजा जाएगा, जिनका निर्णय अंतिम होगा। अदालत फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों का स्थानांतरण और तैनाती उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में था।

संक्षिप्त समाचार

आयोजित कार्यक्रम में सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी।

गुरु हरिकृष्ण पॉलीक्लिनिक लगेगी पीईटी स्कैन मशीन

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि कमेटी द्वारा चिकित्सा सुविधाओं में विस्तार करते हुए गुरु हरिकृष्ण पॉलीक्लिनिक गुरुद्वारा बंगला साहिब में कैंसर की जांच के लिए उपयोग होने वाली पेट स्कैन मशीन आगामी दो माह के भीतर लगाई जा रही है। गुरु हरिकृष्ण पॉलीक्लिनिक में अरदास के पश्चात बाबा बचन सिंह की अगुवाई में मशीन की स्थापना के लिए कार सेवा प्रारंभ की गई। इस फुल बॉडी पेट स्कैन मशीन को लगाने के लिए सभी आवश्यक अनुमति सरकार से मिल गई है। इस मशीन का नाम प्रीमियम पीईटी सीटी स्कैनर विद लेजर है। इस मौके पर चेयरमैन सरदार भूपिंदर सिंह भुल्लर और चेयरमैन सरदार सुरजीत सिंह जीती और चेयरमैन सरदार गुरदेव सिंह बाला साहिब अस्पताल के अलावा बाबा बचन सिंह, बाबा सुरिंदर सिंह, बाबा लक्खा सिंह व बाबा सतनाम सिंह सहित अन्य प्रमुख शख्सियतें मौजूद रहीं।

यौन उत्पीड़न आरोपियों का डाटा बेस बने : मालीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग प्रमुख स्वाति मालीवाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के आरोपी सरकारी अधिकारियों का एक डेटाबेस तैयार करने की मांग की है। मालीवाल ने यह पत्र ऐसे समय लिखा है जब कुछ दिन पहले महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग के एक अधिकारी को एक किशोरी से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। तेरह अगस्त को दर्ज मामले में गिरफ्तार होने से कुछ समय पहले, प्रेमोदय खाखा को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश के बाद महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग में उप निदेशक के पद से निलंबित कर दिया गया था। खाखा पर एक किशोरी से कई बार दुष्कर्म करके उसे गर्भवती करने का आरोप है। खाखा की पत्नी सीमा रानी पर आरोप है कि उसने लड़की को गर्भपात के लिए गोलियां दीं। कुमार को लिखे अपने पत्र में डीसीडब्ल्यू प्रमुख मालीवाल ने कहा कि आयोग ने महिला एवं बाल विकास विभाग और दिल्ली पुलिस को एक नोटिस जारी किया है। मालीवाल ने बृहस्पतिवार को भेजे पत्र में कहा, आयोग को सूचित किया गया है कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में आरोपी व्यक्ति के खिलाफ पहले चार शिकायतें दर्ज की गई थीं।

विस अध्यक्ष को चार दिन बाद भी नहीं मिला एलजी का पत्र

- मीडिया में लीक होने पर भड़के राम निवास

रामनिवास गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच तनातनी कम नहीं हो रही है। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी एक मामले को लेकर एलजी पर हमला बोला।

गोयल कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा के तहत अदालत द्वारा अपराधों का संज्ञान लेने से पहले दर्ज अपराधों के अभियोजन के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी आवश्यक है। किसी विधायक के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के सक्षम प्राधिकारी विधानसभा अध्यक्ष हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अखिलेश पति त्रिपाठी के खिलाफ कथित शिकायत के बारे में तब तक कोई टिप्पणी नहीं करेंगे जब तक की उन्हें फाइल नहीं मिल जाती।

अध्यक्ष ने कहा कि वह रोजाना उपराज्यपाल के फैसलों के बारे में समाचार पढ़ते हैं जो संबंधित व्यक्तियों को आधिकारिक तौर पर फाइल मिलने से पहले ही लीक हो जाती है। इनमें से अधिकतर राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए होती हैं। उन्होंने कहा कि वे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने इससे पहले भी मुद्दे पर नाराजगी जताई थी। इससे पहले 17 अप्रैल 2023 को विधानसभा की एक दिन की बैठक पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री को लिखा गया उपराज्यपाल पत्र मुख्यमंत्री या विधानसभा को मिलने से पहले ही मीडिया को दिया जा चुका था। अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आगे बेहतर समझ कायम होगी और एलजी का कार्यालय उच्च पद के साथ जुड़ी गरिमा, शिष्टाचार और शालीनता को बनाए रखेगा।

दिल्ली को मिला एक और स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस

- मंत्री का दावा नया स्कूल देशभर के प्राइवेट स्कूलों से भी शानदार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोहाट एनक्लेव पीतमपुरा का नए डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, देशभर के प्राइवेट स्कूलों से भी शानदार है। यह स्कूल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को स्कूल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर तबके के बच्चों को शानदार शिक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है। कोहाट एनक्लेव का यह नया स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, दिल्ली के बेहतरीन स्कूलों में से एक है। इसमें

उपलब्ध सुविधाएं मूलभूत ढ़ांचा शानदार है जिससे गरीब से गरीब तबके से आने वाले बच्चों के लिए भी विश्वस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यह चार मंजिला स्कूल 3 ब्लॉकों में विभाजित है और इसमें 50 क्लासरूम हैं। इसके अतिरिक्त, 9 लैब्स, 2 लाइब्रेरी, ऑफिस, स्टाफ रूम, एक्टिविटी रूम, विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं, हर मंजिल पर लिफ्ट हैं। साथ ही स्कूल में 290 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक बहुउद्देश्यीय एसी हॉल भी है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस नए स्कूल में लगभग 1,000 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता है और इससे पीतमपुरा, आनंदवास पुनर्वास कॉलोनी, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी और रोहिणी सहित आस-पास के बच्चों को लाभ होगा।

छात्रों को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि वह खुद एक जाने-माने निजी स्कूल से पढ़ी है लेकिन यह स्कूल उससे भी बेहतर है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली का बड़े से बड़ा निजी स्कूल इस स्कूल को टक्कर नहीं दे सकता। आतिशी ने कहा कि, जब बच्चे ऐसे माहौल में पढ़ते थे तो कभी नहीं मानते थे कि वो देश का भविष्य है और कहते थे कि देश का भविष्य तो वो है जो चमचमाते हुए निजी स्कूलों में पढ़ते है। उनके मन में हमेशा ये शंका होती थी कि क्या मैं अच्छी नौकरी ले सकूंगा, मेरा भविष्य अच्छा होगा या नहीं।

सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या हो रही है कम: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शिक्षा मंत्री आतिशी को चुनौती देते हुए कहा है कि वह या तो यह साबित करें कि पिछले तीन सालों में प्राइवेट स्कूलों से चार लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों में एडमिशन लिया है या फिर अपने पद से इस्तीफा दे दें। आतिशी द्वारा इस तरह के दावे को बिधूड़ी ने सफेद झूठ बताते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री होने के नाते उन्हें बच्चों के सामने आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए लेकिन वह बड़ी ही निर्लज्जता के साथ झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं। बिधूड़ी ने आंकड़े जारी किए और बताया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बड़ी ने की बजाय कम हो रही है।

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत एक सितंबर तक बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने धनशोधन मामले में पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत एक सितंबर तक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की पीठ ने जैन की चिकित्सीय रिपोर्ट का संज्ञान लेने के बाद उन्हें राहत प्रदान कर दी।

शीर्ष अदालत ने 24 जुलाई को जैन की अंतरिम जमानत पांच सप्ताह के लिए बढ़ा दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने अंतरिम जमानत बढ़ाने का पुरजोर विरोध किया। शीर्ष अदालत ने 26 मई को जैन को चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि किसी भी नागरिक को अपने खर्च पर निजी अस्पताल में अपनी पसंद का इलाज कराने का अधिकार है।

ईडी ने जैन को कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के माध्यम से धनशोधन के आरोप में पिछले साल 30 मई को गिरफ्तार किया था। जैन को ईडी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 2017 में उनके खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के बाद गिरफ्तार किया था।

स्कूल में मिड-डे मिल के बाद जूस पीने से 60 बच्चे बीमार

- सभी अस्पताल में भर्ती सरकार ने 24 घंटे में मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

साउथ वेस्ट दिल्ली के सागरपुर थाना इलाके में एक सरकारी स्कूल में बच्चों को मिड डे मील देने के बाद पैक्ड जूस बांटा गया था। जिसे पीने के बाद करीब 60 बच्चों को पेट में दर्द, उल्टी की शिकायत हुई। आनन-फानन में बच्चों दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल और दादा देव अस्पताल, डाबरी में भर्ती कराया गया। अपराध शाखा की टीम ने भोजन और जूस के नमूने जब्त किए गए।

दिल्ली सरकार ने मिल डे मिल आपूर्ति करने वाले को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे में जवाब मांगा है। सरकार का कहना है कि

जिसकी भी गलती होंगी उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के सागरपुर इलाके में स्थित दुर्गा पार्क के सर्वोदय बाल विद्यालय में मिड-डे मील के बाद सोया जूस पीने से 60 से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए। पेट में दर्द और उल्टी होने की शिकायत के बाद छात्रों को स्कूल के पास क्लीनिक और अस्पतालों में ले जाया गया, जहां से बच्चों को डीडीयू और दादा देव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ बच्चों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। शुरूआती जांच में पता चला कि छात्रों को जूस एक्सपायरी डेट का पिलाया गया है, जिसे पीने के बाद बच्चों की तबीयत खराब हुई है।

छात्रों के परिजनों ने किया हंगामा

बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही उनके परिजन स्कूल पहुंच गए। उन्होंने वहां जमकर हंगामा किया। एहतियातन स्कूल प्रशासन ने दरवाजा बंद कर दिया था। पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी कारोबारी ढल को इलाज के लिए एम्स ले जाने का निर्देश

दिल्ली आबकारी मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामलों में जेल में बंद कारोबारी अमनदीप सिंह ढल को चिकित्सकीय जांच व उपचार के लिए शनिवार को एम्स ले जाने का निर्देश दिया है।

आबकारी नीति से संबंधित अलग-अलग मामलों में सीबीआई और ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए ब्रिन्डको सेल्स के निदेशक ढल ने स्वास्थ्य आधार पर दो सप्ताह की जमानत देने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी कर ढल की अंतरिम जमानत याचिका पर जवाब मांगा। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-दिल्ली के चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) को आरोपी की जांच कर चार सितंबर तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा, ढल को चिकित्सकीय जांच व उपचार के लिए कल एम्स ले जाया जाए।

डीयू में ईडब्ल्यूएस छात्रों की फीस छूट पर लगी मोहर

- दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद की 1267 वीं बैठक, वित्त समिति की सिफारिशों को मजूंरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद की बैठक में कुलपति योगेश व अन्य।

दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद (ईसी) की 1267 वीं बैठक में आर्थिक रूप से कमजोर(ईडब्ल्यूएस) छात्रों की फीस छूट पर मोहर लग गई है। साथ ही डीयू के कुलपति ने वित्त समिति की सिफारिशों को मजूंरी दे दी है।

बैठक की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। कुलपति ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय सहायता योजना के तहत फीस में 90 प्रतिशत तक छूट का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों के माता-पिता की आय चार लाख रुपये या उससे कम है, उन्हें फीस में 90 प्रतिशत छूट दी जाएगी, जिन विद्यार्थियों के माता-पिता की आय चार से आठ लाख रुपए तक है, उन्हें फीस में 50 प्रतिशत छूट है।

पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ के विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए भी विश्वविद्यालय की ओर से 50 हजार रुपए तक प्रतिपूर्ति की जाएगी। केंद्रीय मूल्यांकन केंद्रों में लगे विभिन्न स्तरों के कर्मचारियों को देय पारिश्रमिक की दरों में संशोधन के लिए गठित समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कार्यकारी परिषद द्वारा उनका भी अनुमोदन किया गया। इसी तरह प्रैक्टिकल परीक्षाओं के संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर देय पारिश्रमिक की दरों में संशोधन को स्वीकार किया गया और समिति के इस निर्णय को भी स्वीकृति प्रदान की गई कि जहां भी वार्षिक शब्द आ रहा है, उसे सेमेस्टर के रूप में पढ़ा जा सकता है। ईसी की बैठक के दौरान अकादमिक परिषद की 1015 वीं बैठक में की गई सिफारिशों पर विचार किया गया। इसके तहत अंडर ग्रेजुएट कुर्रीकुलम के अनुसार विभिन्न विभागों एवं कॉलेजों के लिए चौथे, पांचवें और छटे स्मेस्टर के सिलेबस को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

फाइन आर्ट्स में भी होगी पीएचडी

संगीत एवं ललित कला संकाय द्वारा सत्र 2023-2024 से फाइन आर्ट्स में पीएचडी शुरू करने को भी मंजूरी दी गई। ईसी द्वारा इसके लिए नियम भी पारित कर दिये गए। नियमों के अनुसार कार्यक्रम में बने रहने और शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने के लिए पात्र होने हेतु एक पीएचडी स्कॉलर को पाठ्यक्रम कार्य में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक या 9 क्रेडिट या यूजीसी 7-पॉइंट स्केल में इसके समकक्ष ग्रेड (या जहां भी ग्रेडिंग प्रणाली का पालन किया जाता है, वहां पॉइंट स्केल में समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होता है। प्रति क्रेडिट शिक्षण कार्य 04 घंटे का है।

नरेला में बनेगा जीजीएसआईपीयू का नया परिसर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- उपराज्यपाल ने इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय के लिए 25-25 एकड़ भूमि के आवंटन को मंजूरी दी

उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिल्ली में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय का नया परिसर बनेगा। इससे नौकरियों और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नए अवसर मिलेंगे। उपराज्यपाल ने नरेला में जीजीएसआईपीयू और दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय के परिसर के लिए 25-25 एकड़ जमीन के आवंटन को मंजूरी दी।

साथ ही दोनों विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के आवास और छात्रावास के लिए नरेला में डीडीए फ्लैट भी खरीदेंगे हेतु किए गए अनुरोध को भी अपनी सहमती दे दी है। उनके इस कदम से नरेला उप-शहर के विकास में पूरे उत्तर और उत्तर-पश्चिम की ही भांति जबरदस्त बढ़ावा मिला है। जीजीएसआईपीयू, जिसका स्थापना के बाद काफी विस्तार हुआ है और जो लगातार जगह की कमी का सामना कर रहा था।

विवि ने डीडीए को पत्र लिखकर अपने नए उत्तरी आवासीय परिसर के लिए भूमि आवंटन का अनुरोध किया था और अपने कर्मचारियों और छात्रों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए नरेला में डीडीए फ्लैटों के आवंटन का भी अनुरोध किया था। इसी तरह,जनवरी 2022 में स्थापित महत्वाकांक्षी दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय,जो मुखर्जी नगर की आउट्राम लाइन स्थित एक स्कूल भवन में चल रहा है, ने डीडीए को पत्र लिखकर अपने परिसर की स्थापना के लिए नरेला में 25 एकड़ जमीन के आवंटन का अनुरोध किया था। साथ ही विश्वविद्यालय ने अपने कर्मचारियों और छात्रों के आवास के लिए डीडीए से फ्लैटों के आवंटन का भी अनुरोध किया था।

उपराज्यपाल ने डीडीए द्वारा दोनों विश्वविद्यालयों को 25-25 एकड़ भूमि के आवंटन को मंजूरी दे दी है। साथ ही उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रत्येक को 200 फ्लैटों के आवंटन को भी मंजूरी दे दी है।

शहर के धार्मिक स्थल से स्मार्ट सड़क बनाने की होगी शुरुआत

सोहना। नगर परिषद शहर के धार्मिक स्थल शिव कुंड गर्म पानी चश्मा से सड़कों को स्मार्ट बनाने को शुरुआत करेगी। पहले चरण में 4 सड़कों को स्मार्ट बनाई जाएगी।

नगर परिषद शहर आठ प्रमुख सड़कों को स्मार्ट बनाने के लिए चिंहित किया था। जिसमें शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक से चुंगी नंबर एक जाने वाली सड़क से लेकर नागरिक अस्पताल मार्ग, फव्वारा चौक से पुराना अलवर रोड़ अग्रसैन चौक, आंबेडकर बाईपास चौक से तावडू, पलवल और गुरूग्राम जाने वाली सड़क को दमदमा चौक तक। शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक से पुरानी सब्जी मंडी से होता हुआ शिव कुंड, शिव कुंड से ठाकुरवाड़ा मौहल्ला और देवीलाल मार्ग को चुना गया था। परिषद ने पहले चरण में 4 सड़कों को स्मार्ट बनाने का फैसला लिया है। जिसमें शिव कुंड गर्म चश्मा से ठाकुरवाड़ा मौहल्ला जाना वाली सड़क। शिव कुंड से शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक आने वाली सड़क और देवीलाल मार्ग तक जाने वाली सड़क को लिया गया है।

सड़कों को बनाया जाएगा हरा-भरा : स्मार्ट सड़कों के किनारे पर हरियाली पट्टी होगी। जिसमें खुशबू और रंग बिरंगे फूलों वाले पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ स्मार्ट मार्ग पर तिरंगा लाइटें लगाई जाएगी।

गुरुग्राम विधानसभा के पन्ना प्रमुख सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाएं कार्यकर्ता : सुधीर सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विधानसभा का पन्ना प्रमुख सम्मेलन 27 अगस्त को शीतला माता रोड पर शुभ वाटिका में होगा। इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर कार्यकर्ता जिम्मेदारी से काम करते हुए सम्मेलन में पहुंचे। कार्यकर्ताओं से यह आग्रह गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने किया है। विधायक सुधीर सिंगला ने बताया कि गुरुग्राम विधानसभा का पन्ना प्रमुख सम्मेलन सायं 4:00 बजे से होगा। इस सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्य एवं पूर्व सांसद डा. सुधा यादव, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीतियों से अवगत कराएंगे। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हरियाणा में भाजपा का बड़ा जनाधार है। पार्टी हर कदम पर हर स्तर पर मजबूत है। पन्ना प्रमुख से लेकर वरिष्ठ नेताओं की कड़ी मेहनत से पार्टी आज बेहतर मुकाम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में काम करना है। हमारा यह दायित्व है कि हम पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाते हुए जन-जन को जागृत और जागरुक करें। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और हरियाणा सरकार की नीतियों ने अंतिम व्यक्ति तक के व्यक्ति को लाभ पहुंचाया है।

विधायक सुधीर सिंगला

गुरुग्राम विधानसभा का पन्ना प्रमुख सम्मेलन 27 अगस्त को शीतला माता रोड पर शुभ वाटिका में होगा

लगातार नई योजनाओं को लागू करके सरकार ने आम आदमी को राहत दी है। उन्होंने कहा कि पन्ना प्रमुख एक कार्यशाला है। इसमें हमारे वरिष्ठ नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को शिक्षा दी जाती है। भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा की जाती है। विधायक सुधीर सिंगला ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अपने इस पन्ना प्रमुख सम्मेलन में शिरकत करके वरिष्ठ नेताओं को सुनें।

संक्षिप्त समाचार

चंद्रयान की सफलता से संकल्प सिद्धी की प्रेरणा लें युवा पीढ़ी

स्कूल में बच्चों के साथ अनुराग बख्शी।

गुरुग्राम। हरियाणा एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन और पूर्व आईआरएस अनुराग बक्शी ने हीरो होंडा चौक स्थित रोजलैंड पब्लिक स्कूल में बच्चों के साथ आज राखी का त्योहार मनाया। बतौर मुख्यातिथि पहुंचे बक्शी ने बच्चों को चंद्रयान-3 की सफलता से संकल्प सिद्धी की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। स्कूल पहुंचने पर स्कूल के चेयरमैन वाईपी गोयल और को-चेयरमैन मधुबाला गोयल ने बख्शी का स्वागत किया और उसके बाद बच्चों की ओर से गणेश और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। बच्चों को संबोधित करते हुए अनुराग बक्शी ने कहा कि आज पूरा देश जैसे चांद पर है। हर भारतवासी इस उपलब्धि से स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहा है। देश को यह गौरवशाली क्षण प्रदान करने वाले इसरो के सभी वैज्ञानिकों को बधाई देने के साथ ही बक्शी ने उनका आभार और धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम में स्कूल के चेयरमैन वाई पी गोयल, को-चेयरमैन मधुबाला गोयल, उनके सुपुत्र डॉ. अभिषेक गोयल, पुत्रवधु डॉ. रीमा गोयल और स्कूल की प्राधानाचार्या मौजूद रहे।

खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचकर नाम रोशन करें खिलाड़ी

हाजीपुर पातली में खंड स्तरीय खेल में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि।

गुरुग्राम। फरुखनगर खंड के गांव हाजीपुर पातली में चार दिवसीय खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 21 अगस्त से 24 अगस्त तक चली। खेल प्रतियोगिता में 21 अगस्त से 22 अगस्त 2 दिन तक लड़की खिलाड़ियों की प्रतियोगिता चली। जिसमें खेल खो-खो, कबड्डी, गोला फेक, दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप आदि की प्रतियोगिता हुई। 23 अगस्त से 24 अगस्त तक लड़कों की खेल प्रतियोगिता चली। दोनों ही प्रतियोगिताओं में खेल समान रहे। लड़कियों की लगभग 35 टीमों ने खेलों में भाग लिया और लड़कों की भी 30 से 35 टीमों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के सहूलियत के लिए ग्राम पंचायत हाजीपुर (पातली) की तरफ से खेल स्टेडियम के अंदर टेंट, जलपान, फल आदि की सुविधा खिलाड़ियों को दी गई। तीन दिवसीय खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन हो गया। समापन के दौरान पूर्व सरपंच सुंदर लाल यादव ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बच्चों ने खेलों में बहुत मेहनत की है। सभी खिलाड़ियों ने अपनी अपनी गुणवत्ता के अनुसार प्रतियोगिता का प्रदर्शन किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में आगे राष्ट्रीय सत्र खेलो तक पहुंचें, ताकि अपने क्षेत्र का स्कूल का और गांव का नाम रोशन करें। इस मौके पर सरपंच धर्मपाल, शिशान्त सरपंच, संजय यादव, विनोद प्रजापति समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रात के अंधेरे में घरों से बाहर न निकलने की हिदायत

सोहना। वन्य जीव विभाग की टीम ने शहर के ठाकुरवाड़ा मौहल्ले से लगती आबादी क्षेत्र का दौरा किया। दौरे के दौरान टीम को तेंदुए के पैरों के निशान पाएं गए है। टीम ने स्थानीय नागरिकों को रात के समय में घरों से अकेला न निकलने की हिदायतें दी है। शहर के वार्ड-16 के ठाकुरवाड़ा मौहल्ले में पिछले 4-5 दिन से आ रही तेंदुए आने से यहा के निवासी खौफजदा हो रहे है। तेंदुए ने कुत्ता व बछड़ा को शिकार भी किया। जिसकी शिकायत वन्य जीव विभाग को स्थानीय नागरिकों द्वारा की गई। वन्य जीव विभाग की टीम ने शुक्रवार को ठाकुरवाड़ा मौहल्ला व साथ में लगती अरावली पहाड़ी का दौरा किया। दौरे में टीम को तेंदए के पैरों निशान पाएं गए है। इसके अलावा स्थानीय नागरिकों द्वारा तेंदुए की बनाई गई वीडियो और फोटो से पुष्टि हो गई है। वन्य जीव विभाग की टीम के सदस्यों ने ठाकुरवाड़ा मौहल्ला के निवासियों को रात के अंधेरे में अपने घरों से अकेले न निकलने की हिदायतें दी है। रात को जरुरी कार्य के लिए ही घरों से निकलते समय दो से तीन लोग एक साथ रहे। तेंदुए कभी दो या दो से अधिक लोगों पर हमला नहीं करता। अपने घरों के बाहर लाइटें जलाकर रखे। बिजली की रोशनी जली होने पर तेंदुआ सामने नहीं आता है। तेंदुआ एक ही क्षेत्र में अधिक दिन तक नहीं रुकता। वह कुत्ता को सबसे पहले शिकार बनाता है। स्थानीय निवासी 7 से 10 दिन तक ही सावधानियां बरते और यह तेंदुए बहुत ही जल्द इस क्षेत्र को छोड़कर दूसरे क्षेत्र में चला जाएगा।(राजेश चहल-जिला निरीक्षक वन्य जीव विभाग)

अंडरपास को लेकर बागड़ी ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

गुरुग्राम। धनवापुर रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे अंडरपास का निर्माण त्वरित गति से करवाने की भाजपा नेता व पूर्व निगम पार्षद मंगत राम बागड़ी मांग की। उन्होंने उत्तर रेलवे दिल्ली डिविजन के डीआरएम सुखबीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। डीआरएम ने तत्काल सम्बंधित अधिकारी को टेलीफोन कर निर्माण को तेज करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि रेलवे के अधिकारी मौके का निरीक्षण कर इसके लिए त्वरित आवश्यक कदम उठाएंगे। पूर्व पार्षद बागड़ी ने जनहित में उनकी मांग पर संज्ञान लेने के लिए डीआरएम का आभार जताया। उन्होंने बताया कि धनवापुर रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे अंडरपास के निर्माण का आरंभ लगभग 5 वर्ष पूर्व किया गया था। लंबे समय से लंबित और धीमी गति से हो रहे निर्माण के कारण इस इलाके के लोगों की दैनिक गतिविधियां ठप हो गई हैं। यहां निर्माण में बरती जा रही खामियों के कारण आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं से भी लोग त्रस्त हैं। हाल ही में यहां निर्माण की शटरिंग गिर जाने के कारण एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए। इन घटनाओं से प्रदेश सरकार और रेलवे मंत्रालय की छवि को भारी नुकसान हो रहा है. लोग इस परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए अब आंदोलन की राह पकड़ने को मजबूर हो रहे हैं। इलाके के लाखों लोगों की भारी परेशानियों को लेकर उन्होंने दिल्ली डिविजन के डीआरएम सुखबीर सिंह से गुरुवार को मुलाकात की। बागड़ी ने उन्हें धनवापुर रेलवे अंडरपास के दोनों तरफ अप्रोच रोड का निर्माण काफी पहले पूरा कर लिया गया है। इसके बाद लंबे समय तक यहां निर्माण का काम पूरी तरह बंद रखा गया। निर्माण करने वाली एजेंसी दुर्घटना की आशंकाओं के मद्देनजर किसी भी प्रकार के सुरक्षात्मक उपाय भी नहीं करती है।

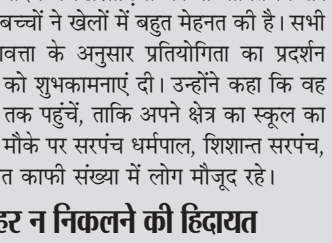

हरियाणा में भी मिलेगा स्पेस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को बढ़ावा: बंडारू दत्तात्रेय

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में स्पेस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी को लेकर गुरुग्राम में हुई बैठक

स्पेस इंजीनियरिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने बैठक में किया व्यापक विचार-विमर्श

गुरुग्राम में स्पेस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को लेकर विशेषज्ञों व राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अंतरिक्ष में भारत की श्रेष्ठतम उपलब्धि चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद अब हरियाणा में भी स्पेस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहन देने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में शुक्रवार को गुरुग्राम में स्पेस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में देश की प्रतिष्टित ईकाई अनंत टैक्नोलॉजिज लिमिटिड के एमडी डॉ. पी. सुब्बाराव के साथ राज्य के विभिन्न विष्व विद्यालयों के कुलपति तथा इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि इसरों के वैज्ञानिकों की मेहनत के चलते भारत आज दुनिया का पहला देश बना है, जोकि चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल के दौरान भारत कों अतंरिक्ष में यह उपलब्धि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में अवसरों की अपार संभावनाएं हैं ऐसे में अब हमें इस दिशा में आगे बढना होगा। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में स्पेस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू करने होंगे। हरियाणा ऑटो मोबाइल, खाद्यान्न उत्पादन, बास्मति निर्यात, आईटी सेक्टर, खेलों तथा विभिन्न क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य है। ऐसे में अब हमें स्पेस इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में भी आगे बढ़ना होगा।

बैठक में पहुंचे अनंत टैक्नोलॉजिज लिमिटिड के एमडी डा. पी. सुब्बाराव जोकि पहले देश की स्पेस एजेंसी इसरो में भी काम कर चुके हैं, ने बताया कि स्पेस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अपार अवसर हैं। चंद्रयान 3 की सफलता के उपरांत यह आवश्यक भी हो गया है कि अब हमें इस ओर आगे बढना चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा नीति तथा इंडियन स्पेस पॉलिसी-2023 में शामिल विभिन्न बिंदुओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य भविष्य में अवसरों के लिए एक नया स्पेस पैदा करना है। इसरों भी अपने रिसर्च एण्ड डेवलेपमेंट के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देता है। ऐसे में हरियाणा के युवा स्पेस क्षेत्र में आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्राप्त करेंगे। बैठक में इसरो के पूर्व वैज्ञानिक सचिव डा. वी एस हेगड़े ने पीपीटी के माध्यम से स्पेस ईरा, स्पेस इकोनॉमी-वैल्यु चेन, भारतीय संदर्भ, इनोवेशन इंडस्ट्री तथा स्पेस इकोनॉमी में अवसर आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रॉपर्टी टैक्स डाटा के स्वयं सत्यापन में हरियाणा प्रदेश में गुरुग्राम अव्वल

गुरुग्राम। शहरी स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा के पोर्टल पर प्रॉपर्टी मालिकों को दी जा रही स्वयं सत्यापन सुविधा में गुरुग्राम पूरे हरियाणा प्रदेश में अव्वल है। गुरुग्राम के प्रॉपर्टी मालिक यूएलबी पोर्टल पर अपनी प्रॉपर्टी से संबंधित डाटा को लगातार स्वयं सत्यापित कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार यूएलबी पोर्टल पर पूरे प्रदेश से लगभग 2.50 लाख प्रॉपर्टी मालिकों ने अपने प्रॉपर्टी टैक्स डाटा को स्वयं सत्यापित किया है, जिसमें 90 हजार गुरुग्राम के प्रॉपर्टी मालिक हैं।

सरकार द्वारा स्वयं सत्यापित करके प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने वाले प्रॉपर्टी मालिकों को वित्त वर्ष 2023-24 के प्रॉपर्टी टैक्स में 30 सितम्बर तक 15 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। ज्ञात हो कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा द्वारा यूएलबी पोर्टल पर प्रॉपर्टी टैक्स डाटा को स्वयं सत्यापित करने की सुविधा दी गई है। इसके लिए यूएलबी पोर्टल पर जाएं तथा अपने प्रॉपर्टी डाटा को हां या ना पर क्लिक करके स्वयं सत्यापित करें। अगर पोर्टल पर आपकी प्रॉपर्टी से संबंधित डाटा सही है, तो उसे सबमिट करें तथा अगर कोई त्रुटि है, तो उससे संबंधित दस्तावेज अपलोड करके आपत्ति दर्ज करवाएं।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त पीसी मीणा ने गुरुग्राम के प्रॉपर्टी मालिकों से अपील करते हुए कहा कि वे यूएलबी पोर्टल पर अपने प्रॉपर्टी डाटा को स्वयं सत्यापित करें तथा वैध कारण के रद्द या वापिस ना करें।

पूरे प्रदेश में हुए 2.50 लाख स्वयं सत्यापन में से 90 हजार अकेले गुरुग्राम से

टैक्स का भुगतान करके मौजूदा वित्त वर्ष के प्रॉपर्टी टैक्स में 15 प्रतिशत की छूट पाएं। स्वयं सत्यापन से पोर्टल पर डाटा दुरूस्त होगा तथा त्रुटियां दूर होंगी। निगमायुक्त ने टैक्स ब्रांच के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित प्राप्त होने वाले आवेदनों में किसी भी प्रकार की देरी ना की जाए। इन आवेदनों की फाईल को वापिस लौटाने या रद्द करने का आधार वैध होना चाहिए तथा बिना किसी वैध कारण के फाईल ना तो वापिस लौटाई जाए और ना ही रद्द की जाए। प्रॉपर्टी टैक्स असेसमेंट नोटिस के बारे में उन्होंने कहा कि जिन प्रॉपर्टी मालिकों ने स्वयं सत्यापन कर लिया है, उन्हें असेसमेंट नोटिस ना भेजे जाएं। उन्होंने असेसमेंट नोटिस वितरण कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समयावधि दो माह में पूर्ण करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नोटिस वितरण, स्वयं सत्यापन तथा मोबाइल नंबर अपडेशन से संबंधित रिपोर्ट प्रतिदिन निगमायुक्त कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। प्रॉपर्टी टैक्स डाटा से संबंधित प्राप्त होने वाली आपत्तियों का समाधान निर्धारित समयावधि में करें तथा बिना किसी वैध कारण के रद्द या वापिस ना करें।

समाचार चैनलों के आठ पत्रकारों पर पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में आरोप तय

दीपक चौरसिया के खिलाफ गैर जमानती वारंट हुए जारी

अब अगली सुनवाई 25 सितम्बर को होगी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नाबालिग के वीडियो को तोड़-मरोड़कर कर प्रसारित करने के मामले में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई के लिए सभी 8 आरोपी अदालत में पेश हुए। अदालत ने सभी आरोपियों पर विभिन्न अपराधिक धाराओं में आरोप तय किए हैं। इस मामले में अदालत आगामी 25 सितम्बर को सुनवाई करेगी।

अदालत ने इस मामले में 8 आरोपी पत्रकार अजीत अंजुम, सैय्यद सोहेल, दीपक चौरसिया, राशिद, सुनील दत्त, ललित, चित्रा त्रिपाठी व अभिनव राज के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 14(1), 23 आईटी एक्ट, 67(बी), 120(बी) तथा भादंस की धारा 469 व 471 के तहत आरोप तय किए हैं। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता के अनुसार पिछली कई तारीखों से अदालत में आरोपियों पर आरोप तय करने की कार्यवाही चल रही थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने व लिखित में बहस देने के बाद अदालत ने आरोप तय करने की कार्यवाही पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो अब सुना दिया गया है।

गौरतलब है कि 2 जुलाई 2013 को पालम विहार क्षेत्र के सतीश कुमार (काल्पनिक नाम) के घर संत आसाराम बापू आए थे। बापू ने परिवार के सदस्यों सहित उनकी 10 वर्षीय भतीजी को भी आशीर्वाद दिया था। उस समय सतीश के घर के कार्यक्रम की वीडियो आदि भी बनाई गई थी। बापू आसाराम प्रकरण के बाद टीवी चैनलों ने बनाई गई वीडियो को प्रसारित किया था।

परिजनों ने आरोप लगाए थे कि उनकी व आसाराम बापू की छवि धूमिल करने के लिए वीडियो को तोड़-मरोड़कर अश्लील व अभद्र तरीके से प्रसारित किया गया था। जिससे परिवार व मासूम बालिका को मानसिक व सामाजिक रुप से कष्ट झेलना पड़ा था। आहत होकर परिजनों ने पालम विहार पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले की पैरवी सामाजिक संस्था जन जागरण मंच के अध्यक्ष हरी शंकर कुमार व उनकी टीम करती आ रही है।

गुरुग्राम में सादी वर्दी में तैनात होंगी 100 महिला सिपाही तैनात: सीपी विकास अरोड़ा

बदमाशों को चेतावनी, हम अच्छे के साथ अच्छे हैं, बुरे के साथ बहुत बुरे हैं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने कहा कि महिलाओं से छेड़छाड़ व छीना-झपटी करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। गुरुग्राम में महिला सुरक्षा के लिए सादी वर्दी में 100 महिला सिपाही तैनात होंगी। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने कहा है कि वे अब से पहले भी गुरुग्राम में रह चुके हैं। गुरुग्राम शहर से पूरी तरह से परिचित हैं। शहर में कानून व्यवस्था के मद्देनजर कई कदम उठाने की जरूरत है। उनके लिए बीते दिनों हुई नूह हिंसा को तवज्जो देना है।

पत्रकारों से बात करते सीपी विकास कुमार।

सीपी विकास अरोड़ा ने कहा कि गुरुग्राम में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और स्नेचिंग की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए सादी वर्दी में 100 महिला पुलिसकर्मियों को शहर में तैनात की जाएंगी। महिलाएं बिना किसी डर-भय के शहर के किसी भी कोने में जा सकती हैं। गुरुग्राम पुलिस महिला विरुद्ध अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए हमेशा तैयार है। सीपी विकास अरोड़ा ने कहा कि महिलाएं छेड़छाड़ की घटनाओं के बाद पुलिस में शिकायत देने से हिचकती हैं। मामले दर्ज नहीं होने के कारण अपराधियों के हौंसले बुलंद हो जाते हैं। वे और अधिक वारदातों को अंजाम देने लग जाते हैं।

महिला पुलिस की सादी वर्दी में तैनाती ऐसे मजनुओं की हरकतों पर अंजाम लगाएगी। उन्हें मौके से ही पकड़ा जाएगा। सीपी ने कहा कि जब कोई मनचला महिला पुलिस की सार्दी वर्दी में तैनात कर्मचारियों के साथ बदसलूकी करेगी तो महिला पुलिस खुद ही शिकायत दर्ज करेंगी। गैंगस्टर्स को लेकर सीपी विकास अरोड़ा ने कहा कि हम अच्छे के साथ अच्छे हैं और बुरे के साथ बहुत बुरे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना लक्ष्य: नीरज आहुजा

डीएचबीवीएन द्वारा ईज ऑफ लिविंग पर हुई कार्यशाला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने स्थानीय सेक्टर-43 स्थित पावर ग्रिड टाउनशिप के एमपी हॉल ऑडिटोरियम में शुक्रवार को ईज ऑफ लिविंग पर कार्यशाला का आयोजन किया। इसका शुभारंभ डीएचबीवीएन के निदेशक ऑपरेशन नीरज आहूजा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की कार्यशाला का उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। इसका विषय जीवन जीने में आसानी को बढ़ावा देना है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय और हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। बिजली के अंतर्गत चार प्रमुख पहल की गई हैं।

गुरुग्राम में ईज ऑफ लिविंग कार्यशाला का शुभारंभ करते डीएचबीवीएन के निदेशक ऑपरेशन नीरज आहूजा।

सभी उपभोक्ताओं को अधिकतम आपूर्ति करना, नये कनेक्शन को समय पर जारी करना, बिलिंग की गुणवत्ता और उपभोक्ता शिकायत का निवारण करना है। कार्यशाला में गुरुग्राम में लगाए गए स्मार्ट मीटर व स्मार्ट ग्रिड पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रीपेड मीटर की बिलिंग पर 5 प्रतिशत की छूट मिलती है। रीडिंग व खपत की ऐप पर मॉनिटरिंग हो सकती है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, उपभोक्ताओं को सोलर कनेक्शन देने, समय पर उनकी बिलिंग करवाने के लक्ष्य बताए गए।

बिजली उपभोक्ताओं की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए नए बिजली उपभोक्ताओं के लगाए गए कनेक्शन के संबंध में उनका फीडबैक भी दर्शाया गया।

उपभोक्ता की बिजली निगम के प्रति प्रतिक्रिया और उसका अनुभव बताया गया। उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए दर्ज शिकायत को कंप्लेंट मैनेजर टूल पर ऑनलाइन देखा जा सकता है और वो जिसके पास भी पेंडिंग है तो उसका निवारण किया जा सकता है। सीएम विंडो, एएएस पोर्टल, सीपीग्राम्स, एसएमजीटी पोर्टल आदि पर होने वाली शिकायतों का भी निपटारा किया जाता है। कंप्लेंट मैनेजमेंट टूल में सुधार और प्रगति की जा रही है। एचईआरसी के आदेश और बिजली उपभोक्ताओं के अधिकार भी बताए गए और उसकी पालना के निर्देश दिए गए। डीएचबीवीएन द्वारा मंगलवार को हिसार जोन की ईज ऑफ लिविंग पर कार्यशाला हो चुकी है और आज दिल्ली जोन की हुई है।

पीएफटीआई ने बिजली निगम के उच्चाधिकारियों से 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की रखी मांग

गुरुग्राम। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल बिजली निगम के उच्च अधिकारियों से अधीक्षण अभियंता के महरौली रोड स्थित कार्यालय में चेयरमैन दीपक मैनी के नेतृत्व में मिला। इस दौरान जिले के उद्योगों से संबंधित बिजली के प्रमुख मुद्दों और समस्याओं को प्रमुखता से पीएफटीआई के पदाधिकारियों ने उठाए। इसमें विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में बिजली के बार-बार ब्रेकडाउन, अघोषित कटौती, पावर फ्लकचुएशन, मेंटेनेंस के नाम पर शटडाउन जैसे विषय शामिल रहे। अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशंस) गुरुग्राम सर्कल-1 एमएल रोहिल्ला, अधीक्षण अभियंता (टीएंडएस) गुरुग्राम बलवान सिंह दहिया, कार्यकारी अभियंता (ऑपरेशंस) सिटी डिविजन गुरुग्राम अविनाश यादव, कार्यकारी अभियंता (टीएंडएस) डिवीजन गुरुग्राम अनिल मलिक, एसडीओ न्यू पालम विहार विक्रम सिंह, एसडीओ टेक्निकल सेक्टर-37 सुमन और एसडीओ आईडीसी गुरुग्राम सोहेल अहमद और पीएफटीआई की ओर से चेयरमैन दीपक मैनी, वाइस चेयरमैन डॉ. एसपी अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट पीके गुप्ता, डीपी गौड़, रवीन जैन और जितेंद्र यादव उपस्थित रहे।

सड़क पर चल रहे जुगाड़ वाहन बन रहे हादसों का कारण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शहर के विभिन्न इलाके में चल रहे जुगाड़ वाहन हादसों का कारण बन रहे हैं। जुगाड़ वाहन की मदद से पाइप, सरिया, लोहा, रेत, बजरी व ईंट आदि की ढुलाई की जाती है। इन वाहनों के पास कोई दस्तावेज नहीं होता। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जुगाड़ वाहनों का प्रचलन ज्यादा है। इन्हीं गाड़ियों से बिल्डिंग निर्माण करने वाले भी अपना सामान मंगवाते हैं। जुगाड़ वाहनों पर यात्री भी सफर करते हैं। शहर से लेकर गांव तक सैकड़ों की संख्या में जुगाड़ वाहन चल रहे हैं। इस तरह की गाड़ियों से आए दिन कही न कहीं सड़क दुर्घटना होती रहती है। कई बार तो लोगों की जान तक चली जाती है। अब तो जुगाड़ वाहन बाइक के पीछे भी लोहे की बाडी लगाकर बनाए जा रहे हैं, जो चालकों को 500 रुपये प्रतिदिन किराए पर दिए जा रहे हैं। शहरवासी विपिन कुमार, अजय कुमार, चेतन मिनहास, अशोक सिंह, किशन कुमार आदि ने बताया कि जुगाड़ वाहनों से दिन-प्रतिदिन खतरा बढ़ता जा रहा है। कई जुगाड़ वाहन चालक तो स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को भी बिठाकर ले जाते हैं। मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार जुगाड़

किसी वाहन की श्रेणी में नहीं आते हैं। आम वाहनों के लिए रोड टैक्स, इंश्योरेंस, फिटनेस सहित तमाम तरीके टैक्स देय होते हैं, लेकिन इन वाहनों के चालक कोई टैक्स नहीं देते। नए वाहन एक्ट के अनुसार सड़क पर बिना पंजीकरण कोई गाड़ी चलाना अपराध है। प्रदूषण करने वाली गाड़ियां तो कतई नहीं चलेंगी, लेकिन यह सब हो रहा है। जुगाड़ वाहन वातावरण को भी प्रदूषित करते हैं।

ट्रेफिक पुलिस ने 10 जुगाड़ वाहनों को किया इंपाउंड : ट्रेफिक पुलिस ने अभियान चलाकर सड़क सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले 10 जुगाड़ वाहनों को इंपाउंड किया है। थाना यातायात पलवल प्रभारी उप निरीक्षक प्रीतम सिंह ने बताया कि कुछ लोग वाहनों को अपने हिसाब से मॉडिफाई करवाकर बिना सड़क सुरक्षा नियमों को ध्यान में रखकर यात्रा करते हैं। इन वाहनों के साइड में लोहे की रॉड या पाइप लगी रहती है जो साथ में चल रहे दूसरे वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेफिक पुलिस द्वारा एक दिन का विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें जुगाड़ू रूप से तैयार किए गए 10 वाहनों को इंपाउंड किया गया है। इसमें ज्यादातर तिपहिया वाहन शामिल हैं, जिसमें बाइक के पीछे रेहडी जोड़कर लोग इसे सामान ढोने के लिए उपयोग में लेते हैं। प्रभारी थाना यातायात पलवल ने बताया कि यात्री इस प्रकार के वाहनों का उपयोग न करें, क्योंकि यह अन्य यात्रियों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। जिसमें बड़ी सड़क दुर्घटनाओं में किसी की जान भी जा सकती हैद्ध इसलिए ऐसा करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई का भी प्रावधान है।

संक्षिप्त समाचार

भारत स्काउट के स्वयंसेवक एकत्रित करेंगे शहीद स्मारकों की माटी

पलवल। भारत स्काउट एंड गाइड्स पलवल के तत्वावधान में मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन शहीद रामवीर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य दीपिका द्वारा की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्था के जिला संगठन आयुक्त योगेश सौरोत ने बताया स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर एस वर्मा तथा रोमा सपरा के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी पलवल अशोक बघेल के मार्गदर्शन में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में माटी को नमन-वीरों को नमन अभियान के अंतर्गत पलवल जिले के विभिन्न शहीद ग्रामों से मिट्टी इकट्ठी की गई है, जिसको संस्था के राज्य मुख्यालय चंडीगढ़ में पहुंचाया जाएगा। उसके बाद दिल्ली स्थित संस्था के राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा यह मिट्टी मानव संसाधन मंत्रालय को शहीद स्मारक के लिए प्रदान की जाएगी। 29 अगस्त तक सभी राज्यों से यह मिट्टी दिल्ली राष्ट्रीय मुख्यालय पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर वर्चुअल तौर पर विद्यार्थियों को संदेश देते हुए एलएस वर्मा ने कहा हमारे वीर जवानों ने सरहदों की रक्षा करते हुए अपना सर्वोत्तम बलिदान दिया है। उनकी शहादत को नमन करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन संस्था द्वारा किया जा रहा है। संस्था के स्वयंसेवक वीरों की याद में पौधारोपण भी कर रहे हैं।

विद्यार्थियों को रंगमंच की सिखाई जा रहीं हैं बारीकियां

पलवल। हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग भारतीय रंगमंच विभाग पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ एवं नाट्य गृहम के संयुक्त तत्वावधान में पलवल शहर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 10 दिवसीय जिला स्तरीय रंगमंच कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। जिसमें शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा में रंगमंच विषय की अनिवार्यता एवं इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को रंगमंच की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। इस कार्यशाला का मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता पंजाब विश्वविद्यालय की डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन थिएटर की चेयरपर्सन प्रोफेसर डॉ. नवदीप कौर कर रहीं हैं। कार्यशाला के चतुर्थ दिवस पर नाट्यगृहम चंडीगढ़ से आए प्रशिक्षक स्वराज रावत एवं बृजेश अहिरवार ने विभिन्न विद्यालयों के 48 छात्र-छात्राओं को स्वर अभ्यास (सरगम, डिफरेंट वॉवेल्स एक्सरसाइज, बच्चों के गीत व कविता), रंग संगीत, शारीरिक व्यायाम (हेड टू टॉ एक्सरसाइजेस, स्ट्रेचिंग, स्टेमिना वर्कआउट इत्यादि), रंगमंचीय खेल (व्हेयर द चेयर और ऑब्जेक्ट, किलर गेम आदि), दृश्य विन्यास-स्टेशन का दृश्य, बस के अंदर का दृश्य, ब्यूटी पार्लर, क्सालरूम आदि के माध्यम से बच्चों को अभिनय की बारीकियों से अवगत कराया। इस अवसर खंड शिक्षा अधिकारी मामराज रावत, बीआरसी दयानंद रावत, प्रधानाचार्य धर्मवीर सिंह, प्रधानाचार्य मोहिंदर सिंह रावत, जिला गणित विशेषज्ञ सुखराम, एफएलएन कोऑर्डिनेटर संदीप कुमार, जिला कोऑर्डिनेटर कश्मीर कुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के म्यूजिक अध्यापक जोगिंदर उपस्थित रहे।

दिल्ली से चोरी बिना नंबर प्लेट बाइक सहित दबोचा

फरीदाबाद। मेट्रो चौक पर तैनात सब-इंस्पेक्टर राजेंद्र व उनकी टीम ने मौके पर चेकिंग के दौरान एक चोरी की बाइक सहित एटीएम से ठगी के पैसे निकालकर ले जाते हुए आरोपी को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान काबू किए गए आरोपी का नाम इंसाफ है। आरोपी नूंह जिले के गांव शमशाबाद खेचातान का रहने वाला है। आरोपी को ट्रेफिक पुलिस ने मेट्रो चौक से चेकिंग के दौरान काबू किया है। वह बीके चौकी की तरफ से बिना नंबर प्लेट की बाइक लेकर आ रहा था। जब चेकिंग के लिए रोका गया तो आरोपी बाइक को छोड़कर भागने लगा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने आरोपी को काबू किया। आरोपी से एक ल ख 15 हजार 500 रुपये बरामद किए गए हैं। बाइक की जांच करने पर पता चला कि उस बाइक की चोरी का मामला दिल्ली के पुलिस स्टेशल क्राइम ब्रांच में दर्ज है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि वह पिछले तीन महिने से किसी व्यक्ति के यहां काम कर रहा था। आरोपी प्रत्येक दिन दूसरे के 2/3 डेबिट कार्ड से पैसे निकालाकर लाता है। उसे आगामी कार्रवाई के लिए क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 के हवाले किया है। क्राइम ब्रांच टीम द्वारा आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। मामले में अन्य आरोपी की तलाश जारी है, जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। चेकिंग के विशेष अभियान के दौरान 1110 वाहन चालकों के चालान काटे गए, जिसमें बिना नंबर प्लेट 33 व हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट 59 वाहन चालकों के चालान काटे गए।

चार दिन से लापता बच्चे की गला घोंटकर हत्या

10 लाख की मांगी थी फिरौती, राजस्थान तक दौड़ी पुलिस, खेत में मिला शव

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आठ साल के बच्चे की गला घोंटकर निर्ममता से हत्या कर दी। वह चार दिन से लापता था। उसका शव गांव में उन्हीं के धान के खेतों में पड़ा हुआ मिला। हसनपुर थाना पुलिस ने बड़े भाई की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। बच्चे के परिजनों से 10 लाख की फिरौती मांगी गई थी।

पलवल के अजीजाबाद निवासी वाहिद खान ने बताया कि उसका छोटा भाई आठ वर्षीय समीर गांव के ही एक निजी स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ता था। 21 अगस्त को समीर घर से स्कूल गया था। जब देर शाम तक घर नहीं लौटा तो तलाश करनी शुरू कर दी, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। मामले की सूचना हसनपुर थाना पुलिस को दे दी। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।

22 अगस्त को इस मामले में उस समय नया मोड़ आ गया, जब किसी अनजान नंबर से बच्चे के भाई के पास फोन आया और 10 लाख रुपए की फिरौती की मांग की गई। कहा गया कि अगर उसे रुपए नहीं दिए गए तो वह उनके बच्चे को मार देगा। परिजन इस बात को लेकर काफी घबरा गए और वो तुरंत पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस ने उस नंबर पर तुरंत कार्रवाई शुरू की। उस मोबाइल नंबर की लोकेशन राजस्थान के कामा की पाई गई।

हसनपुर पुलिस राजस्थान पुलिस की सहायता से लोकेशन पर पहुंची। लेकिन कुछ देर बाद फिर कॉल आई। उसकी लोकेशन भरतपुर के पास गोपालगढ़ की आई। प्रक्रिया परिजन और पुलिस मिलकर कर रहे थे। जब पुलिस उस नंबर की करंट लोकेशन पर पहुंची तो वहां सिवाय जंगल के कुछ नहीं मिला और पुलिस व परिजन खाली हाथ लौट आए। बच्चे का कोई सुराग नहीं मिली ावाहिद ने बताया कि वो गांव में खेती बाड़ी का काम करते हैं और मृतक बच्चे का पिता सऊदी अरब में ड्राइवर की नौकरी करता है।

25 अगस्त की सुबह बच्चे का दादा खेतों पर गया था तो उसे बच्चे का शव खेतों में दिखाई दिया। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

परिजनों ने बताया कि जिस समय समीर घर से लापता हुआ था, उसने पेंट व शर्ट पहने हुए थे। उसका गला उसकी ही कमीज से घोंटा हुआ मिला था। वह खेतों में पेट के बल पड़ा हुआ था। हसनपुर थाना प्रभारी जितेंद्र का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

पलवल। एवीटी हथीन प्रभारी उप निरीक्षक प्रदीप कुमार की टीम ने धोखाधड़ी कर लोगों के एटीएम बदलकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए अवैध हथियार एवं 27 एटीएम कार्डों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है ।उप निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि स्टाफ में तैनात एएसआई वीरेंद्र सिंह अपनी टीम जिसमें राशिद,मुनफैद व कर्मबीर गाडी सरकारी चालक सलीम के साथ गश्त पर घुडावली रोड उटावड मौजुद थे। उन्हों सूचना मिली कि तीन युवक जो लोगों को धोखा देकर एटीएम बदलकर लाते हैं। पैसे निकालते वक्त उनका पास्वर्ड देख लेते है तथा बदले हुए एटीएम से पैसे निकालते हैं7 हमेशा अपने साथ अवैध हथियार भी रखते हैं। वे तीनों पोलिटेक्निक कॉलेज उटावड के सामने खडे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तीनों को काबू किया। जिन्होंने अपना नाम समीन निवासी रुपाहेडी, आसिफ निवासी रिठोडा व रियान निवासी रनियाला बताया।

घर में खींच कर नाबालिग से दुष्कर्म, मामला दर्ज

पलवल। नाबालिग लड़की को रास्ते से घर में खींचकर उसके साथ रात भर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर उसे व इसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। हथीन थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

हथीन थाना प्रभारी मनोज कुमार के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने दी शिकायत में कहा है कि उनके गांव में पेयजल की सप्लाई का पानी रात के समय आता है। उसकी 16 वर्षीय बेटी रात के करीब 12 बजे पानी की सप्लाई आने पर पड़ोस में अपनी मौसी के घर से पानी की बिजली की मोटर लेने के लिए गई थी। उसकी बेटी जब मोटर लेकर वापस आ रही थी तभी साकिव नामक युवक ने उसकी बेटी को पकड़ कर अपने घर में खींच लिया और रातभर उसके साथ दुष्कर्म किया।

सुनील नागर बने हरियाणा बार काउंसिल प्रशासनिक कमेटी के मनोनीत सदस्य

फरीदाबाद। ग्राम नाचौली निवासी चौधरी बुद्ध सिंह नागर के पुत्र और युवा अधिवक्ता सुनील नागर को पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल की प्रशासनिक कमेटी का मनोनीत सदस्य बनाया गया है। सुनील नागर को पंजाब हरियाणा बार काउंसिल के को चेयरमैन करमजीत सिंह के स्पेशल रिकमेंडेशन पर चेयरमैन अशोक सिंह और सचिव राजकुमार चौहान ने मनोनीत मेंबर का पत्र जारी किया है। उन्होंने पंजाब हरियाणा बार काउंसिल के साथ जुड़े सभी अधिवक्ताओं का भी आभार व्यक्त किया है। सुनील नागर ने बताया कि पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंप गई है, उसका वह बखूबी निवर्हन करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं अधिवक्ताओं के सशक्तिकरण

के लिए समर्पित होकर काम करूंगा। इस अवसर पर जिला अदालत के लगभग सभी वरिष्ठ वकील साथी बधाई देने पहुंचे थे।

पंडित अमरनाथ हाई स्कूल में रक्षाबंधन उत्सव मनाया

फरीदाबाद। श्रमिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित पंडित अमरनाथ हाई स्कूल नीलम बाटा रोड़ में रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इस मौके पर सेक्टर-14 डीएवी स्कूल के छात्र व छात्राएं पंडित अमरनाथ हाई स्कूल में बच्चों को राखी बांधने के लिए एकत्रित हुए। डीएवी स्कूल के छात्र व छात्राओं ने पंडित अमरनाथ हाई स्कूल के छात्रों के साथ सामाजिक राखी उत्सव मनाया और एक दूसरे को मिठाई खिलाई। इस अवसर पर बच्चों ने रक्षाबंधन के गीत भी गाए और खूब मौज मस्ती की। डीएवी स्कूल की तरफ से सोनू शर्मा, हिमांशी, मनीषा, दीपा, अमिता का स्वागत पंडित अमरनाथ हाई स्कूल की कमेटी, श्रमिक शिक्षा समिति के सदस्यों और मुख्य अध्यापिका प्रियंका वानखेडे व सहायक अध्यापिकाओं द्वारा किया गया।

लड़कियों की उच्च शिक्षा के लिए महिला विकास निगम करता है सहायता

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। परिवार के पास सीमित साधनों के कारण महिलाओं को उच्च शिक्षा (जैसे व्यवसायिक/तकनीकी डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर व चिकित्सा संबंधी इत्यादि) देने से रोक दिया जाता है।

न्होंने बताया कि अत्यधिक फीस व बैंको के शिक्षा ऋण पर ब्याज दर के भार को कम करने के लिए हरियाणा महिला विकास निगम ने गत एक अप्रैल 2007 से बैंको के माध्यम से महिलाओं/लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण पर पांच प्रतिशत ब्याज दर पर सब्सिडी देने की पहल की है। देश व विदेश में शिक्षा ग्रहण करने वाली लड़कियों/महिलाओं को इसका लाभ मिल सकता है।

यह रहेगी पात्रता : उपायुक्त ने बताया कि बैंक की उच्च शिक्षा स्कीम के अनुसार ही ऋण मिलेगा। इसके लिए प्रत्येक हरियाणा निवासी महिला ऋण की पात्र है। शिक्षा ऋण के लिए आमदनी, जाति एवं संप्रदाय मापदंड नहीं है। हरियाणा सरकार के कर्मचारियों की लड़कियां भी ऋण की पात्र हैं। महिलाएं व्यवसायिक/तकनीकी डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, डोक्टरल, पोस्ट डोक्टरल इत्यादि कोर्स के लिए ऋण लेने के पात्र हैं।

ऋण प्राप्त करने की यह होगी प्रक्रिया : उन्होंने बताया कि ऋण के लिए आवेदन पत्र संबंधित बैंक से लेकर, उसमें वर्णित सभी औपचारिकताएं पूरी करके उसी बैंक में जमा करवाना है तथा आवेदन पत्र की एक प्रतिलिपि जिला में महिला विकास निगम के संबंधित जिला प्रबंधक के पास देनी होगी। ऋण स्वीकृत होने के बाद बैंक स्वीकृत पत्र की एक प्रति संबंधित जिला प्रबंधक को भेजेगा।

बैंक ऋण की वितरित होने वाली हर किश्त के बाद तारीख व ऋण की राशि सहित एक प्रति जिला प्रबंधक कार्यालय में भेजेगा। उपायुक्त ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए हरियाणा महिला विकास निगम के जिला कार्यालय जोकि फरीदाबाद के सेक्टर-12 में स्थित लघु सचिवालय की छठी मंजिल पर कमरा नंबर-609 में स्थापित है, में संपर्क कर सकते हैं अथवा दूरभाष नंबर-7015487239 पर भी जानकारी ली जा सकती है।

2024 में हरियाणा में बनेगी आम आदमी पार्टी की सरकार : धर्मवीर भड़ाना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आम आदमी पार्टी ने हमेशा अपने कार्यकर्ताओं का मान सम्मान बढ़ाया है। इसी कड़ी में फरीदाबाद के नरेश शर्मा और विनय यादव को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। उम्मीद है कि हमारे दोनों प्रवक्ता पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंच जाएंगे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के हाथों को मजबूत करेंगे।

यह विचार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य धर्मवीर भड़ाना ने नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता नरेश शर्मा और विनय यादव का अपने कार्यालय पर स्वागत करते हुए व्यक्त किए। कार्यालय में मौजूद आम आदि पार्टी के तमाम पदाधिकारी ने दोनों प्रवक्ताओं को फूल मालाओं से लाद दिया और उनका मुंह मीठा करवा कर उनका स्वागत किया। दोनों प्रवक्ताओं का स्वागत करते हुए धर्मवीर भड़ाना ने कहा कि हरियाणा की भाजपा जेजेपी सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। खिलाड़ी, कर्मचारी, बेरोजगार युवा और अब पुलिस भी सड़क पर उतरने को तैयार है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की नीतियों से जनता तंग आ चुकी है और आम आदमी पार्टी की तरफ देख रही है। नवनियुक्त दोनों प्रवक्ता पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

नरेश शर्मा और विनय यादव को प्रवक्ता नियुक्त करने पर धर्मवीर भड़ाना ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, पार्टी के वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा, अशोक तंवर का आभार जताया और कहा कि पार्टी के सीनियर नेताओं ने प्रदेश में बहुत ही मजबूत टीम बनाई है और मिशन 2024 में यह टीम हरियाणा में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने में कारगर साबित होगी। सभी नेताओं ने जिला उपाध्यक्ष बने सुभाष बघेल और ज्वाइंट सचिव बने प्रवीण मौर्य का भी जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर मंजू गुप्ता, प्रवेश मेहता, मेहरचंद हरसाना, हंसराज दायमा, भीम यादव, सुनील ग्रोवर, तेजवंत सिंह बिट्टू, मनीष भाटिया, वाईके शर्मा, चंचल तंवर, राम तिवारी, बलवंत सिंह, सौरव राघव, बृजेश नागर, जोगिंदर चंदीला, हरदीप बैंसला, राम गौड़, प्रवीण मौर्य, सुभाष बघेल, राहुल बैसला, प्रमोद मलोचा, महेश नौटियाल, इंदर मल्होत्रा, जसकरण मेहता, विकास बालियान, गोविंदा, मनीष, अमित कुमार, चांद आदि मौजूद थे।

चंद्रयान की सफलता ने भारत को बनाया सोने की चिड़िया

फरीदाबाद। जननायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी ने चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक लैंडिंग होने पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं और इसरो के सभी वैज्ञानिकों का धन्यवाद किया। जिन्होंने दिन रात मेहनत करके इस कार्य को सफल बनाया। उमेश भाटी ने कहा कि देश के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे साबित हो गया है कि अब भारत देश विश्व गुरु बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया था कि भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता और उस सपने को आज देश के वैज्ञानिकों ने यह साबित भी कर दिखाया है। उमेश भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से ही देश के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतार कर एक ऐसा इतिहास बनाया है। जिसने भारत को पूरी दुनिया में विश्व गुरु की उपाधि दिलवा दी है। उमेश भाटी ने कहा कि जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला और डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की ओर से पूरे देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। जब रूस जैसे देश भी इसमें सफल नहीं हो पाए, ऐसे में भारत ने यह सफलता हासिल कर एक इतिहास रचा है। इस महान उपलब्धि के लिए वह देश के तमाम वैज्ञानिकों को और चंद्रयान-3 अभियान में लगे सभी वैज्ञानिकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत देश ने पूरी दुनिया को पीछे छोड़ दिया है।

नकली जेवरात देकर 60 हजार की ठगी के दो आरोपी धरे

पलवल। क्राइम ब्रांच पलवल प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इलियास की टीम ने बैंक में नकली जेवरात देकर 60 हजार ठगी मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच पलवल प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इलियास के अनुसार मामले में गांव फाट नगर के रहने वाले सागर ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह बस स्टैंड के समीप धन वर्षा गोल्ड लोन बैंक में सहायक मैनेजर का कार्य करता है। इसी वर्ष के फरवरी माह में उसके बैंक में गांव गुलाबद के रहने वाले कौशल किशोर ने जेवरात के बदले लोन लिया था। कौशल किशोर ने बैंक में एक अंगूठी और दो जोड़ी झुमकी बैंक में दिए थे। इसके बाद बैंक ने कौशल किशोर को 60 हजार रुपये दे दिए। शिकायतकर्ता के अनुसार कुछ दिन बाद बैंक में ऑडिट हुआ तो पता चला कि कौशल किशोर द्वारा दिए गए जेवरात नकली हैं। वह लगातार आरोपित द्वारा दिए गए कागजातों के आधार पर उसे तलाश कर रहे हैं, मगर उसका पता नहीं चल पा रहा है। कैंप थाना पुलिस ने बैंक के सहायक मैनेजर की शिकायत पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया। प्रभारी क्राइम ब्रांच ने बताया कि मामले में स्टाफ मे तैनात सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में गठित जांच इकाई ने कौशल किशोर निवासी गुलाबद थाना हसनपुर जिला पलवल को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने अन्य सह आरोपी धर्मेंद्र निवासी गांव कांवरका थाना हसनपुर जिला पलवल के जरिए आगरा से नकली आभूषण तैयार कराए थे। जिस पर धर्मेंद्र को भी जांच इकाई द्वारा गिरफ्तार किया गया। इस नेटवर्क में अन्य आरोपियों की भी जुड़े होने की संभावना है।

सफल चंद्रयान

भविष्य पर नजर

चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक चंद्रमा पर पहुंच कर काम शुरू कर दिया है। अब हमें भविष्य पर नजर रखनी चाहिए। बुधवार शाम लगभग 140 करोड़ भारतीय भगवान से चंद्रयान-3 की सफलता की प्रार्थना कर रहे थे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान भेजा था जो चंद्रमा की सतह पर उतरने में सफल हुआ। भारत यहां पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश है। अब तक केवल चार देश ही चंद्रमा पर अपने मिशन भेजने में सफल हुए हैं। पूरे देश की नजरों के सामने लैंडर विक्रम ने चंद्रमा की सतह पर लाखों किलोमीटर दूर बैंगलुरू के मुख्यालय में बैठे भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों द्वारा भेजे कमांड के आधार पर साफ्ट लैंडिंग की। इस मिशन में महिला वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। यह उपलब्धि खासकर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस का ऐसा ही मिशन पिछले सप्ताहान्त विफल हो गया था। भारत की उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसमें पूर्णत: स्वदेशी उपकरणों व ज्ञान-विज्ञान का प्रयोग किया गया है। हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने इस अंतर-ग्रहीय मिशन की कल्पना की, उसका डिजाइन तैयार किया तथा उसे क्रियान्वित किया। सफलता के इस अवसर पर भारत को मुबारकवाद देने वाले सभी देशों ने हमारे वैज्ञानिकों को वह जानकारी और सामग्री नहीं दी थी जो अंतरिक्ष खोज के लिए जरूरी है। उन्होंने इसके लिए 'मिसाइल टेक्नोलोजी कंट्रोल रिजीम' का बहाना बनाया था क्योंकि वे हमारे द्वारा अंतरिक्ष में अपना एकाधिकार टूटने से आशंकित थे। इसरो ने कम खर्च पर मिशन शुरू कर अंतरिक्ष को गरीब देशों के लिए भी खोल दिया है। हमें स्मरण करना चाहिए कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 2003 में लाल किले की प्राचीर से जनता को संबोधित करते हुए 'गगनयान' अभियान की घोषणा की थी। देश को गौरवान्वित करने के लिए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को धन्यवाद देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की कि अंतरिक्ष में मनुष्य भेजने के मिशन 'गगनयान' तथा शुक्र ग्रह पर जाने वाले 'शुक्रयान' पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सूर्य की खोज के लिए इसरो 'आदित्य एल-1' पर तेजी से काम कर रहा है। अब भारत की जनता, वैज्ञानिकों, नौजवानों तथा बिजनेसमैनों को विश्वास हो गया है कि हमारा देश चंद्रमा से आगे सुदूर अंतरिक्ष की खोज में अग्रणी पंक्ति में आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। यह विकसित भारत अंतरिक्ष की भावी खोज में चंद्रमा को अपना आधार बनाएगा तथा उसके संसाधनों का समुचित उपयोग करेगा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सबसे पहले पहुंचने वाले देश के रूप में भारत की किसी भावी व्यवस्था में चंद्रमा तथा उसके संसाधनों पर दावेदारी मजबूत हो गई है। भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष अनुसंधान को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है जिसके चलते आज 100 से अधिक स्टार्टअप इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। चंद्रयान-3 की इस अभूतपूर्व व असाधारण सफलता के बाद इसरो तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में कार्यरत भारतीय बिजनेसमैनों के लिए लंबी छलांग का अवसर सामने आ गया है। उम्मीद है कि इस सफलता के बाद अब इसरो का अंतरिक्ष बाजार में स्थान और मजबूत होगा। इससे भारत के छात्रों व नौजवानों में विज्ञान व इंजीनियरिंग अध्ययन के प्रति दिलचस्पी बढ़ेगी तथा भारत का 'जनसंख्या लाभांश' नई गुणवत्ता प्राप्त करेगा। भावी पीढ़ी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में 'चंदा मामा एक टूर के' का अवसर भी मिलेगा।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति की भूमिका

दंत चिकित्सक से राजनेता बने पाकिस्तान के वर्तमान राष्ट्रपति की भूमिका महत्वपूर्ण है। वैसे भी, कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनको इतिहास के हाशिए पर डाल दिया जाएगा।

भूपिंदर सिंह
(लेखक, सेवानिवृत्त सैनिक अधिकारी हैं)

दंत चिकित्सकों के बारे में अनेक कहावतें हैं। कहा जाता है कि 'दंत चिकित्सक ऐसा व्यक्ति होता है जो आपको परेशान करने से बचता है।' लेकिन किसी ऐसे दंत चिकित्सक के बारे में लोगों की स्मृतियां अलग-अलग हो सकती हैं जिसके हाथ में ड्रिलिंग मशीन हो। लोगों का उससे भयभीत होना स्वाभाविक हो सकता है। यदि संयोग से दंत-चिकित्सक राजनेता बन जाए तो उसके द्वारा दिया जाने वाला दर्द बहुआयामी हो सकता है। यह बात ऐसे राजनेता के लिए और महत्वपूर्ण हो जाती है जो किसी महत्वपूर्ण पद पर पहुंच गया हो। पाकिस्तान के वर्तमान राष्ट्रपति डा. आरिफ-उर-रहमान अलवी की स्थिति कुछ ऐसी ही है जो पहले दंत-चिकित्सक थे, फिर राजनेता बने और वर्तमान समय में पकिस्तान के राष्ट्रपति हैं।

दंत-चिकित्सा से डा. अलवी का पुराना संबंध है। उनके पिता भी दंत-चिकित्सक थे। बहुत से लोगों का मानना है कि वे जवाहरलाल नेहरू के दंत-चिकित्सक थे। पाकिस्तान के वर्तमान राष्ट्रपति डा. अलवी अनेक कारणों से मीडिया की सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पाकिस्तानी अवस्थापना, यानी दूसरे शब्दों में कहें तो पाकिस्तानी सेना को बहुत अधिक दर्द दिया है। उन्होंने 'संवैधानिक ड्रिलिंग मशीन' का प्रयोग कर पाकिस्तान की वर्तमान कामचलाऊ सरकार को भी काफी परेशान किया है। पूर्व सिनेटर डा. आरिफ अलवी को इमरान खान की पाकिस्तान तहरीके इन्साफ-पीटीआई ने राष्ट्रपति बनाया था। इस प्रकार राष्ट्रपति एक तरह से इमरान खान के राजनीतिक संरक्षक बन गए।

इमरान खान ने उनके संरक्षण में अपनी सोच से 'अवस्थापना' को लगभग हाशिए पर धकेल दिया था। अवस्थापना द्वारा बदले की कार्रवाई के परिणामस्वरूप अब पीटीआई महत्वहीन हो गई है। इस पूरे प्रकरण में डा. अलवी मजबूरी में विभिन्न कार्यवाहियों में खामोश तमाशबीन बने रहे।

'अवस्थापना' का वर्तमान एजेंडा इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीके इन्साफ-पीटीआई पर शिकंजा कसना है। वह आफीसियल सीक्रेट्स एक्ट व पाकिस्तान आर्मी एक्ट में संशोधनों के माध्यम से अपने लिए ज्यादा से ज्यादा शक्ति एकत्र करना चाहती है। इस दिशा में सिनेट और संसद द्वारा पास विधेयक को राष्ट्रपीति के हस्ताक्षर के लिए डा. अलवी के सचिवालय भेजा गया। यह दंत-चिकित्सक से राष्ट्रपति बने डा. अलवी के लिए सुनहरा मौका था। वे मरीज को परेशान कर सकते थे, लेकिन कोई अच्छा डाक्टर ऐसा नहीं करना चाहता है। डाक्टर स्वयं को मिला ऐसा मौका भी नहीं गंवाना चाहता है। राष्ट्रपति डा. अलवी ने दावा किया कि उन्होंने विधेयकों को स्वीकृति देने से इनकार कर दिया था और यह गात अपने कर्मचारियों को बता भी दी थी।

लेकिन चूंकि उन्होंने इस मुद्दे पर मीडिया को कोई बयान नहीं दिया था, इसलिए कामचलाऊ सरकार के अधिकारियों के अनुसार इसे 'संभावित' सहमति मान लिया गया। मजेदार बात है कि डा. अलवी इस दृष्टिकोण से सहमत नहीं हैं और यह पाकिस्तान की सत्ता के भीतर जारी अभूतपूर्व राजनीति का संकेत देता है। राष्ट्रपति ने विधेयकों पर अपनी असहमति तथा उन पर हस्ताक्षर करने से इनकार को सरकार और कर्मचारियों द्वारा गलत ढंग से पेश करने पर नाराजी दिखाई। उन्होंने एक ट्वीट के माध्यम से अपनी अप्रसन्नता व असहमति प्रकट भी कर दी है।

राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, 'अल्लाह मेरा गवाह है। मैंने आफीसियल सीक्रेट्स बिल, 2023 तथा पाकिस्तान आर्मी अमेंडमेंट बिल, 2023 पर हस्ताक्षर नहीं किए क्योंकि मैं इन कानूनों से सहमत नहीं था। मैंने अपने कर्मचारियों से बिना हस्ताक्षर किए इन बिलों को सीमित समय के भीतर वापस करने को कहा ताकि वे निष्प्रभावी हो जाएं। मैंने कई बार उनसे पूछा भी कि क्या उनको वापस कर दिया गया है। मुझे आश्वासन दिया गया कि ऐसा किया गया है। लेकिन आज मुझे पता चला कि मेरे कर्मचारियों ने मेरी इच्छा और आदेश की अवहेलना की। अल्लाह यह जानता है और इंशाअल्लाह वह मुझे माफ करेगा। लेकिन मैं उन लोगो से भी माफी मांगूंगा जो इसके कारण प्रभावित हुए हैं।'

राष्ट्रपति के इस ट्वीट पर अनेक लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रिया सामने आई है। लेकिन स्वयं को निष्पक्ष दिखाने का प्रयास करने वाले राष्ट्रपति का यह व्यवहार उचित नहीं कहा जा सकता है। इस मामले में यथार्थ बहुत जटिल है। चूंकि 'अवस्थापना' पीटीआई को नीचा दिखाना चाहती है। उसकी यह भयावहता किसी प्रकार लोकतांत्रिक या संवैधानिक नहीं है। उम्मीद थी कि राष्ट्रपति के इनकार करने से पीटीआई का हौसला बढ़ जाएगा, जबकि उसका विरोध करने वाली अन्य राजनीतिक शक्तियां व 'अवस्थापना' इससे हतोत्साहित होगी। पाकिस्तान में भावी राष्ट्रीय चुनाव के पहले युद्ध के मैदान में स्थिति साफ होती जा रही है।

इस कदम से पाकिस्तान में परस्पर विरोधी नेताओं के बीच सेना की 'तटस्थता' का कोई भ्रम नहीं बचा है। 'अवस्थापना' वर्तमान स्थिति में प्रशासन में पीटीआई की कोई भूमिका सहन करने को तैयार नहीं है और वह इस दिशा में काफी आगे बढ़ गई है। अत: यह कदम केवल इमरान खान के लिए अंतिम खुशी का अवसर हो सकता है जो राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए स्वयं को 'शहीद' की तरह पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। कतारों में मची भारी भगदड़ के बाद पीटीआई के बचे-खुचे लोगों पर भारी दबाव है जो आने वाले समय में और बढ़ेगा। ऐसे में डा. अलवी के इस कदम का भी ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान में राष्ट्रपति की प्रतीकात्मक भूमिका है, भले ही 9 सितंबर, 2023 को अपने पद पर बने रहने तक वे 'अवस्थापना' का दबाव झेलने में सफल रहें। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान में सद्रे-पाकिस्तान का पद और भी महत्वहीन हो जाएगा।

लेकिन दंत चिकित्सक से राजनेता बने चालाक डा. आरिफ अलवी अपने खिलाफ माहौल झेलने में सफल हो सकते हैं। अपने दृष्टिकोण से वे स्वयं को संवैधानिक रूप से 'कार्यकाल विस्तार' के लिए सक्षम बता सकते हैं। चूंकि राष्ट्रपति को चुनने वाली सभी प्रांतीय असेम्बलियां व नेशनल असेम्बली भंग हैं तथा संविधान का अनुच्छेद 44 भी राष्ट्रपति को उस समय तक पद पर बने रहने की अनुमति देता है जब तक नए राष्ट्रपति का चुनाव न हो जाए। ऐसे में वे अपने पद पर बने रहेंगे। उनके हालिया कदम ने सरकार तथा 'अवस्थापना' की सार्वजनिक फजीहत हुई है और भावी टकराव अपरिहार्य है। वे फिलहाल 'अवस्थापना' को पीछे हटने पर मजबूर कर सकते हैं क्योंकि उसकी सक्रियता से उसके 'तटस्थता' के दावे तथा लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता प्रभावित होगी। इससे इमरान खान का कद जनता की नजर में और बड़ा हो जाएगा, भले ही 'अवस्थापना' किसी भी तरीके से इमरान को चुनाव में जीतने न दे।

यह समय दंत-चिकित्सक से राजनेता तथा उसके बाद राष्ट्रपति बने डा. आरिफ-उर-रहमान अलवी के लिए बहुत अच्छा है क्योंकि वैसे भी अपना कार्यकाल समाप्त करने के बाद उनको इतिहास के हाशिए पर धकेल दिया जाएगा। हो सकता है कि उनकी मूल संरक्षक पार्टी पीटीआई भी उनको अवसरवादी तथा अहसान फरामोश बता दे। एक बार सिनेटर और अब राष्ट्रपति पद पर आसीन डा. अलवी ने अचानक अपनी वैध राजनीतिक प्रासांगिकता तथा अधिकारों की गारंटी कर दी है। वे वर्तमान समय में पाकिस्तान की सर्वाधिक लोकप्रिय राजनीतिक पार्टी, यानी पाकिस्तान तहरीके इन्साफ-पीटीआई के साथ माने जा रहे हैं। डा. अलवी ने भले ही कोई दूरगामी योजना बना रखी हो, पर फिलहाल उनको अपने तत्कालीन कदमों का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। डा. अलवी का हालिया कदम 'अवस्थापना' के मुकाबले एक दांव की तरह है। अब अवस्थापना की प्रतिक्रिया सामने आएगी। इस प्रकार पाकिस्तान के सत्ता संघर्ष में चुनावी तमाशे की अभी शुरुआत हुई है।

भारत के वित्तीय परिवेश में बदलाव

भारत में वित्तीय-तकनीकी सेवाओं का भविष्य आशाओं से भरा है। तकनीकी प्रगति ने वित्तीय समावेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाया है।

अरविंद कुमार
(लेखक, साफ्टवेयर तकनीक से जुड़े हैं)

भारत का वित्तीय परिदृश्य गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। फिनटेक, वित्तीय प्रौद्योगिकी का एक रूप है, जो अधिक कुशल, सुलभ और ग्राहक-केंद्रित तरीकों से वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी के अभिनव उपयोग को संदर्भित करता है। यह क्रांति न केवल वित्तीय सेवाओं को प्रदान करने के तरीके को नया आकार दे रही है, बल्कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रही है और देश भर में आम आदमी और व्यवसायों को सशक्त बना रही है।

पिछले एक दशक में इसमें उल्लेखनीय गति आई है। डिजिटल बुनियादी ढांचे में प्रगति, स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच और सहायक सरकारी नीतियों द्वारा सक्षम किया गया। ये स्टार्टअप पारंपरिक वित्तीय प्रणालियों में विभिन्न समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। ये स्टार्टअप भुगतान, ऋण, बीमा, धन प्रबंधन, व्यक्तिगत वित्त और बहुत कुछ सहित डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला में फैले हुए हैं।

कैशलेस अर्थव्यवस्था और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) क्रांति की ओर सरकार के जोर के साथ, इन स्टार्टअप्स ने अभिनव भुगतान समाधान तैयार किए हैं। पेटीएम, फोनपे, बिलडेस्क और रेजरपे जैसी कंपनियों ने निर्बाध पीयर-टू-पीयर लेनदेन, बिल भुगतान और यहां तक कि व्यापारी लेनदेन को सक्षम किया है, जिससे लाखों लोगों का वित्तीय जीवन सरल हो गया है। डिजिटल भुगतान की ओर यह बदलाव न केवल सुविधा प्रदान करता है बल्कि अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को कम करने और पारदर्शिता बढ़ाने में भी योगदान देता है। उधार एक अन्य क्षेत्र है जिसमें महत्वपूर्ण व्यवधान देखा गया है। बीमा प्रौद्योगिकी, या इंश्योरटेक, बीमा क्षेत्र को भी बदल रही है। भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार, भारतीय फिनटेक फर्मों ने वैश्विक औसत 64 प्रतिशत को पछाड़कर 87 प्रतिशत की चौंका देने वाली दर के साथ वित्तीय समावेशन को अपनाया है। इंडिया स्टैक, यूपीआई और जनधन, आधार और मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की ठोस नींव के साथ-साथ कोविड-19 महामारी द्वारा डिजिटल वित्तीय सेवाओं को तेज किया गया। माय जीओवी द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, डिजिटल भुगतान लेनदेन में भारत 2022 में पहले स्थान पर है। इन्वेस्ट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला फिनटेक बाजार है, जिसका बाजार आकार 2025 तक 150 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।

आईएनसी42 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 4200 सक्रिय वित्त तकनीकी स्टार्टअप और 22 यूनिकॉर्न हैं और वे भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें क्रेडिट, डिजिटल भुगतान समाधान और स्वचालित लेखा उपकरण तक आसान पहुंच प्रदान करके। ये नई कंपनियां इन उद्यमों की दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा रही हैं। इसका आर्थिक विकास पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि एक संपन्न एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

सरकार और नियामक प्राधिकरण फिनटेक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का समर्थन करने में सक्रिय रहे हैं। स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने स्टार्टअप्स को नवाचार करने और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रगतिशील नियम पेश किए हैं, जो वित्त-तकनीकी स्टार्टअप को स्पष्टता और पारदर्शिता के साथ काम करने में सक्षम बनाते हैं। इसके अलावा, इन स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत एक प्रमुख संगठन, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) ने चेन्नई में फिनब्लू नामक उद्यमिता केंद्र (सीओई) की स्थापना की है। फिनब्लू सक्रिय रूप से फिनटेक स्टार्टअप्स के साथ जुड़ा हुआ है, जो इन्क्यूबेशन, सीड फंड, मेंटरशिप और सैंडबॉक्स जैसे बुनियादी ढांचे तक पहुंच के माध्यम से उनके विकास को सुविधाजनक बनाता है।

हालांकि, इस उभरते क्षेत्र को चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। डेटा गोपनीयता और सुरक्षा महत्वपूर्ण चिंताएं हैं, विशेष रूप से इसमें शामिल संवेदनशील वित्तीय जानकारी को देखते हुए। मजबूत साइबर सुरक्षा उपाय और डेटा सुरक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना सर्वोपरि है।

भारत में वित्तीय तकनीकी सेवाओं का भविष्य आशाओं से भरा है। तकनीकी प्रगति को तेजी से अपनाने के साथ, फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र वित्तीय समावेशन की सीमा को और बढ़ाने के लिए तैयार है। ओपन बैंकिंग पहल पारंपरिक वित्तीय संस्थानों और स्टार्टअप के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगी, जिससे व्यापक और व्यक्तिगत वित्तीय समाधान तैयार होंगे। नियामक अनुकूलनीय नीतियों के माध्यम से नवाचार और उपभोक्ता संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 वित्तीय-तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार करेगा।

ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियों में चल रही प्रगति के साथ, भारत में फिनटेक का दृष्टिकोण आशावादी दिखता है। प्रौद्योगिकी, सहायक नीतियों और निवेशक हित के बीच तालमेल ने नवाचार और क्रांति के लिए एक उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। जैसे-जैसे पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है, इसमें न केवल भारत के वित्तीय भविष्य बल्कि इसके व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को भी आकार देने की क्षमता है।

आप की बात

प्रज्ञानानंदा की उपलब्धि

प्रज्ञानानंदा ने निश्चित रूप से करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया है। प्रज्ञानानंदा की यह उपलब्धि उल्लेखनीय है और इसके लिए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी प्रशंसा की है। फाइनल मैच से पहले उन्होंने विश्व के नंबर 2 खिलाडी हिकारू नाकामुरा और विश्व के नंबर 3 खिलाडी फाबिओं कापुआना को टाई ब्रेकर्स के द्वारा मात दी थी। इसी से प्रज्ञानानंदा की शानदार प्रतिभा का पता लगता है। फाइनल में हारने के बावजूद वह विश्व के सबसे युवा शतरंज के ऐसे खिलाड़ी बन गए जिसने कि विश्व कप के फाइनल में जगह बनायी हो। इस शानदार प्रदर्शन के बाद स्पष्ट हो गया है कि वे विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं। उन्होंने प्रसिद्ध कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। उनकी उपलब्धि भारत के लिए गर्व का विषय है। खुशी की बात है कि उनके अतिरिक्त हमारे पास गुकेष, विधिथ व निहाल जैसे प्रतिभावान शतरंज खिलाड़ियों की श्रृंखला मौजूद है। प्रज्ञानानंदा ने अपने लम्बे व सुनहरे सफर की शुरआत कर ली है और उम्मीद है कि आने वाले समय में वह भारत का नाम लगातार रोशन करते रहेंगे। आशा है कि प्रज्ञानानंद की उपलब्धि देश के हजारों किशोर-किशोरियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

- बाल गोविंद, नोएडा

छात्र-हितैषी शिक्षा

केंद्र सरकार द्वारा एनसीएफ के लचीले प्रारूप से अब विद्यार्थियों के मन पर बोर्ड एग्जाम का हव्वा खत्म हो जाएगा। सेमेस्टर सिस्टम लाने और साल में दो बार एग्जाम देने की सुविधा की वजह से ठेठ ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले छात्रों को विशेष राहत मिलेगी। इस व्यवस्था से उन छात्रों को भी बड़ी राहत मिलेगी जो कोचिंग क्लासेस का महंगा खर्च नहीं उठा सकते या जो पढ़ाई के साथ-साथ कुछ अन्य काम भी करते हैं। एनसीएफ को समयानुसार परीक्षा पद्धति में निरंतर सुधारात्मक कदम उठाते हुए उसे इस स्थिति तक पहुंचना है जहां किताबी ज्ञान के अलावा हर छात्र का सामान्य ज्ञान, उसकी सामाजिक गतिविधियों, बागवानी, एनसीसी व राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्य में उसका योगदान देश के पर्यावरण सुधार, वृक्षारोपण, जल-संचय आदि में उसकी सक्रियताओं का भी अंक निर्धारण में स्थान मिले। इससे छात्र पढ़ाई के दौरान ही एक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक भी बन सकेंगे। यह समूचे राष्ट्र के लिए हितकारी होगा। विश्वव्यापी तनाव को देखते हुए अब नौवीं कक्षा से सभी छात्रों को एनसीसी अनिवार्य की जानी चाहिए ताकि उनको अनुशासन भी मिले।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

महिलाओं की प्रगति

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि भाजपा व आरएसएस की आइडोलॉजी है कि नारियों को पढ़ाना ही नहीं सिर्फ काम करवाना है। उन्हें भाजपा या मोदी अथवा आरएसएस के बारे में आलोचना करने से पहले वर्तमान स्थिति पर नजर डाल लेनी चाहिए। महिला या पुरुष के व्यक्तिगत विकास में किसी राजनीतिक पार्टी की दखलंदाजी नहीं होती। वे खुद ही अपनी इच्छा, लगन व परिश्रम से आगे बढ़ते हैं। चंद्रयान-3 परियोजना में शामिल लखनऊ की वैज्ञानिक बेटी डा. ऋतु करियाल श्रीवास्तव पहले चंद्रयान-2 मिशन में भी विशेष योगदान दे चुकी हैं। वे अनेक विशिष्ट पुरस्कारों से सम्मानित भी हो चुकी हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में महिलाओं की विभिन्न क्षेत्र में प्रगति को नए आयाम मिले हैं। अब तक पुरुषों के लिए सुरक्षित समझे जाने वाले रक्षा व एडवेंचर स्पोर्ट, आदि क्षेत्रों में महिलायें शान से सर्वोच्च स्थानों तक पहुंच रही हैं। ऐसे में भाजपा-आरएसएस को राजनीतिक या चुनावी विद्वेष के आधार पर महिला-विरोधी कहना किसी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है। यह सोच महिला प्रगति में बाधक है।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

विज्ञान का अध्ययन

कभी रूस व अमेरिका के सामने भारत की अंतरिक्ष में कोई पहचान नहीं थी। आज जब चंद्रयान 3 ने सफलतापूर्वक चंद्रमा के दक्षिणी क्षेत्र में सफल लैंडिंग कर ली है तो न सिर्फ वह इन देशों के समक्ष हो गया बल्कि कम लागत में ऐसी सफलता हासिल करने के मामले में वह उनसे भी आगे निकल गया। इसरो के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यदि अवसर के अभाव में देश के कई प्रतिभाशाली वैज्ञानिक विदेशों में सेवा नहीं दे रहे होते तो आज भारत विश्व का पहला सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम वाला देश होता। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में पंख लग जाएंगे। सरकार को भी फंडिंग बढ़ानी चाहिए ताकि आर्थिक कमी के चलते अंतरिक्ष कार्यक्रम धीमे न हों। स्वदेशी प्रतिभा को निखारने व नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए हायर सेकेंडरी के बाद ही उच्च प्रतिभाशाली छात्रों को विज्ञान अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए इससे हम जल्दी से जल्दी नए व प्रतिभाशाली वैज्ञानिक तैयार करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

-विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

व्यावसायिक खेती की ओर आकर्षित करें किसानों का ध्यानः दिनेश सिंह

● उद्यान मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की विभागीय कार्यों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उद्यान मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को अपने मंत्री आवास से वीडियो कान्फ्रें सिंग के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानों के हितों में कार्य करे। किसानों को कैसे योजनाओं से जोड़ा जायए इस पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को स्वस्थ एवं उच्च गुणवत्तापूर्ण पौध उपलब्ध कराने के लिए जलवायु के अनुसार सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स बनाए जाएं। उन्होंने जनपदीय उद्यान अधिकारियों से कहा कि गांवों में जाकर किसानों को परम्परागत खेती के अलावा औद्यानिक क्षेत्र में व्यावसायिक फ सल की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित करें, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके।

उद्यान मंत्री ने निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति वाले जनपदों के उद्यान अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुबंध के अनुरूप समय से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराया जाए। निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति करने वाले कार्यदायी संस्थाओं को नोटिस निर्गत किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपदों मे 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' माइक्रो इरीग्रशन योजना के बारे में किसानों को जागरुक करते हुए अधिक से अधिक पंजीकरण कराया जाए, जिससे किसानों को योजना का अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि योजना के सफल क्रियान्वयन में जिस संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अपने कार्यों का सही से निर्वाहन नही किया जा रहा हो, उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। योजना के तहत कराये गये कार्यों तथा किये जा रहे कार्यों की थर्ड पार्टी जांच के लिए रखी गई संस्थाओं के प्रतिनिधियों की भी मॉनीटरिंग की जाए। कहा कि उद्यान विभाग मे संचालित योजनाओं के लक्ष्यों को प्राथमिकता के आधार पर उद्यान अधिकारी पूरा करें। लक्ष्यों के अनुरूप कार्य न करने वाले अधिकारियों को नोटिस निर्गत कर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। निदेशक उद्यान आरके तोमर, संयुक्त निदेशक सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने की शिष्टाचार भेंट

उप्र में अब कानून का राज हैः भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ/मऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने घोसी विधानसभा उपचुनाव के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सम्बोधित किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब कानून का राज है। संगठित अपराध और अपराधी अब घुटनों के बल आ गये है। अपराधी मिट्टी में मिल चुके है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने विभिन्न संगठनात्मक बैठकों के माध्यम से पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा नेताओं के साथ मंत्रणा की।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा की बढ़ती हुई लोकप्रियता को देखते हुए विपक्ष ने अपराधए भ्रष्टाचार और स्वार्थी राजनीति का गठबंधन बनाया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही भाजपा का बूथ कार्यकर्ता मैदान में उतरेगाए विपक्षी गठबंधन को ध्वस्त करके उनकी उम्मीदों को धराशाई कर देगा। उन्होंने कहा कि आमजनमानस का विश्वास मोदी और योगी पर अटल और अडिग है। हमारे कार्यकर्ता पूरी ताकत से चुनाव की तैयारी में लगे हुए हैं।

भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सेवा सुशासन तथा गरीब कल्याण के संकल्प के साथ आगे बढ रहा है। प्रदेश में सकारात्मक, विकासपरक तथा भयमुक्त वातावरण चल रहा है। यह सब हमारे देवदुर्लभ कार्यकर्ताओं के द्वारा बूथों पर को गई जी तोड़ मेहनत की बदौलत संभव हो सका है। भाजपा के कार्यकर्ता पार्टी के मजबूत आधारस्तंभ हैं। सरकार की जनहितकारी योजनाएं हमारे कार्यकर्ता जन.जन तक पहुंचा रहे हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने आह्वाहन किया की बूथ के कार्यकर्ता अपने अपने बूथ के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं से सम्पर्क करके सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं और नीतियां पहुंचायें तथा प्रत्येक मतदाता को मतदान केन्द्र पहुंचाने की जिम्मेदारी के साथ काम करें। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सूर्यप्रताप शाही, बेबीरानी मौर्य, अनिल राजभर, दयाशंकर सिंह, गिरीश यादव, दानिश आजाद, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैबिनेट सेक्रेट्री व उपभोक्ता संरक्षण के मुख्य आयुक्त को अवमानना का नोटिस

लखनऊ (विधि संवाददाता)। गुटखा कम्पनियों का प्रचार करने के बावजूद अभिनेता अमिताभ बच्चनए शाहरुख खानए अजय देवगनए अक्षय कुमारए सैफअली खान व रणवीर कपूर के खिलाफ कार्यवाही नहीं करने के मामले में दाखिल एक अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने केन्द्र सरकार के कैबिनेट सेक्रेट्री राजीव गौबा व केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की मुख्य आयुक्त निधि खरे के खिलाफ अवमानना का नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। इन दोनों अधिकारियों से जवाब मांगा है कि इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन क्यों नहीं किया गया। मामले की अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को होगी।

जस्टिस राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने यह आदेश स्थानीय वकील मोतीलाल यादव की अवमानना याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि 22 सितंबर 2022 को हाईकोर्ट ने उसके द्वारा दाखिल एक जनहित याचिका पर आदेश दिया था कि उपरोक्त अभिनेताओं द्वारा गुटखा कम्पनियों का प्रचार करने के मामले में यदि वह प्रत्यावेदन देता है तो उस पर विचार कर उसका त्वरित निस्तारण किया जाए।

याचिकाकर्ता का कहना था कि उसने इस आदेश के अनुपालन में 15 अक्टूबर 2022 को ही उपरोक्त दोनों अधिकारियों को प्रत्यावेदन भेजकर कार्यवाही की मांग की थी। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसने कैबिनेट सेक्रेट्री को भेजे प्रत्यावेदन में गुटखा कम्पनियों का कथित प्रचार करने वाले उपरोक्त अभिनेताओं का पद्म पुरस्कार जब्त करने की मांग की थी। जबकि मुख्य आयुक्त उपभोक्ता संरक्षण को प्रेषित प्रत्यावेदन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत 50 लाख रुपए का जुर्माना इन अभिनेताओं पर लगाने की मांग की थी।

सरकार ने तय की बायोडीजल के उत्पादन और बिक्री की प्रक्रिया

● पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण का स्थाई हल निकलेगा, किसानों की होगी कमाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खरीफ और रबी की प्रमुख फ सल क्रमशः धान और गेहूं की कटाई के बाद अमूमन अगली फ सल की तैयारी के लिए किसान इन फ सलों के अवशेष पराली ठूंठ को जलाते हैं। जागरुकता और सख्ती के कारण इसमें खासी कमी आई है, पर योगी सरकार इस पराली को किसानों की आय का जरिया बनाकर इस समस्या का स्थायी हल चाहती है। पिछले साल (2022) जैव ऊर्जा नीति से इसकी भूमिका तैयार हो गई थी। चंद रोज पहले हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में इसकी प्रक्रिया भी तय कर दी गई। निकट भविष्य में इसके कई लाभ होंगे। एक तो पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण का स्थायी हल निकलेगा। साथ ही पराली किसानों की आय का जरिया बनेगी।

पराली को बायोडीजल में प्रसंस्कृत करने के लिए हर जिले में लगने वाली इकाइयों के अलावा स्थानीय स्तर पर कलेक्शन, लोडिंग, अनलोडिंग और ट्रांसपोर्टेशन पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। रही बाजार की बात तो हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम एवम प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हाईस्पीड डीजल के साथ बायो डीजल के मिश्रण संबधी निर्देश भी जारी किए हैं। इससे तैयार बायोडीजल को बड़ा बाजार उपलब्ध होगा। कैबिनेट की बैठक पर जितना जल्दी अमल होगा उतना ही उप्र के किसानों को लाभ भी होगा। बैठक में बायोडीजल के उत्पादन और बिक्री की प्रक्रिया तय की गई है। इसके अनुसार उत्पादन की अनुमति उत्तर प्रदेश नवीन एवम नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (यूपी नेडा) देगा। स्थानीय स्तर पर संबंधित जिले के डीएम बिक्री के बावत लाइसेंस देंगे।

इसके पूर्व 20222 में सरकार जैव ऊर्जा नीति भी ला चुकी है। इस नीति में बायोफ्यूल को बढ़ावा देने को लेकर कई तथ्यों का उल्लेख है। मसलन यह नीति कृषि अपशिष्ट आधारित बायो सीएनजीए सीबीजी (कंप्रेस्ड बायो गैस) इकाइयों को कई तरह के प्रोत्साहन देगी। मुख्यमंत्री पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि सरकार इस तरह की इकाइयां हर जिले में लगाएगी। इस तरह का एक प्लांट करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन ऑयल गोरखपुर के दक्षिणांचल स्थित धुरियापार में लगा भी रहा है। यह शीघ्र चालू हो जाएगा। इसमें फसल गेहूं धान की पराली के साथए धान की भूसीए गन्ने की पत्तियों और गोबर का उपयोग होगा। हर चीज का एक तय रेट होगा। इस तरह फ सलों के ठूंठ के भी दाम मिलेंगे। इस तरह की इकाइयां लगाने के कई आवेदन सरकार के पास भी पड़े हैं। कैबिनेट की मंजूरी से आई स्पष्टता के कारण अब इसमें तेजी आएगी। सीएनजी एवं सीबीजी के उत्पादन के बाद जो कंपोस्ट खाद उपलब्ध होगी, वह किसानों को सस्ते दामों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

भाजपा सरकार को गरीबों व किसानों की कोई चिंता नहींः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान सर्वाधिक बदहाली की जिंदगी जी रहा है। प्राकृतिक आपदा के साथ सरकारी कुव्यवस्थाओं के चलते हालात दिन पर दिन बिगड़ते जा रहे हैं पर भाजपा सरकार को गरीबों, किसानों की कोई चिंता नहीं है। बाढ़, सूखा के संकट के साथ बिजली संकट ने किसानों को कर्ज के बोझ से भी लाद दिया है जिससे तंग आकर वह आत्महत्या करने को मजबूर हो रहा है। मुख्यमंत्री यह दावा करते नहीं थकते हैं कि भाजपा राज में किसान खुशहाल है। उनका कहना है कि अब किसान आत्महत्या नहीं करते हैं पर उनके झूठ को उजागर करती दो घटनाएं हैं जहां किसानों ने कर्ज से तंग होकर आत्महत्या कर ली। बांदा के तिंदवारी के बेंदा गांव में 35 वर्षीय ललित कुमार सिंह ने परेशानी में फ ांसी लगा ली। झांसी के गांव तिलेरा

में किसान ने आत्महत्या कर ली।

कहीं सूखा, कहीं बाढ़ के हालात ने किसानों को कहीं का नहीं रखा है। किसानों की मुश्किलों की फिक्र भाजपा सरकार को नहीं है। अभी तक न तो प्राकृतिक आपदा पीड़ित क्षेत्रों का सर्वे कराया गया है और नहीं मुआवजा दिया गया है। लखीमपुर खीरी, मवाना के अलावा गंगा, सरयू तटवर्ती गांवों में तबाही मची है। अम्बेडकर नगर सहित कई जनपदों में वर्षा का संकट हैं किसान पानी को तरस रहे हैं। धान के खेतों में दरार देखकर अन्नदाता की चिंता बढ़ती जा रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने राज में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं किया। इसी का नतीजा है कि लोकसभा में 27 जुलाई को ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तर प्रदेश के गांवों में हर साल बिजली की आपूर्ति घटती जा रही है। रोजाना औसतन 1.080 ट्रांसफ र फुं क रहे हैं। भाजपा की गलत नीतियों, फ सल का उचित दाम न मिलना, बिजली आपूर्ति में बाधा, आवारा पशुओं की बढ़त तथा बाढ़-सूखा संकट ने प्रदेश के किसानों की कमर तोड़ कर रख दी है। उसकी उपेक्षा कर भाजपा केवल पूंजी घरानों के हितों पर ध्यान दे रही है। गरीब, किसान का जीवन संकटों से घिरा है। उसे अब सिर्फ सन् 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का इंतजार है जिसमें वह किसान विरोधी भाजपा सरकार को केन्द्र की सत्ता से हटाने के लिए कटिबद्ध है।

बूथ स्तर तक कांग्रेस की मजबूती के लिए देना है धारः अजय राय

● पदभार ग्रहण करने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने की पहली बैठक, लोकसभा चुनाव को लेकर पदाधिकारियों के सुने सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय राय न पदभार ग्रहण करने के दूसरे दिन शुक्रवार को पार्टी पदाधिकारियों के साथ पहली बैठक की। जिसमें उन्होंने साफ कहा कि प्रदेश में बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए धार देना है। उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर संगठन को कैसे मजबूत बनाया जा सकता है इसके लिए पदाधिकारियों के सुझावों को सुना और समझा। बैठक से पूर्व राय ने हजरतगंज पहुंचकर वहां पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारत रत्न लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रानी अवंति बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उपस्थित पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकसभा का चुनाव नजदीक है कम समय में ही हमें पूरी मेहनत व लगन से चुनाव में ताकत के साथ उतरने के लिए कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुटता के साथ कार्य करना होगा। इसके साथ ही हमें प्रदेश के बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए धार देना है। जनहित के सभी मुद्दों पर भाजपा की मोदी योगी सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। महंगाई, बेरोजगारी, ध्वस्त कानून व्यवस्था, महिला उत्पीड़न के खिलाफ हमें सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने की जरूरत है। जनता हमारी ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। राहुल, प्रियंका के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है ऐसे में हम सभी प्रदेश की पीड़ित शोषित जनता की हक व हकूक की लड़ाई लड़ेंगे और तानाशाही भाजपा सरकार को उखाड़ फेकेंगे। बैठक में राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी, तौकीर आलम, संगठन महासचिव दिनेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, संगठन सचिव अनिल यादव, सहित सभी प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके उपरांत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सूफी संत हजरत दादा मियां साहब की दरगाह पर पहुंचकर चादरपोशी की तथा प्रदेश की जनता के लिए अमन चैन व खुशहाली की दुआ की।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार वितरण में जल्द लागू होगी बायोमैट्रिक प्रणाली

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रदेश की बाल विकास परियोजनाओं के तहत संचालित आंगनबाड़ी और मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार योजना के तहत पोषाहार वितरण को और सुदृढ़ तथा पारदर्शी बनाने के लिए बायोमैट्रिक्स प्रणाली लागू किए का निर्णय लिया है। इसके तहत ई-पॉस मशीनों की स्थापना एवं संचालन के लिए उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। ई-पॉस मशीनों की स्थापना के लिए टेंडर के साथ ही ई-टेंडरिंग के माध्यम से रिक्वेस्ट फ ॉर प्रपोजल (आरएफ पी(तैयार करने की जिम्मेदारी यूपीडेस्को की होगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में योगी कैबिनेट ने ई-पॉस मशीनों के माध्यम से अनुपूरक पुष्टाहार योजना के तहत पोषाहार वितरण की व्यवस्था को मंजूरी दी है। इसके माध्यम से लाभार्थी के हिस्से का पोषाहार कोई दूसरा नहीं ले सकेगा। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा प्रदेश की बाल विकास परियोजनाओं के तहत संचालित आंगनबाड़ी व मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार योजना के तहत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों (अति कुपोषित सहित), गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं (केवल आकांक्षात्मक जनपदों में) को पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। ई-पॉस मशीन की बिड प्रक्रिया में मल्टीपल कंपोनेंटट सम्मिलित होने के कारण इसे उत्तर प्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल के माध्यम से किए जाने के प्रबंध किए गए हैं। निदेशक, यूपीडेस्को की अध्यक्षता में क्रय समिति का गठन किया जाएगा। समिति में प्रशासकीय विभाग के सदस्य के रूप में संयुक्त निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार सदस्य के रूप में सम्मिलित होंगे। इसके अतिरिक्त आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा समिति में जरूरत के अनुसार अन्य विभागीय अधिकारियों एवं वित्त विभाग के प्रतिनिधि को सदस्य नामित किया जाएगा। चयनित होने वाली सिस्टम इंटीग्रेटर संस्थाओं को ई-पॉस मशीन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन, आइरिश आइडेंटिफि केशन, फील्ड लेबल मैनपावर, तकनीकी मैनपावरए मोबाइल सिम उपलब्ध कराने होंगे। साथ ही इन सभी का 3 वर्षो तक रख-रखाव भी करना होगा। यह परियोजना सिस्टम इंटीग्रेटर आधारित बीओओ (बिल्ड, ओन, ऑपरेट) मॉडल पर संचालित की जाएगी। ई-पॉस मशीन की बिड प्रक्रिया में विभिन्न कंपोनेंट (हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर आदि) सम्मिलित होंगे, जिसमें एक से अधिक सिस्टम इंटीग्रेटर्स का भी चयन संभावित है। ई-पॉस मशीनों की स्थापना और संचालन में क्वालिटी वर्क और अनुभव को देखते हुए यूपीडेस्को को यह जिम्मेदारी दी गई है। यूपीडेस्को द्वारा प्रदेश में खाद्य एवं रसद विभाग के अंतर्गत एफपीएस आटोमेशन के लिए आरएफपी तैयार करानेए बिड कराने एवं प्रणाली की मॉनीटरिंग व बिलिंग का कार्य कार्यदायी संस्था के रूप में किया जा रहा है। इसी मॉडल के अनुसार ई-पॉस मशीनों की व्यवस्था के संबंध में यूपीडेस्को के माध्यम से सिस्टम इंटीग्रेटर संस्थाओं से अनुबंध किए गए हैं। यही नहीं, खाद्य एवं रसद विभाग में ई-पॉस मशीनों की स्थापना एवं संचालन के लिए नवीनतम तकनीकों के प्रयोग (आइरिश आइडेंटिफि केशन, जीपीएस, लोकेशन ट्रैकर, फेस आइडेंटिफि केशन रीडर आदि) को सम्मिलित करते हुए आरएफ पी तैयार कराने का कार्य भी यूपीडेस्को द्वारा किया गया है।

● ई-पॉस मशीनों की स्थापना व संचालन के लिए यूपीडेस्को कार्यदायी संस्था नामित

चंडीगढ़-पंजाब प्रभारी के नेतृत्व में सिख समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अखिलेश को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश प्रभारी चंडीगढ़ एवं पंजाब कुलदीप सिंह भुल्लर के नेतृत्व में सिख समाज के 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भेंटकर तराई क्षेत्र में बाढ़ व किसानों की समस्याओं के बारे में ज्ञापन दिया। इसमें क्षेत्र के किसान संगठन के पदाधिकारी भी शामिल थे। ज्ञापन में कहा गया है कि जिला लखीमपुर खीरी की तहसील गोला व पलिया में शारदा नदी की बाढ़ से हजारों एकड़ गन्ना व धान की फ सलें बर्बाद हो चुकी हैं। हजारों एकड़ फ सलें कटान से नष्ट हुई है। लगभग 10 गांव जलमग्न हो गए हैं। प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि सिख एवं किसान प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान भाजपा सरकार से उन्हें किसी प्रकार की मदद नहीं मिली है। सरकार का कोई प्रतिनिधि भी उनकी खोज खबर लेने नहीं पहुंचा है। इससे किसानों तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों में भारी रोष है।

ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट इन इंडिया कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए एमओयू हस्ताक्षरित

● वैश्विक तापमान में वृद्धि को रोकने के लिए अधिक से अधिक पौध लगाना आवश्यकः वन मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वन मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. अरूण कुमार सक्सेना की उपस्थिति में शुक्रवार को वन एवं वन्यजीव विभाग एवं सेन्टर फॉर इन्टरनेशनल एण्ड वर्ल्ड एग्रोफॉरेस्ट्री के मध्य ट्री आउटसाइड फ ॉरेस्ट इन इंडिया कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वन एवं वन्यजीव विभाग की ओर से अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, परियोजना बी. प्रभाकर एवं सेन्टर फॉर इन्टरनेशनल एण्ड वर्ल्ड एग्रोफॉरेस्ट्री के सीईओ मनोज डवास ने हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर डॉ. अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि प्रदेश को हरा-भरा कर पर्यावरण संतुलन स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा वृहद् स्तर पर अन्तर्विभागीय समन्वय एवं व्यापक जन सहभागिता से वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण किया गया है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को रोकने के लिए अधिक से अधिक पौध लगाना आवश्यक है। वर्ष 2027 तक वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि कर 15 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में हरित आवरण सृजित करने में कृषकों की महत्वपूर्ण भूमिका कृषि वानिकी से प्राप्त होने वाले लाभों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सेन्टर फ ॉर इन्टरनेशनल एण्ड वर्ल्ड एग्रोफ ॉरेस्ट्री के साथ हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार ट्री आउटसाइड फ ॉरेस्ट इन इण्डिया के अन्तर्गत एक हाईटेक नर्सरी की स्थापना, पूर्व से स्थापित नर्सरी का उच्चीकरण एवं टॉफ हब की स्थापना से विभाग एवं कृषकों को उच्च गुणवत्ता युक्त पौध सामग्री प्राप्त होने, उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों को तैयार करने हेतु वन विभाग की क्षमता में वृद्धिए कृषकों एवं अन्य हितधारकों के लिए प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण के लिए आधारभूत संरचना का विकासए कृषि वानिकी को प्रोत्साहन एवं काष्ठ आधारित उद्योग स्त्रह्य (4), प्रकाष्ठ उपलब्धता में वृद्धि होगी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश वृक्षारोपण की दृष्टि से देश में अग्रणी राज्य है तथा आगामी वर्षों में विभाग द्वारा प्रति वर्ष 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाना प्रस्तावित है। शर्मा ने कहा कि सेन्टर फॉर इन्टरनेशनल एण्ड वर्ल्ड एग्रोफॉरेस्ट्री के तकनीकी सहयोग से लखनऊ में स्थापित प्रकाष्ठ उत्पादन में वृद्धि, कृषि विविधीकरण एवं कृषकों की सामाजिक व आर्थिक उन्नति में सहायक सिद्ध होगी।

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे जिलाधिकारी

हरसंभव मदद का दिया भरोसा

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार को करीब 12 बजे डीएम महेंद्र बहादुर सिंहए सीडीओ अनिल कुमार सिंहए एडीएम संजय सिंह के संग तहसील सदरए ब्लाक फूलबेहड़ के ग्राम मीलपुरवा पहुंचेए जहां उन्होंने बाढ़ एवं कटान से प्रभावित गांव में राहत सामग्री के वितरित करने की अद्यतन जानकारी लीए निर्देश दिए कि कोई भी प्रभावित एवं पात्र व्यक्ति लंच पैकेट एवं राहत सामग्री से वंचित न रहने पाए।

अफसरों ने निरीक्षण के दौरान रपटा पुल पर पानी चल रहा था। ग्रामीणों ने अवगत कराया कि रात से जलस्तर जरूर बढ़ा है परंतु अभी आबादी प्रभावित नहीं है। डीएम ने स्थानीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राहत कार्य में कोई शिथिलता नहीं होना चाहिए। इस दौरान वह ग्रामीणों से भी रूबरू हुएए उनकी समस्या को जाना। लोगों को आश्वस्त किया कि हर संभव प्रशासनिक मदद मुहैया कराई जाएगीए राजस्व कर्मियों को तैनात किया गया है। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर अवगत कराए।

डीएम के पूछने पर एसडीएम श्रद्धा सिंह ने अवगत कराया कि सदर तहसील क्षेत्र में अबतक 81 प्रभावित परिवारों को पुनर्वासित कियाए जिसमें 22 परिवार को सरवाए 59 परिवारों को श्रीनगर में बसाया। अबतक पूरे तहसील क्षेत्र में प्रभावित ग्रामों में 79420 लंच पैकेट बांटे गए। ग्राम खमरियाए सिंधिया एवं श्रीनगर के मजरा खगईपुरवा के सभी प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न किट वितरित की गई। वहीं कटान प्रभावित परिवारों को मुआवजे की अनुमन्य धनराशि प्रदान की जा चुकी है। डीएम ने निर्देश दिए की प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन स्थल पर योजनाबद्ध तरीके से सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाए।

इस दौरान एसडीएम सदर श्रद्धा सिंहए खंड विकास अधिकारी पीयूष कुमारए नायब तहसीलदार अश्वनी कुमारए राजस्व निरीक्षक राम अवतारए एडीओ अनुराग पांडेयए सिंचाई खंड शारदा नगर के अवर अभियंता वैभव पाठक सहित राजस्वए आपदाए ग्राम विकासए स्वास्थ्यए पशुपालनए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी,कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंहए एडीएम संजय सिंह संग स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलपुरवा बंधे के सन्निकट स्थापित एवं संचालित बाढ़ राहत चिकित्सा कैंपध्शिविर का निरीक्षण किया। कैंप में ड्यूटी पर तैनात सीएचओ एवं अन्य मेडिकल स्टाफसे प्रभावित ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जाने वाली औषधियों के बारे में जानकारी लीए जरूरी निर्देश दिए।उन्होंने इस हेल्थ कैंप से लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या जानी।इस दौरान उन्होंने मेडिकल कैंप पर मौजूद ग्रामीणों से संवाद करते हुए अन्य ग्रामीण को भी इसका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा।

भारत की गौरवशाली परम्परा पर गर्व करें युवाः परिहार

शाहजहांपुर । नेहरू युवा केन्द्र शाहजहाँपुर मे युवा परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड जलालाबाद के काकोरी शहीद इंटर कॉलेज में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन डी पी एस राठौर, ने दीप प्रज्वलित कर किया गया । छात्राओं द्वारा स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन ने प्रधानमंत्री द्वारा संकल्पित पंच प्रण विकसित भारत का निर्माण, गुलामी की हर सोच से आजादी, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता और नागरिकों का कर्तव्य पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और सभी को पंच प्रण शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित होने तथा राष्ट्रवाद के जरिए भारत को विश्व में प्रथम स्थान पर लाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं विषय प्रवेश करते हुए जिला युवा अधिकारी मयंक भदौरिया ने सभी को पंच प्रण के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और युवाओं से आग्रह किया कि वे इन्हें चरितार्थ करने के लिये इस ओर निरन्तर प्रयासरत रहें और नेहरू युवा केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के संदर्भ में भी चर्चा की और कहा कि भारतवर्ष ने सम्पूर्ण विश्व को मानवता की रक्षा की एक ऐसी राह दिखाई है जो चिरातनकाल तक हम भारतीयों को गौरवान्वित करती रहेगी। हमें एक तरफ हमारे वेदों की तरफ लौटना है तो दूसरी तरफ तकनीकी क्षेत्र में अपने खोए हुए गौरव को हासिल करना है और युवा ही इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है। साथ ही उन्होंने युवाओं से विभिन्न समामाजिक विषयों को लेकर निरन्तर जागरूकता करने का भी आह्वान किया। मुनीष सिंह परिहार ने कहा कि एक जागरूक एवं ऊर्जावान युवा ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। युवाओं को अपने व्यक्तिगत एवं परिवेशीय स्वच्छता पर निरंतर ध्यान देना चाहिए। स्वयं नशामुक्त रहें एवं अन्य युवाओं को भी नशे से शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभाओं के बारे में बताएं। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में स्वयं जानकार बनें, पात्रता होने पर इसके स्वयं लाभान्वित हों एवं अन्य पात्र गृहस्थियों को भी इसके बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें। अपने हिस्से के भारत को हमें स्वर्णिम बनाना है तब जाकर हमारा भारत स्वर्णिम बन सकेगा। और प्रधानमंत्री द्वारा आहूत 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकेगा। जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) विनय कुमार सक्सेना ने भारत की राष्ट्रीय नदी गंगा को भारत की विरासत बताते हुए एकता के साथ उसका संरक्षण अपना नागरिक कर्तव्य समझे। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न युवाओं ने भी पंच प्रण विषय पर अपने उपयोगी विचार रखे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी ऊर्जा, सत्यनिष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता से बहुमूल्य योगदान देने का संकल्प भी लिया जिसे सभी अतिथियों द्वारा सराहा भी गया और प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। मेरी माटी मेरा देश, माटी को नमन, वीरों का वंदन विशेष अभियान अंतर्गत भी पूर्व सैनिक विजय मोहन मिश्रा, राजवीर सिंह सोमवंशी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व विधायक केशव सिंह के पौत्र यशोविक्रम सिंह को सम्मानित किया गया।

पत्रकार पर लिखे फर्जी मुकदमे को लेकर ऐप्जा संगठन ने पूरे जिले में दर्ज कराया भारी विरोध

लखीमपुर.खीरी। विगत दिनों जिले के पलिया नगर की पटिहन रोड स्थित कबाड़ी की दुकान पर मिली सर्व शिक्षा अभियान 2023.24 की किताबों के मिले बंडल के मामले में पत्रकार पर बीईओ के द्वारा लिखाए गए फर्जी मुकदमे के मामले का संज्ञान लेते हुए ऐप्जा चीफ कोआर्डिनेटर अनुराग सारथी के निर्देशानुसार ऐप्जा ;ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशनद्ध पत्रकार संगठन के द्वारा पूरे जिले में विरोध दर्ज कराते हुए जिलाधिकारी सहित सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारियों को संगठन के पदाधिकारियों द्वारा ज्ञापन सौंपकर मुकदमा निरस्त कर बीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह की गैरमौजूदगी में अपर उपजिलाधिकारी राजीव निगम को ऐप्जा जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि पलिया कलां में सर्व शिक्षा अभियान की पुस्तकें जो विद्यार्थियों में वितरित की जानी थीं। उन किताबों के बंडल एक कबाड़ी की दुकान पर बिक कर एक ट्रक में लोड किए जा रहे थे। जिसकी फोटो संग वीडियो पत्रकार शिशिर शुक्ला द्वारा बनाया गया था। उन्होंने खबर हेतु पलिया बीईओ से वर्जन लेने हेतु अपने मोबाइल से फोन कियाए तो बीईओ ने बाहर होने की बात कहकर उनका फोन काट दिया और उन्हें इस बाबत कोई जानकारी भी नही दी। सर्व शिक्षा अभियान की सरकारी किताबें कबाड़ी की दुकान पर कैसे पहुंचींघ् इसकी छानबीन अथवा अन्य कोई कार्रवाई करने के बजाय फोन करने वाले पत्रकार के खिलाफ ही बीईओ ने पलिया कोतवाली में सरकार की छवि धूमिल करने का आरोप लगाकर मुक़दमा लिखवा दिया है। ज्ञापन के माध्यम से ऐप्जा के पदाधिकारियों ने मामले की जांच कराकर सरकारी किताबों को कबाड़ी की दुकान पर बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही पत्रकार के खिलाफ बीईओ द्वारा पलिया कोतवाली में लिखवाए गए फर्जी मुकदमे को रद्द करवाने की मांग की गई है। इसके अलावा ऐप्जा चीफ कोआर्डिनेटर अनुराग सारथी के निर्देश पर जनपद की सभी तहसीलों के ऐप्जा प्रभारी व अध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। जिला मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपने के दौरान ऐप्जा जिला संरक्षक रविसुत शुक्लाए जिला प्रभारी सैय्यद मुशीरए जिला संगठन मंत्री डीपी आर्याए जिला संयुक्त सचिव शेरअली खानए जिला सचिव आदित्य मिश्राए लखीमपुर तहसील प्रभारी मुनीश वर्माए सूर्यप्रकाश मिश्राए छोटे खान आदि ऐप्जा पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

दो पक्षों में बवाल,11 गिरफ्तार

बरेली ।मामूली बात पर दो पक्षों के बीच हुए बवाल के बाद पुलिस ने बवाल करने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजकर अन्य आरोपियों को वायरल वीडियो फुटेज के माध्यम से पहचानने की कोशिश शुरू कर दी और क्षेत्र में तनाव के चलते पीएसी और पुलिस तैनात है अचानक हुए बवाल के बाद खुफिया तंत्र भी अलर्ट हो गया है ।ज्ञात हो कि गुरुवार को आंवला के गांव महमूदपुर में सुबह दस बजे सद्दीक पुत्र चांद मियां ने मस्जिद की ईंटे उठाने का आरोप लगाकर पकौड़ी बेचने वाले नेत्रपाल पुत्र गोपाल की मां कुसुम देवी से गाली-गलौज कर दी जिसको लेकर दोनों गुटों में कहासुनी हो गई आरोप है कि इसके बाद दोपहर में सद्दीक अपने बेटे अतीक, रहमान शाह, इमाम शाह पुत्रगण वाहर अली, नवाब शाह पुत्र कल्लू शाह, अशफाक पुत्र अबरार, उमर अली पुत्र जबर अली, गुन्ने हुसैन पुत्र अब्दुल गनी और अमीर शार पुत्र नन्हे शाह उर्फ हसमत अली शाह समेत कई अन्य लोगो के साथ नेत्रपाल की दुकान पर पहुंचा और दुकान और मकान पर पथराव कर हमला कर दिया इस दौरान आरोपियों ने घर में घुसकर वह मौजूद लोगों के साथ जमकर मारपीट की जिसमें नेत्रपाल उसका भतीजा रवि पुत्र नरेश गुप्ता, विवेक पुत्र निर्दोष गुप्ता जयपाल पुत्र रोशल लाल व कुसुम देवी चोटिल हो गई दो समूदाय के बीच हुए बवाल की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई इस दौरान दूसरे समुदाय के लोग भी मौके पर पहुंच गए सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई बिगड़ते माहौल पर काबू पाया इस मामले में पुलिस ने नेत्रपाल की ओर से नौ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया और इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस और पीएसी तैनात कर दी इसके कुछ देर बाद ही दुकान और मकान पर हमला करने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसके बाद पुलिस ने देर रात तक 11 बवालियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि अन्य बवालियों की वीडियो फुटेज के माध्यम से शिनाख्त की जा रही है पुलिस ने बताया कि किसी भी बवालिये को छोड़ा नहीं जाएगा शिनाख्त के बाद अन्य को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा

गोवंशीय पशुओं के अवशेष मिलने पर मचा हड़कंप

बरेली । रात के समय गोकशी करने वालों ने गोवंशीय पशुओं का वध करने के बाद अवशेष को वहीं छोड़ दिया सुबह होने पर जैसे ही घटना की जानकारी लोगों पर मिली तो रोज फैल गया वहीं पुलिस थाना क्षेत्र को लेकर काफी देर तक उलझी रही ।देवरनिया थाना क्षेत्र के गांव चुरैली डाम के पास स्थानीय लोगों ने दो गोवंशीय पशुओं के अवशेष देखे और घटना की जानकारी पुलिस को दे दी लेकिन कुछ देर बाद पुलिस घटना दो थाना क्षेत्र के बीच होने के कारण दोनों थानों की पुलिस के बीच चार घन्टों तक क्षेत्र को लेकर विवाद होता रहा।

दो गावों में मौतों से सन्नाटा

मोहम्मदी खीरीएबायरल बुखार से दोनो गाव मे हुई मौतो पर अजीब सा सन्नाटा दिखाई पड़ रहा है एवही स्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक डॉक्टर मयंक मिश्रा ने टीम के साथ खजुआ और कैहमरा गांव का दौरा किया टीम के माध्यम से घर.घर जांच की जा रही है अधीक्षक ने बताया की जांच में तीन से चार लोगों की मलेरिया होने की पुष्टि की गई हैए डेंगू की जांच के लिए लखीमपुर सैंपल भेजा गया है दोनों गांव में टीम के माध्यम से पीडित व्यक्तियों की जांच की जा रही है और दवाइयां वितरित की जा रही है वही कैहमरा गांव मे प्रकोप देखा जा रहा है वही बीमारी से हुई मौतो के बाद फागिंग और छिड़काव का काम अभी जारी नहीं किया गया है वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम के माध्यम से बीमारी रोकने के सार्थक प्रयास किया जा रहे हैं दोनों गांव में मौतो के बाद अजीब सा सन्नाटा देखने को मिल रहा है निजी अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वायरल बुखार से निपटने के लिए एक रूम तैयार किया गया है जिसमें वायरल बुखार के मरीजों को भर्ती किया जाएगा कुल मिलाकर गंदगी के कारण बायरल बुखार की आशंका जताई जा रही है।

इंजेक्शन लगने से मौत डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग

शाहजहांपुर । सिर में दर्द उठने पर परिजन बेटे को झोलाछाप डॉक्टर के पास लेकर गए। आरोप है कि डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाते ही उसकी मौत हो पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मदनापुर थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गेहरवा निवासी राजकुमार सिंह के 16 साल के बेटे सौरभ सिंह के सिर में अचानक दर्द हुआ। परिजन सौरभ को लेकर एक झोलाछाप डॉक्टर के पास लेकर गए। डॉक्टर ने दवा देने के बाद सौरभ को एक इंजेक्शन लगा दिया। परिजनों ने कहा कि इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। परिजन सौरभ की हालत बिगड़ने पर उसको शहर के अस्पताल लाने के लिए कहा तो झोलाछाप डॉक्टर ने दो घंटा इंतजार करने के लिए कहा। दो घंटे बाद भी जब सौरभ कुछ नहीं बोला तो उसके बाद परिजन सौरभ को लेकर शहर के एक प्राइवेट अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि बेटे को सिर्फ सिर में दर्द उठा था। डॉक्टर के गलत इंजेक्शन लगाने से उसकी मौत हो गई। पिता ने आरोपी डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग की है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पुलिस के अनुसार इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई है। उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों ने डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

जुआ खेलते तेरह अभियुक्तो को पुलिस ने किया गिरफ्तार, नकटी बरामद

बरेली । एक साथ बैठकर हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलने वाले तेरह अभियुक्तों को पुलिस ने मुखबिर की सूचना के बाद गिरफ्तार कर लिया उनके पास से तलाशी के दौरान नकदी व ताश की गडडी भी बरामद की गई ।भुता थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुर में मुखबिर की सूचना के बाद पुलिस ने सालिक राम पुत्र पातीराम निवासी केसरपुर के कोल्हू के पास खाली जगह में हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए 13 अभियुक्तो को कल शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तलाशी के दौरान उनके पास से 52 पत्ते ताश के व कुल 15060 रुपए भी बरामद हुए पुलिस ने गिरफ्तार किए गए केसरपुर के ही रहने वाले केशव पुत्र सोहनलाल,आदिल पुत्र बाबू कोटेदार,निसार अहमद पुत्र अली हसन,भगवत सरन पुत्र गोविन्द राम,रोहित पुत्र दीनदयाल,हुकुम सिंह पुत्र छोटेलाल,सन्तोष पुत्र दीनानाथ,युसुफ अंसारी पुत्र उस्मान अंसारी,यतेन्द्र पुत्र पुत्तूलाल,बेचेलाल पुत्र हरीराम,नरपत पुत्र रामस्वरूप मोहम्मद उमर पुत्र मोहम्मद शफी,मानेश्वर लाल पुत्र रामस्वरूप को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा ।

सड़क दुर्घटना में घायल महिला की मौतः बरेली । तेजी से आ रहे एक ट्रक ने कर को टक्कर मार दी जिससे कर सवार चार लोग घायल हो गए एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा । बहेडी थाना क्षेत्र के गांव नवदिया झादा के पास बीती शाम हुई सड़क दुर्घटना में घायल शाहजहांपुर के सदर थाना क्षेत्र के आनंदपुरम निवासी कैलाश नाथ श्रीवास्तव की 60 वर्षीय पत्नी सुधा श्रीवास्तव की इलाज के दौरान बरेली के निजी अस्पताल मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतका के घर वालों ने बताया कि सुधा श्रीवास्तव अपने पति के साथ कुछ दिन पहले नोएडा निवासी अपनी बेटी प्राची से मिलने के लिए गई थी जहां से कल शाम को सभी लोग अपने घर वापस जाने के लिए चले थे कार में सुधा के साथ उनकी बेटी का बेटा प्रतीक पति कैलाश नाथ और कार का चालक मौजूद था जब उनकी कर शाम को नवदिया झादा में हाईवे पर पहुंची तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसको टक्कर मार दी जिससे कार सवार सभी चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला ट्रक फरार हो गया लोगों की सूचना के बाद पहुंची पुलिस में कार में सवार सभी लोगो को बाहर निकाल कर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कर दिया जहां देर रात सुधा श्रीवास्तव की मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।

अटेवा ने पुरानी पेंशन के लिए भरी हुंकार

निघासन.खीरी। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अटेवा पेंशन बचाओ मंच की बैठक का आयोजन ब्लॉक सभागार निघासन में जिला संयोजक विश्वनाथ मौर्य की अध्यक्षता किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश संगठन मंत्री संदीप वर्मा की मौजूदगी शिक्षकों में पेंशन बचाने की लड़ाई को दृष्टिगत रखते हुए काफी उत्सासवर्धक रही । बैठक का आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष पंकज वर्मा एवं उनकी कार्यकारिणी ने किया। बैठक का संचालन राजेंद्र प्रसाद ने किया।मुख्य अथिति संदीप वर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की सरकार ने पुरानी पेंशन बंद करके बाजार आधारित पेंशन व्यवस्था लागू कर शिक्षक कर्मचारियों के साथ धोखा किया है।नई पेंशन व्यवस्था में सरकार और कर्मचारी दोनों का नुकसान है और सेवानिवृत्ति पर पेंशन के नाम पर कुछ चंद रुपए मिलते हैं। अटेवा पुरानी पेंशन बहाली को लेकर लगातार आंदोलन कर रहा है और पेंशन बहाली तक संघर्ष करेगा। जिला संयोजक विश्वनाथ मौर्य ने कहा की एनपीएस और निजीकरण गरीब मध्य वर्गीय परिवारों के खिलाफ अमीरों का षड्यंत्र है अगर इसके खिलाफ लड़ा नहीं गया तो एक बहुत बड़ी आबादी के पढ़े.लिखे युवाओं को सरकारी नौकरियां तक नहीं मिलेगी। एनपीएस पेंशन के निजीकरण का ही परिणाम है उन्होंने कहा देश की रक्षा करने वाले अर्धसैनिक बलों की पेंशन तो बंद कर दी गई परंतु नेता एक नहीं दो.दो चार.चार पेंशन लेते हैं। पुरानी पेंशन बहाली व निजीकरण की समाप्ति के लिए 1 अक्टूबर को दिल्ली में लाखों शिक्षक कर्मचारी हुंकार भरेंगे।

पांच नई सीरीज की हुई लांचिंग

गोरखपुर। रियलमी ने आज अपनी हीरो नंबर सीरीज और एआईओटी सेगमेंट में चार अत्याधुनिक उत्पादों.की घोषणा की। लॉन्च के अवसर रियलमी के प्रवक्ता ने बताया रियलमी इनोवेशन में सबसे आगे रहता है और यूज़र्स को अत्याधुनिक तकनीक व विशेषताएँ प्रदान करता है जिनसे उन्हें शानदार यूजर अनुभव मिलता है। हम रियलमी 11 सीरीज 5जी और अपनी एआईओटी सीरीज में रियलमी बड्स एयर 5 सीरीज पेश करके बहुत उत्साहित हैंए जो इनोवेशन और उत्कृष्टता की ओर हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं।

शतरंज से होता है खिलाड़ियों के मस्तिष्क का विकास

शाहजहांपुर । शतरंज खेल संघ द्वारा जिला स्तरीय स्वर्गीय प्रमोद कुमार शुक्ला चेस चौंपियनशिप का आयोजन मंसूरी इंटरनेशनल स्कूल में किया जा रहा है।यह प्रतियोगिता ओपन व जूनियर आयु वर्ग में संपन्न हो रही है। जिसमें कुल पचासी प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं।प्रतियोगिता स्विस लीग सिस्टम के आधार पर कराई जा रही है।यह प्रतियोगिता दो दिन तक चलेगी।आज प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला ओलंपिक संघ के सचिव नरेंद्र त्यागी व वरिष्ठ खेल शिक्षक गंगाराम प्रेमी व अखिलेश शुक्ला ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं शतरंज की चाल चलकर किया।मुख्य अतिथि जिला ओलंपिक संघ के सचिव नरेंद्र त्यागी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज खेल मस्तिष्क के विकास के लिए अत्यन्त आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को शतरंज खिलाड़ी प्रगनंदा से प्रेरणा लेनी चाहिए जिसने विश्व के नम्बर वन खिलाड़ी कार्लसन को टक्कर दी है।सभी खिलाड़ी अपना बेहतर प्रदर्शन करें।और अच्छा खेलने का प्रयास करे।खेल शिक्षक गंगाराम प्रेमी ने खिलाड़ियों से कहा कि खेल को एक जुनून की तरह लेना चाहिए। जबसे भारत में शतरंज ओलंपियाड हुआ है तब से खिलाड़ियों के अंदर शतरंज के प्रति उत्साह बढ़ा है और देश से शतरंज के अच्छे ग्रैंड मास्टर निकलकर विश्व में अपना नाम रोशन कर रहे हैं।खेल खिलाड़ियों का विकास करता है और उनके जीवन में अहम बदलाव लाता है।संगठन के सचिव विपिन अग्निहोत्री व आर्बिटर विश्वजीत विक्रम ने बताया कि ओपन वर्ग की प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभा कर रहे हैं यहां से अच्छे खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।जिनके लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी।जूनियर आयु वर्ग मे18 साल से कम आयु के बच्चे प्रतिभा कर रहे हैं।आज तीन राउंड खेले गए जिनके परिणाम इस प्रकार है रियाज अहमद,फरीद खान तीन अंको के साथ अंकित सेन,राहुल कुमार ढाई अंकों के साथ रूबल सक्सेना, आशुतोष मिश्रा,प्रिंस शर्मा,शोभित सिंह,रितेश कुमार,प्रखर श्रीवास्तव, आशुतोष शुक्ला दो अंकों के साथ आगे बने हुए हैं।जूनियर आयु वर्ग में सुमित कुमार,लवकेश कुमार,अभिनव टंडन,असर कुमार बढ़त बनाये हुए है। प्रतियोगिता आर्बिटर विश्वजीत विक्रम के निर्देशन मे हो रही है।खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य एके तिवारी,अंशुल अंचल, सुबोध कुमार ने भी संबोधित कर उनका उत्साह बढ़ाया।इस दौरान वंदना सैनी,अमन कुमार,सचिन प्रेमी आदि उपस्थित रहे।बाकी राऊंड कल खेले जायेंगे।

क्विक न्यूज

कृषकों को 5100 रुपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट सौंपा

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेश में दुग्ध विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय गौवंश की गाय के दूध में वृद्धि करने हेतु कृषकों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए नन्दबाबा पुरस्कार विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी एसबी सिंह ने दिया । उन्होंने बताया कि विकास खण्ड स्तर पर पंजीकृत दुग्ध समिति के माध्यम से भारतीय गौवंश की गाय का वर्षभर में संस्था को समिति के सदस्य द्वारा 1500 ली0 दूध या उससे अधिक दूध आपूर्ति करती है का चयन किया जाता है। उस कृषक को 5100 रुपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट एवं प्रतीक चिन्ह के रूप में पीतल की धातु पर भारतीय गौवंश की गाय एवं बछड़े के साथ नन्दबाबा की मूर्ति पुरस्कार स्वरूप दी जाती है।उक्त के समक्ष वर्ष 2021-22 में दुग्ध संघ द्वारा विकास खण्ड कॉट की पंजीकृत दुग्ध समिति सिसोरी की सदस्या श्रीमती मनीशा देवी पत्नी श्री राधेश्याम एवं विकासखंड तिलहर की पंजीकृत दुग्ध समिति बतलैया की सदस्या श्रीमती अनुपम गंगवार पत्नी श्री शरद गंगवार तथा विकास खण्ड सिंधौली की पंजीकृत दुग्ध समिति ढकिया हमीदनगर की सदस्या श्रीमती आरती देवी पत्नी श्री उदय कुमार मिश्रा द्वारा विकास खण्ड स्तर पर सर्वाधिक दूध देने के फलस्वरूप आज दिनांक 25.08.2023 को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा तीनों सदस्यों को 5100- का डिमाण्ड ड्राफ्ट एवं प्रतीक चिन्ह नन्दबाबा पुरस्कार स्वरूप वितरण किया गया।

मनमुटाव के चलते मतभेदो को दूर करने के लिये गोष्ठी

शाहजहांपुर। कम्युनिटी एवम मित्र पुलिसिंग के अन्तर्गत पुलिस लाइन, शाहजहाँपुर के सभागार मे आपसी मनमुटाव के चलते मतभेदो को पुलिस ने दूर करने के उपरांत सकुशल जीवन यापन कर रहे दंपतियों के साथ गोष्ठी आयोजित की । गोष्ठी के दौरान सभी सम्मानित दंपतियों को सम्बोधित करते हुये उनसे, उनके रिश्तो मे आने वाली समस्याओ एवम् पुलिस द्वारा उन समस्याओ को दूर करने के सम्बन्ध मे उनसे जानकारी ली गई तथा उनके वैवाहिक रिश्तो को मजबूत व आपसी सम्बन्धों को मजबूत करने के लिये समझाया गया तथा साथ ही पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र मे नियुक्त पुलिस अधिकारी व कर्मचारीगण को विशेष प्राथमिकता के आधार पर दंपतियो की आपसी मनमुटाव को दूर करने के सम्बन्ध मे अवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा व अपर पुलिस अधीक्षक सुधीर जायसवाल ने इस अवसर पर उपस्थित दंपतियों के साथ सूक्ष्म जलपान किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान श्री बी0एस0 बीर कुमार क्षेत्राधिकारी नगर, श्रीमति वन्दना सिंह प्रभारी निरीक्षक, परिवार परामर्श केन्द्र, काउंसलर श्रीमती अंशु रजानी व श्रीमति शशि प्रभा अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

मोहम्मदी खीरी। बार एसोसिएशन के अधिवक्ता तहसीलदार मोहम्मदी के कोर्ट की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैंए अनशन पर बैठे अधिवक्ता आज दोपहर बाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व महामंत्री की अगुवाई में तहसीलदार मोहम्मदी का पुतला लेकर तहसीलदार के कोर्ट के बाहर पहुंच गए सैकड़ो अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए कोर्ट के बाहर से होते हुए तहसील प्रांगण में आकर नारेबाजी करते हुए तहसीलदार मोहम्मदी का पुतला फूंक दियाएबार एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने बताया कि जब तक तहसीलदार मोहम्मदी का स्थानांतरण नहीं हो जाता है तब तक सभी अधिवक्ता हड़ताल पर रहेंगे तहसीलदार कोर्ट का बहिष्कार करते रहेंगे।बार एसोसिएशन के महामंत्री लालता प्रसाद ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा मेरे ऊपर आरोप लगाए जा रहे हैं कि किसी धारा 80 की फाइल को लेकर तहसीलदार से विवाद है जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है किसी भी धारा 80 की फाइल में तहसीलदार कोर्ट में मेरा वकालतनामा नहीं लगा है जब तक तहसीलदार मोहम्मदी का ट्रांसफर नहीं हो जाएगा तब तक सभी अधिवक्ता अनशन पर रहेंगे व तहसीलदार के कोर्ट का बहिष्कार करेंगे।इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष गोविंद खरे प्रद्युम्न मिश्रा एहसन नकवी मोहम्मद हाशिमए मोहम्मद आरिफएऋषि बाजपेईएअवनीश मिश्राए राजशेखर अग्निहोत्रीए रामसागर कठेरियाए कुलदीप सिंहएमाया प्रकाश त्रिवेदीएनरेंद्र सिंहएकैलाश वर्मा आदि अधिवक्ता मौजूद रहे

डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर के कार्यों का किया लोकार्पण

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार को जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने एडीएम संजय कुमार सिंह के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में सड़क चौड़ीकरणए सुदृढ़ीकरणए नाली निर्माण तथा दोनों प्रवेश द्वारों के निर्माण कार्य का पूजन अर्चन कर पूरे विधि विधान से शिलापट का अनावरण करते हुए लोकार्पण किया। बताते चले कि कलेक्ट्रेट परिसर को सजानेए संवारने व खूबसूरती की छटा बिखेरने के साथ ही शासन स्तर पर डीएम की पैरवी के चलते शासन से अवमुक्त एक करोड़ए 74 लाखए 40 हजार की धनराशि से कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड ;प्रथमद्ध ने सड़क चौड़ीकरणए सुदृढ़ीकरणए नाली निर्माणए दोनों प्रवेश द्वारों के निर्माण कार्य करवाया। कार्य पूर्ण होने पर शुक्रवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने लोकार्पित किया। इससे पहले डीएम ने आजादी के अमृत महोत्सव पर कलेक्ट्रेट स्थित पार्क का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही पूरे कलेक्ट्रेट भवन सहित अन्य दफ्तरों को भी तिरंगामय बनवाया।

अपहरण कर किशोरी से गैंगरेप दो आरोपी हिरासत में

बरेली । मां के साथ जा रही किशोरी का अपहरण कर गैंग रेप करने के दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी वहीं पीड़िता की मां ने पुलिस पर आरोपियों से सांठगांठ करने का आरोप लगाया वही पुलिस ने बताया की पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी ।किला थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला तीन जून को अपनी बेटी के साथ हार्टमैन पुल से गुजरकर घर आ रही थी इसी दौरान अज्ञात लोग उनकी 16 वर्षीय बेटी का अपहरण कर फरार हो गए शिकायत मिलने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद किशोरी को बरामद कर लिया पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी बेटी ने उसे बताया था कि भमौरा के गांव लगूरा के रहने वाले चार आरोपियों ने उसके साथ गैंगरेप किया था मां ने इसकी जानकारी पुलिस को दे दी तब पुलिस ने भमौरा के रहने वाले दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी पुलिस के अनुसार विरासत में लिए गए आरोपियों में एक युवक पहले ही दूसरे मामले में जेल जेल जा चुका है पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी जबकि पीड़िता की मां ने पुलिस पर आरोपियों से सांठगांठ का आरोप लगाया

आर्थिक तंगी व कर्ज़ के बोझ से परेशान होकर बांदा में किसान ने की आत्महत्या

संवाददाता। बांदा

बांदा जनपद के पैलानी तहसील के तिंदवारी थाना के अंतर्गत ग्राम बेंदा के भैरमपुरवा के निवासी एक गरीब परेशान हाल किसान ललित कुमार सिंह 39 वर्ष अपने कच्चे मकान की धन्नी में अपनी पत्नी की साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गया। उसका पुत्र लक्ष्मण 8 वर्ष मोहल्ले से खेल कर लौटा तो पिता का शव छप्पर में लटकता देख रोते हुए बाहर निकला। इस पर किसान के छोटे भाई मनोज के पुत्रों ने दौड़कर फंदा काटकर उसे नीचे उतारा लेकिन ललित की मौत हो चुकी थी।

परिजनों ने बताया कि पत्नी गुड़िया पैसों के लिए आर्थिक तंगी के चलते अपने मायके सतना चली गई थी। सप्ताह भर पहले पत्नी ने बच्ची को जन्म दिया था। बड़े भाई ने बताया कि डेढ़ माह से काफी परेशान रहता था। उसके हिस्से में करीब 6 बीघा खेती थी जो की कर्ज के चलते बैंक में गिरवी रखी थी। वह मजदूरी करके परिवार चलाता था। मां कलावती ने बताया कि वह यह कहता था कि बैंक बराबर नोटिस दे रहा है मेरे पास कर्ज अदा करने के लिए पैसा नहीं है। फसल इतनी हो नहीं रही जो कि मैं बेच कर दे सकूं। बैंक वाले मैनेजर साहब कहते हैं कि यदि कर्ज अदा नहीं किया गया किसान क्रेडिट कार्ड का तो पूरी जमीन नीलाम करवा देंगे। सीएम योगी ने बांदा में अन्ना जानवरों की स्थिति को देखते हुए 309 गौशालाएं बनवा रखी हैं लेकिन देखिए कितनी बड़ी विडंबना है कि अन्ना जानवर खेत चरे जा रहे हैं। किसान परेशान है आर्थिक तंगी सरकारी बैंक के कर्ज और सूदखोरों साहूकारों का कर्ज़ अदा करे तो कैसे करे। जब अधिकारी और टीवी9 डिजिटल भारतवर्ष की टीम मृतक किसान के घर पहुंची वहां देखकर कैमरे ने जो कैद किया बहुत ही आश्चर्यजनक था। गरीबी घर पर अन्न का एक भी दान ना होना इस बात का द्योतक है कहीं ना कहीं उक्त किसान गरीबी से तंग आकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली।

जिला अस्पताल में मरीजों को मिलें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं: डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक जिला संयुक्त चिकित्सालय में अधीक्षक सभा कक्ष में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने एनआरसी में आरो सिस्टम की सर्विसिंग एवं एसएनसीयू व रक्त कोष हेतु दो नवीन आरो सिस्टम क्रय किए जाने, चिकित्सालय में विद्युत प्रकाश व्यवस्था, एनआरसी एवं एक्सरे विभाग में वाटर गीजर, प्रसव वार्ड हेतु नए एसी की व्यवस्था, चिकित्सालय में अति आवश्यक वार्डो हेतु इनवर्टर बैट्री फोटोकॉपी मशीन प्रिंटर कार्टेज, पेस्ट कंट्रोल किए जाने हेतु प्रस्ताव, पीएनसी वार्ड में भर्ती जच्चा बच्चा हेतु विंडो एसी, ओपीडी हाल में, रक्त कोष गैलरी आदि हेतु कूलर क्रय किए जाने का प्रस्ताव, सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने, साफ सफाई, पेयजल आदि व्यवस्था के संबंध में विस्तृत बिंदुवार समीक्षा की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि एक एक्स-रे टेक्नीशियन की व्यवस्था जिला अस्पताल में कराएं तथा जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानिकपुर व राजापुर में एक्सरे किया जा रहे हैं उसका प्रचार प्रसार भी कराया जाए।

बीएसए ने नियमों की अनदेखी कर बीईओ के कार्यक्षेत्र बदले

- मुख्य सचिव के निर्देश को भी रखा ताक पर
- जिला मुख्यालय में सीनियर को नहीं जूनियर को बनाया बीईओ
- विद्यालय निरीक्षक संघ इकाई जालौन ने खोला मोर्चा

संवाददाता। उरई, जालौन

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पिछले दिनों जनपद के सभी बीईओ के स्थानांतरण मामले में न केवल नियमों की अवहेलना कर डाली बल्कि आकांक्षी व निपुण अभियान में शामिल ब्लाकों के भी बीईओ के स्थानांतरण कर विभागीय मुख्य सचिव के निर्देशों को भी अनदेखा करने की जुर्रत कर डाली। मनमाने तरीके से किये गये स्थानांतरण को लेकर उत्तर प्रदेशीय विद्यालय निरीक्षक संघ शाखा ने मोर्चा खोलते हुये बीएसए को ज्ञापन सौंपते हुये उन्हें नियमों का भी उल्लेख किया गया। हैरानी की बात तो यह है कि जिला मुख्यालय में वरिष्ठतम खंड शिक्षाधिकारी को ही चार्ज दिया जाना चाहिये लेकिन बीएसए ने यहां पर भी नियमों को ताक पर रखते हुये स्वेच्छाचारिता दिखाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

गौरतलब हो कि बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेमचंद्र द्वारा पिछले दिनों मध्य सत्र में स्थानांतरण नीति के विरुद्ध जनपद के सभी खंड शिक्षाधिकारियों के स्थानांतरण किये गये। इस नीति के अनुसार सत्र की समाप्ति के बाद बगैर विभागीय मंत्री के अनुमोदन के स्थानांतरण नहीं किया जा सकता है। लेकिन बीएसए द्वारा नियम विरुद्ध अनुचित तरीके से परेशानी की मंशा से सभी के विकासखंड परिवर्तित कर नियमों की अवहेलना कर डाली जिसमें जनपद के विकासखंड रामपुरा व जालौन को तो आकांक्षी ब्लाक में शामिल जहां के बीईओ के स्थानांतरण में मुख्य सचिव उप्र शासन के अनुभाग-4 के शासनादेश में दिये गये प्रावधानों में पैरा 4 के बिंदु 5 के अनुसार आकांक्षी ब्लाक में कार्यरत अधिकारियों का स्थानांतरण दो वर्ष के बाद विकल्प लिये जाने के उपरात एवं पैरा 4 के बिंदु 5 एवं 6 के अनुसार कटऑफडेट 31 मार्च के बाद एवं मध्य सत्र में स्थानांतरण किसी भी दशा में नहीं किये जाने का भी उल्लंघन करने में कोई हिचक नहीं दिखायी।

वहीं महानिदेशक स्कूली शिक्षा उप्र शासन के निर्देशानुसार सुपर 50 में चयनित निपुण विकासखंड के खंड शिक्षाधिकारी का स्थानांतरण बगैर महानिदेशक की अनुमति के नहीं किया जा सकता है। परंतु बीएसए द्वारा उक्त निर्देशों की अवहेलना कर सुपर 50 में चयनित डकोर के खंड शिक्षाधिकारी का भी स्थानांतरण मध्य सत्र में कर दिया गया।

इसी क्रम में खंड शिक्षाधिकारी नदीगांव व कुठौंद के स्थानांतरण एक वर्ष के अंदर कर नियम विरुद्ध कार्य किया। बीएसए को संबोधित दिये गये ज्ञापन में सभी बीईओ ने उपर्युक्त बिंदुओं पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर स्थानांतरण आदेश को निरस्त करने का अनुरोध किया।

मांगों को लेकर स्टाम्प वेंडर्स एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन

चित्रकूट। ऑल यूपी स्टाम्प वेंडर्स एसोसिएशन के आह्वान पर शुक्रवार को जनपद की चारो तहसील/कचेहरी के समस्त स्टाम्प विक्रेता ने सात सूत्रीय मांगो को लेकर सांकेतिक सामूहिक हड़ताल की। साथ ही मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

शुक्रवार को स्टाम्प वेंडर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विजय राज सिंह ने बताया कि प्रदेश मे ई स्टाम्प पेपर की फोटो कॉपी/ स्कैनिंग करते हुये राजस्व चोरी हो रही है। जिसे रोकने के लिए आम जनमानस द्वारा आसानी से पहचाना जाने वाला सुरक्षा फीचर्स लगाया जाना आवश्यक है। स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन राजस्व क्षति रोकने मे सक्षम नहीं है। प्रदेश वेंडर्स का आईडी कार्ड शीघ्र जारी किया जाये, एक लाख के सापेक्ष 250 रुपया कमीशन स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन से दिलाया जाये, फिजिकल स्टाम्प पेपर एवं ई स्टाम्प समांतर निरंतर रखा जाये। फिजिकल स्टाम्प पेपर मे राजस्व चोरी की संभावना नहीं है। कर्मचारी को प्रतिमाह वेतन भुगतान किया जाये। बैंकों द्वारा प्रतिदिन 2 लाख से अधिक जमा करने पर 5 रुपया प्रति हजार कैश हैंडलिंग चार्ज खाते से काटा जाता है। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन की इन नीतियों से उत्तर प्रदेश का प्रत्येक स्टाम्प विक्रेता भुखमरी की कगार पर आ गया है।

चोरी के चौपहिया वाहन समेत तीन चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

चित्रकूट। अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक मऊ राजेश कुमार द्विवेदी की अगुवाई में निरीक्षक अपराध अभयराज सिंह की टीम ने वाहन चोरी का खुलासा कर तीन लोगों को दबोचा है। शुक्रवार को मऊ थाना प्रभारी राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाने में दर्ज वाहन चोरी के मामले में तीन लोगों को दबोचकर बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारायें बढ़ायी गई हैं। 12 अप्रैल 2023 की रात में आरजू जयसवाल पुत्र मानिकलाल निवासी स्वतंत्रा सेनानी कस्बा मऊ के घर के सामने से चारपहिया वाहन चोरी हो गया था। अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। चोरी गये वाहन की बरामदगी बाबत पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना मऊ पुलिस सुरागरसी कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने चोरी गये चारपहिया वाहन को अशोक चौराहा नहर पुलिया से सूरजी पुरवा नहर रोड जाने वाली सड़क पर तीन लोगों को फर्जी नम्बर प्लेट बदलकर बेचने का प्रयास करते आज दबोचा है।

25 हजार के इनामी अपराधी पवन बंजारा ने नाटकीय ढंग से किया आत्मसमर्पण

- छह दिन पूर्व पुलिस को चकमा देकर हो गया था फ़रार

संवाददाता। कोंच, जालौन

बीते 6 दिनों से फ़रार 25 हजार के इनामी अपराधी पवन बंजारा ने आखिरकार पुलिस के दबाव के आगे घुटने टेक दिए और कोतवाली में आत्मसमर्पण कर दिया। उसके सरेंडर से पुलिस ने भी चौन की सांस ली है। समझा जा रहा है कि एनकाउंटर के डर से नारकोटिक्स एक्ट के न्यायालय से भागे 25 हजार के इनामी अभियुक्त पवन बंजारा ने बड़े ही नाटकीय ढंग से शुक्रवार की सुबह कोतवाली पुलिस के सामने खुद को प्रस्तुत कर दिया। पुलिस ने उससे पूछताछ के बाद जिला मुख्यालय भेज दिया है।

तहसील परिसर में शुक्रवार को सुबह से ही गहमागहमी थी जो इस बात की ओर इशारा कर रही थी कि कुछ अप्रत्याशित होने वाला है। 10.30 बजे के आसपास पवन बंजारा पैदल चलता हुआ जब कोतवाली की ओर बढ़ रहा था तभी मीडिया कर्मियों की निगाहों में आ गया और जैसे ही वह कोतवाली के गेट पर पहुंचा, एसएसआई उदयपाल सिंह और कांस्टेबल राजाभैया ने अंदर से दौड़ लगाकर उसे हिरासत में ले लिया। सीओ रामसिंह और कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र कुमार पाठक ने उससे पूछताछ की और कड़ी पुलिस सुरक्षा में उसे जिला मुख्यालय ले जाया गया।

लहलहाती फसलें चट कर रहे अन्ना गौवंश

जालौन, उरई। गौशाला में पर्याप्त चारा पानी की व्यवस्था न होने के चलते तीन गांवों में अन्ना जानवर फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। पीड़ित किसानों ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। तहसील क्षेत्र के ग्राम वीरपुरा, मकरंदपुरा, नैनपुरा, हरक्का के किसान नीरज पटेल, राघवेंद्र सिंह, आकाश सिंह, आशीष कुमार, भानुप्रताप सिंह, राजा भइया, राममिलन, अखिलेश कुमार, मन्नीलाल, राघवेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार, रूप सिंह आदि ने डीएम चांदनी सिंह को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उक्त चारों गांव की गोशाला वीरपुरा में स्थित है। लेकिन गोशाला में पशुओं के लिए चारे पानी का पर्याप्त इंतजाम नहीं है। ऐसी स्थिति में पशु गोशाला से बाहर निकलकर खेतों में पहुंच जाते हैं और खेतों में फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसान वैसे भी कभी अतिवृष्टि तो कभी सूखे से प्रभावित हैं।

क्विक न्यूज

चिटफंड कंपनी के निदेशक और प्रबंधक पर एफआईआर

फतेहपुर। करोड़ों रुपये हड़प कर भागे चिटफंड कंपनी के निदेशक और प्रबंधक के खिलाफकोर्ट के आदेश की अवहेलना का मुकदमा दर्ज किया गया है। रियल विजन डेवलपमेंट चिटफंड कंपनी 14 से 19 के बीच संचालित हो रही थी। कंपनी के सदर कोतवाली क्षेत्र के गैस गोदाम रोड निवासी प्रदीप कुमार वर्मा प्रबंधक और जौनपुर जिला रामपुर निवासी विनोद कुमार सिंह डायरेक्टर हैं। लोगों को कम समय धन दोगुना व अन्य लुभावनी स्कीमों के तहत ठगी का शिकार बनाया था। करोड़ों रुपये हड़पने के बाद आरोपी कंपनी कार्यालय बंद कर भाग निकले थे। हुसैनगंज थाने के हाजीपुर गंग निवासी उमाकांत त्रिपाठी की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस ने देवनगर चौराहे से हटवाया अवैध अतिक्रमण

जालौन, उरई। नगर के प्रमुख चौराहों पर दुकानदारों और आड़े तिरछे खड़े वाहनों के चलते अतिक्रमण की समस्या बनी रहती है। अतिक्रमण व वाहनों के कारण चौराहे पर जाम लगता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शुक्रवार को पुलिस ने मौके पर पहुंच राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे लगी दुकानें हटवायी और अतिक्रमणकारियों पर जुर्माना लगाया। नगर का देवनगर चौराहा अन्तर्राज्यीय चौराहा होने के कारण वहां दिन भर भीड़ भाड़ बनी रहती है। उस पर भी वाहन चालकों द्वारा सवारियों को अपने, अपने वाहन में बैठाने के चक्कर में एक-दूसरे के आगे आड़े-तिरछे वाहन खड़े कर दिए जाते हैं।

किशोरी से दुष्कर्म आरोपी को बीस साल की कठोर सजा

चित्रकूट। रिश्तेदारों के गांव की नाबालिक लड़की को घर से भगा ले जाने और दुष्कर्म मामले में दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायधीश विनीत नारायण पाण्डेय ने आरोपी को बीस वर्ष की सजा समेत 52 हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया है। शुक्रवार को विशेष लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि सितंबर 2022 में राजापुर थाने में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री को 18 सितंबर 2022 को बांदा जिले के अतर्रा थाने के रसपाल पुरवा निवासी ध्यान सिंह पुत्र घनश्याम सिंह भगा ले गया था। पीड़िता का डॉक्टरी परीक्षण कराकर बयान दर्ज कराए थे। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

राजभर व महंत राजूदास के खिलाफ सामाजिक संगठनों ने खोला मोर्चा

- डीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेज की गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता। फतेहपुर

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर व महंत राजूदास के बोल बिगड़ने पर कई सामाजिक संगठन एकजुट हो गये। कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए संगठनों ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर दोनों की गिरफ्तारी तत्काल कराये जाने की मांग की। कहा गया कि यदि मांग पूरी न हुई तो दोनों का पुतला दहन जगह-जगह किया जायेगा। संयुक्त सामाजिक एकता मंच एवं अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा अधिवक्ता प्रकोष्ट के नेतृत्व में विभिन्न संगठन के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया तत्पश्चात जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर बताया कि जिस तरह से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एवं अयोध्या के तथाकथित महंत राजूदास ने पूरे यादव समाज को अपमानित करते हुए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य के ऊपर जो अभद्र टिप्पणी की है उसके विरोध में प्रशासन के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तारी की जाये।

डीएम व एसपी ने कारागार का किया निरीक्षण

फतेहपुर। शुक्रवार को जिला कारागार का डीएम श्रुति एवं एसपी उदय शंकर सिंह ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारी द्वेय ने कैमरों की क्रियाशीलता को देखा। जेल अधीक्षक से कारागार में निरुद्ध बंदियों को कौशल विकास के तहत दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली। जेल में बंदियों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। डीएम-एसपी ने पुरुष, महिला बैरिक, पाकशाला का भी निरीक्षण कियाव मीनू के आधार पर बनाई जा रही दाल की गुणवत्ता को चेक किया। महिला व पुरुष बैरिक में बंदियों के बैग आदि की सघन तलाशी ली।

सैटेलाइट इंजीनियर के परिवार को बुंदेली सेना ने किया सम्मानित

उरई, जालौन। इसरो द्वारा पिछले दिनों 40 दिन के अथम परिश्रम के बाद चंद्रयान 3 की सफलता पूर्वक चांद पर लैंडिंग कराने वाली टीम में शामिल कालपी निवासी अभिषेक पुरवार, जो इसरो में सेटेलाइट इंजीनियर है, उनके कालपी स्थित आवास पर बुंदेली सेना के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर उनके परिवारजनों को सम्मानित कर मिठाई भी खिलायी। अभिषेक पुरवार पुत्र स्व. अनिल कुमार पुरवार सीनियर एडवोकेट कालपी जो कि इसरो में सेटेलाइट इंजीनियर है। शुक्रवार को उनके घर पर पहुंचकर बुन्देली सेना नगर कालपी की इकाई ने उनकी माता व उनकी बहन अमृता पुरवार को उनके घर जाकर सम्मानित किया।

25,000 रुपये का ईनामी अभियुक्त आला कत्ल सहित हुआ गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर, आलोक सिंह के निर्देशन, पुलिस महानिरीक्षक कानपुर रेंज कानपुर , प्रशान्त कुमार के कुशल पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़, विकास कुमार के मार्गदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर प्रदीप सिंह के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली फतेहगढ़ द्वारा मुखबिर की सूचना पर 367-23 धारा 147-148-149-307-302 भादवि कोतवाली फतेहगढ़ से सम्बन्धित नामजद वांछित 25000 रुपये ईनामिया अभियुक्त समर सिंह उर्फ समरे पुत्र सुखपाल निवासी ग्राम सरह थाना कोतवाली फतेहगढ़ को रेलवे स्टेशन तिराहा, भोलेपुर पर समय करीब 11.30 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त 1 डण्डा, आला कत्ल अभियुक्त के घर की छत से बरामद किया गया। पूछताछ में उसने कबूला कि 23 जुलाई को प्रात: 08.00 बजे उसका व घरवालों का गांव के बृजनन्दन शुक्ला व उनके परिवारिजनों से विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। उस समय हाथ में एक डंडा था। जिससे उसने बृजनन्दन शुक्ला व उनके पुत्र चन्दन से मारपीट की थी।

विजेता छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मानित

फतेहपुर। रामा अग्रहरि बालिका इंटर कालेज में भारत विकास परिषद की ओर से हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई गई। प्रतियोगिता में विजेता आई छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर परिषद ने सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के बीच मेंहदी प्रतियोगिता, रेंली व सावन के गीत के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये गये। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाली छात्राओं को प्रतीक चिन्ह भेंट किए। परिषद की महिलाओं व अध्यापिकाओं ने सावन गीत गाकर सभी का मन मोह लिया।

पुलिस ने सौंपे लोगों के खोये हुये मोबाइल फोन

फर्रुखाबाद। सेल द्वारा गुमशुदा/खोये हुये कुल 111 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख रुपए है, बरामद कर मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द किये गये। नागरिकों के खोये हुए मोबाइल फोन बरामद किये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सर्विलांस सेल टीम द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों विभिन्न जनपदों से मोबाइल फोन गुमशुदगी से सम्बन्धित प्राप्त प्रार्थना पत्र जिन्हें सर्विलांस पर लगा कर बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिन्हें सर्विलांस सेल द्वारा अथक परिश्रम एवं मेहनत के फलस्वरूप विभिन्न कम्पनियों के कुल 111 मोबाइल फोन बरामद किये।

पेज एक का शेष

राष्ट्रपति चुनाव...

के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं। यह दूसरी बार है, जब उन पर चुनाव के नतीजों को पलटने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है।

जी-20...

नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन में 29 राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ शीर्ष यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों और आमंत्रित अतिथि देशों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के भाग लेने की संभावना है। नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के समापन पर जी-20 नेताओं की घोषणा को अपनाया जाएगा। 23 अगस्त को, वाशिंगटन ने घोषणा की थी कि राष्ट्रपति जो बाइडन जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 7 से 10 सितंबर तक भारत की यात्रा करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा कि बाइडन और जी-20 साझेदार वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों की एक श्रृंखला पर चर्चा करेंगे, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करना, यूक्रेन संघर्ष के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने सहित गरीबी से बेहतर ढंग से लड़ने के लिए विश्व बैंक सहित बहुपक्षीय विकास बैंकों की क्षमता बढ़ाने पर भी चर्चा की जाएगी। जीन-पियरे ने कहा कि नई दिल्ली में राष्ट्रपति बाइडन जी-20 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना करेंगे और आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी-20 के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे, जिसमें 2026 में इसकी मेजबानी भी शामिल है। इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के भाग लेने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

शरद पवार...

पर कि क्या वह सुले के विचारों से सहमति रखते हैं, शरद पवार ने कहा कि मैं? आप गलत हैं। जिन्होंने अलग रुख अपना लिया है वे हमारे नेता नहीं हो सकते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा 2019 के बाद देवेन्द्र फडणवीस के साथ सुबह-सुबह अजित पवार के शपथ ग्रहण को याद करते हुए पवार ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए, शिवसेना, कांग्रेस राकांपा गठबंधन) सरकार में अजित पवार के उपमुख्यमंत्री बनने का हवाला दिया और कहा, किसी को भूल सुधार का अवसर एक बार दिया जाता है। अवसर फिर से नहीं दिया जा सकता है और किसी को मांगना भी नहीं चाहिए। 2019 में फडणवीस सरकार के साथ शपथ लेने के बाद अजित पवार वापस राकांपा में लौट गए थे। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने एक दिन पहले ही अजित पवार को पार्टी का वरिष्ठ नेता और विधायक बताया था। बारामती से लोकसभा सदस्य सुले ने कहा, अब, उन्होंने एक ऐसा रुख अपनाया है जो पार्टी के खिलाफ है और हमने विधानसभा अध्यक्ष को शिकायत दी है और उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। राकांपा में कोई फूट नहीं होने के, सुले के बयान के बारे में पूछने पर शरद पवार ने बारामती में कहा, इसमें इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि कोई कैसे कह सकता है कि राकांपा में फूट है। राकांपा प्रमुख ने कहा, किसी राजनीतिक दल में फूट का मतलब क्या है? फूट तब होती है जब किसी पार्टी का एक बड़ा समूह राष्ट्रीय स्तर पर अलग हो जाता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ है। कुछ लोगों ने पार्टी छोड़ दी, कुछ ने अलग रुख अपना लिया... लोकतंत्र में निर्णय लेना उनका अधिकार है। शरद पवार के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार नीत राकांपा के धड़े के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि पार्टी में कदापद को लेकर कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा, सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद हम सरकार में शामिल हुए। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि राकांपा में दो फाड़ हो गया और अब दो धड़े हैं। उन्होंने कहा, अगर विभाजन नहीं हुआ है तो सुनील तटकरे कौन हैं, जिन्हें विभाजन के बाद (अजित पवार नीत) धड़े ने राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है? टूट कर बने धड़े ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में शरद पवार का नाम भी हटा दिया है। राउत ने कहा, हमारा एमवीए गठबंधन शरद पवार नीत राकांपा के साथ है उससे टूट कर बने धड़े के साथ नहीं है जिसने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की डर से भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) से हाथ मिला लिया है। उन्होंने दावा किया कि शरद पवार कभी भी अपने सिद्धांतों से भटक कर भाजपा के सहयोगी नहीं बनेंगे। राउत ने कहा, डर कर भाजपा से जुड़ने वालों के लिए एमवीए गठबंधन में कोई जगह नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि शरद पवार मुंबई में होने वाली विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलॉपमेंटल इन्क्ल्युसिव एलायंस) की बैठक को लेकर लगातार एमवीए नेताओं के संपर्क में हैं।

यूनान में...

में अज्ञात सैनिकों के मकबरे पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ की। पिछले 40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूनान की यह पहली यात्रा है। किसी शीर्ष भारतीय राजनेता की यूनान की आखिरी यात्रा सितंबर 1983 में हुई थी जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश की यात्रा की थी।

मधुमिता शुक्ला...

जेल में अच्छे आचरण का जिक्र किया है। गोरखपुर जेल के जेलर एके कुशवाहा ने बताया कि विभाग ने उनकी वृद्धावस्था और अच्छे व्यवहार का भी हवाला दिया क्योंकि अमरमणि 66 वर्ष के हैं और मधुमणि 61 वर्ष की हैं। उन्होंने कहा कि दोनों को जेल हिरासत से रिहा कर दिया गया है, लेकिन वे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ही रहेंगे। इस बीच, बेटे अमनमणि त्रिपाठी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उनके माता-पिता चिकित्सकों की निगरानी में हैं और चिकित्सकीय सलाह के आधार पर आगे की कार्वाई की जाएगी। महराजगंज जिले की लक्ष्मीपुर (अब नौतनवा) विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित अमरमणि त्रिपाठी कल्याण सिंह, राम प्रकाश गुप्ता और राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वह समाजवादी पार्टी (सपा) में थे और फिर वह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में चले गए। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कवयित्री की बहन निधि शुक्ला की याचिका पर राज्य सरकार, त्रिपाठी और उनकी पत्नी को नोटिस जारी कर आठ सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। कवयित्री मधुमिता की नौ मई, 2003 को पेपर मिल कॉलोनी, लखनऊ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, घटना के वक्त वह गर्भवती थीं। अमरमणि त्रिपाठी को सितंबर, 2003 में कवयित्री की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था जिनके साथ कथित तौर पर अवैध संबंध थे। इस मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई थी।देहरादून की एक अदालत ने अक्टूबर, 2007 में मधुमिता की हत्या के लिए अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद नैनीताल उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने भी दंपति की सजा को बरकरार रखा था।

आठ से...

मेट्रो का उपयोग करें। नई दिल्ली में यातायात पुलिस उपायुक्त आलाप पटेल ने बताया कि लुटियंस दिल्ली में रहने वाले या जिन पर्यटकों की होटलों में बुकिंग है, वे ऑटो रिक्शा और टैक्सियों से यात्रा कर सकते हैं। दिल्ली हवाई अड्डे से लुटियंस दिल्ली आ रहे लोगों को पहचान पत्रों के उचित सत्यापन के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अंतरराज्यीय बसों को जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी लेकिन उनका अंतिम ठहराव अंतरराज्यीय बस अड्डे पर नहीं होगा। वाहन चालकों को ध्यान देना चाहिए कि इंदिरा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर सड़क मार्ग 7 और 8 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे से 10 सितंबर को रात्रि 12 बजे तक प्रभावित रहेगा। यदि हवाई अड्डे जाने वाले यात्री सड़क मार्ग का विकल्प चुनते हैं, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे पर्याप्त समय रखते हुए यात्रा की योजना बनाएं। एंबुलेंस सहायता सेवा के लिए लोग 6828400604 पर कॉल कर सकते हैं। यह सेवा सात सितंबर की रात से शुरू की जाएगी। राजधानी के प्रगति मैदान के अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में नौ और 10 सितंबर को आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान शहर में निर्बाध यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 10,000 पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे।

सड़क से...

से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक यात्रा प्रभावित होगी। मेट्रो के बजाय सड़क से हवाई अड्डा जाने का विकल्प चुनने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे पर्याप्त समय के साथ अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

भारत-यूनान ने रणनीतिक साझेदारी के स्तर को बढ़ाया

भाषा। एथेंस

भारत और यूनान ने शुक्रवार को अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया तथा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का संकल्प जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके यूनानी समकक्ष किरियाकोस मित्सोताकिस के बीच व्यापक बातचीत के दौरान प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते को मजबूत करने पर सहमति जताई। बीते 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूनान यात्रा पर जोहानिसबर्ग से यहां पहुंचे मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा, अवसंरचना, कृषि, शिक्षा, और नई व उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में संबंधों विस्तार देने का फैसला किया। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में अपनी बढ़ती एकरूपता को दर्शाते हुए, दोनों पक्ष रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त करने के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर एक संस्थागत संवाद ढांचा बनाने पर भी सहमत हुए। उन्होंने यूनानी समकक्ष के साथ अपनी बातचीत के बाद मीडिया बयान में कहा कि भारत और यूनान दोनों यूक्रेन संकट को हल करने के लिए कूटनीति और बातचीत का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच हिंद-प्रशांत सहित भू-राजनीतिक, अंर्तार्ष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर उत्कृष्ट समन्वय है। 40 साल के अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यूनान यात्रा है। फिर भी न तो हमारे संबंधों की गहराई कम हुई है, न ही हमारे संबंधों की गर्माहट में कोई कमी आई है। इसलिए, आज प्रधानमंत्री और मैंने भारत-यूनान साझेदारी को रणनीतिक स्तर पर ले जाने का फैसला किया है। हमने तय किया है कि हम रक्षा और सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, कृषि, शिक्षा, नई और उभरती प्रौद्योगिकी और कौशल विकास के क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ाकर अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेंगे। अपनी ओर से, मित्सोताकिस ने मोदी का स्वागत करते हुए कहा, आज, ग्रह पर सबसे अधिक आबादी वाला, सबसे बड़ा लोकतंत्र पृथ्वी के सबसे पहले लोकतंत्र के पास आ रहा है। यूनान भारत के साथ अपने संबंधों का रणनीतिक साझेदारी के तौर पर उन्नयन करके बहुत खुश है। दोनों पक्ष विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार हैं, खासकर यूक्रेन में अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल और युद्ध के दौर में - ऐसी घटनाएं जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन करना और भी जरूरी बना देती हैं।

चंद्रमा पर तिरंगा फहराकर भारत ने दुनिया को अपनी सामर्थ्य दिखाई : प्रधानमंत्री मोदी

एथेंस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराकर दुनिया को अपनी सामर्थ्य दिखाई है तथा उसका विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार वैश्विक स्तर पर लहर पैदा कर रहा है। यूनान में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पिछले नौ वर्षों में उनकी सरकार द्वारा हासिल की गई कई विकासपरक उपलब्धियों का भी हवाला दिया और इस बात पर जोर दिया कि बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में पहले कभी इतना निवेश नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारत में 25 लाख किलोमीटर से अधिक लंबी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से छह गुना अधिक है। उन्होंने कहा, भारत ने रिकॉर्ड समय में लगभग 700 जिलों में स्वदेशी 5जी प्रौद्योगिकी पहुंचा दी है। प्रधानमंत्री की यह बात सुनते ही वहां मौजूद दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। दुनिया का सबसे ऊंचा वाला रेलवे पुल, मोटर चलने योग्य सड़क के अलावा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम और सबसे ऊंची प्रतिमा अब भारत में है। विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे शीर्ष वैश्विक निकाय भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रशंसा कर रहे है और प्रमुख कंपनियां भारत में निवेश करने के लिए एक-दूसरे के साथ होड़ कर रही है। उन्होने कहा कि कोविड-19 के बाद विश्व व्यवस्था में देश की भूमिका तेजी से बदल रही है।

सफल चंद्रमा अभियान भारत और विश्व के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि : इजारइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू

भाषा। यरुशलम

भारत के सफल चंद्र अभियान को उसके और विश्व के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी और दोनों नेता प्रौद्योगिकी क्षेत्र विशेष तौर पर कृत्रिम बुद्धिमता पर सहयोग बढ़ाने के लिए सहमत हुए। यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि नेतन्याहू ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर बधाई दी। विज्ञप्ति में कहा गया है, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने माना कि यह भारत और विश्व के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने सभी इजराइली नागरिकों की ओर से हार्दिक बधाई दी। विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी ने रोश हशाना (यहूदी नववर्ष) से पूर्व नेतन्याहू और इजराइल के नागरिकों को इसकी शुभकामनाएं दीं और निकट भविष्य में इजराइली प्रधानमंत्री को भारत आने के लिए आमंत्रित किया। विज्ञप्ति में कहा गया, दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी के मुद्दों विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमता पर सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति जताई। मोदी ने बाद में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान की सफल लैंडिंग के बाद मेरे प्रिय मित्र इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने फोन कर बधाई संदेश पाकर प्रसन्नता हुई।

क्विक न्यूज

ताइवान के उपराष्ट्रपति ने चीन पर राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लगाया

ताइपे। राष्ट्रपति चुनाव में सबसे आगे चल रहे उम्मीदवार एवं ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई ने चीन पर चुनावों को प्रभावित करने के लिए अनुचित व्यापार हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया है। विलियम लाई ने शुक्रवार को ताइपे में विदेशी संवाददाताओं के साथ एक बैठक में कहा कि चीन ने आगामी चुनावों को कमजोर करने के प्रयास में संभावित रूप से ताइवान के कृषि उत्पादों को निशाना बनाया है। उनकी यह टिप्पणी तब आई है, जब चीन ने सोमवार को घोषणा की कि वह अधिकारियों द्वारा फल पर कीट पाए जाने के बाद ताइवान से आम का आयात निलंबित कर देगा। व्यापार पर अंकुश को काफी हद तक राजनीति से प्रेरित माना जा रहा है। ताइवान में जनवरी 2024 में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। ताइवान एक स्व-शासित लोकतंत्र है, जिस पर चीन अपना दावा करता है। चीन और ताइवान 1949 में एक गृह युद्ध के बाद विभाजित हो गए थे, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्य भूमि पर नियंत्रण के साथ ही समाप्त हुआ। लाई ने शुक्रवार को कहा, चीन हर तरह की रणनीति के साथ चुनाव में हस्तक्षेप करने की उम्मीद कर रहा होगा, लेकिन अगर वे सफल हो गए, तो यह ताइवान के लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा होगा। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के उम्मीदवार के रूप में लाई अधिकतर जनमत सर्वेक्षणों में अपने प्रतिद्वंद्वियों स्वतंत्रता की पक्षधर ताइवान पीपुल्स पार्टी के उम्मीदवार को वेन-जे और चीनी झुकाव वाली कुओमितांग पार्टी के होउ यू-इह से आगे है।

सिंगापुर में नेताजी के दिल्ली चलो नारे पर बनी वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया जाएगा

सिंगापुर। सिंगापुर में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के दिल्ली चलो नारे पर बनी एक वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया जाएगा। बोस ने जुलाई 1943 में तत्कालीन जापानी कब्जे वाले सिंगापुर के पडांग से यह नारा दिया था। नेताजी सुभाष चंद्र बोसः ए सिंगापुर सागा नामक इस वृतचित्र में प्रवासी भारतीय नागरिकों को दिल्ली आने तथा यहां की सत्ता पर काबिज ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार को बेदखल करने का आह्वान करने वाले युद्धघोष को दर्शाया गया है। नेताजी के दिल्ली चलो के नारे ने दक्षिण पूर्व एशिया में लोगों को जोश से भर दिया तथा इसने भारत की आजादी के आंदोलन को प्रज्वलित किया। नेताजी के नेतृत्व में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) में शामिल होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई और इसने चार सालों के बाद 1947 में भारत की आजादी में मुख्य भूमिका निभाई। सिंगापुर की साप्ताहिक तबला की एक रिपोर्ट के अनुसार, मूलतः यह वृत्तचित्र भारत और सिंगापुर के इतिहास और मजबूत सांस्कृतिक संबंधों की याद दिलाता है। टैगोर सोसाइटी सिंगापुर द्वारा निर्मित इस वृत्तचित्र का निर्देशन लक्ष्मी रमन वेंकट ने किया है। सोसाइटी की क्रिएटिव डायरेक्टर डॉली डेवनपोर्ट ने कहा कि वृत्तचित्र में इस बात की झलक मिलती है कि कैसे क्षेत्र (दक्षिण पूर्व एशिया) के आम लोग नेताजी और भारत की आजादी के प्रति आकर्षित थे। डेवनपोर्ट ने बताया कि आईएनए में महिलाओं और पुरुषों को बराबर जिम्मेदारियां निभानी पड़ती थी और वह चाहती है कि उनके इन गौरवशाली उपलब्धियों को याद किया जाए।

मणिपुर में धार्मिक हिंसा के कोई सबूत नहीं : अमेरिका स्थित थिंक टैंक

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित भारत केंद्रित एक थिंक टैंक ने एक रिपोर्ट में कहा है कि मणिपुर में धार्मिक हिसा के कोई सबूत नही है और उसने इस हिसा के लिए अंतर-जनजाति अविश्वास, आर्थिक प्रभावों के डर, मादक पदार्थ और विद्रोह को जिम्मेदार ठहराया। इस सप्ताह जारी एक रिपोर्ट में फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने कहा कि कुछ लोगो के आरोपो के अनुसार, विदेशी दखल की संभावना से भी इनकार नही किया जा सकता। एफआईआईडीएस ने कहा कि मणिपुर राज्य सरकार और भारत सरकार दोनो ने शांति स्थापित करने और प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए अपने सभी संसाधन तैनात किए है। रिपोर्ट मे कहा गया है, संक्षेप मे कहे तो अतीत की नकारात्मक बाते, जनजातियो के बीच आपसी अविश्वास, आर्थिक प्रभाव का डर, मादक पदार्थ और विद्रोह इस हिसा मे कारक रहे है। महत्वपूर्ण रूप से यह ध्यान देने वाली बात है कि जनजातियो के बीच धार्मिक ध्रुवीकरण मौजूद है लेकिन हमें धार्मिक हिसा के सबूत नही मिले। इसके बजाय यह जातीय विभाजन और जनजातियो के बीच ऐतिहासिक अविश्वास और प्रतिद्वंद्विता पर आधारित है। एजेंसी ने बृहस्पतिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मे कहा, विभिन्न निष्क्रिय उग्रवादीचरमपंथी समूहो ने इन हालात का फायदा उठाया और अपनी उपस्थिति पुनः दर्ज कराने के लिए गोलीबारी की। मादक पदार्थ माफियाओ के धन और हथियारो से इसे बढ़ावा मिला। ए माफिया म्यांमा के माध्यम से निर्यात के लिए अफीम उगाते है और हेरोइन बनाते है। कुछ लोगो ने यह भी आरोप लगाया कि विदेशी हस्तक्षेप से इनकार नही किया जा सकता है। विज्ञप्ति मे कहा गया है कि हाल के हफ्तो मे हिसा और विरोध प्रदर्शन शांत हो गए है, लेकिन जनजातियो के बीच अविश्वास अब भी मौजूद है और विस्थापित लोग अब भी अपने मूल स्थान पर लौटने में सहज नही है।

संयुक्त राष्ट्र के जिनेवा परिसर में घुसपैठिया, परिसर कुछ देर के लिए बंद

जिनेवा। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र का विशाल परिसर शुक्रवार को एक घुसपैठिए के सुरक्षा घेरे में घुस जाने के बाद कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एलेसेंड्रा वेल्लुची ने बताया कि करीब आधे घंटे चली इस घटना की जांच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा दल तथा जिनेवा पुलिस कर रही है। उन्होने घुसपैठिए की पहचान बताने से मना कर दिया और यह भी नही बताया कि वह हिरासत में है या नही। वेल्लुची ने इसे मामूली घटना बताया है। न्यूयॉर्क में अपने मुख्यालय के बाद संयुक्त राष्ट्र का जिनेवा में यह दूसरा सबसे बड़ा परिसर है। यही से यूरोपीय मुख्यालयो का सारा कामकाज होता है। वेल्लुची ने कहा कि जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय में इस तरह की सुरक्षा उल्लंघन की आखिरी घटना 2017 में हुई थी।

श्रीलंका बना रहा है पूर्वी प्रांत में बड़े पैमाने पर विकास की योजना : विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने तमिल बहुल पूर्वी प्रांत, विशेष रूप से त्रिकोमाली जिले को एक बहुआयामी केंद्र में बदलने का वादा करते हुए इसके लिए भारतीय सहायता की आवश्यकता को रेखांकित किया है। बृहस्पतिवार को प्रांत के भीतर विकासात्मक पहलो पर एक विशेष समिति की बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने पूर्वी विकास परियोजना में तेजी लाने पर जोर दिया और नकदी संकट से जूझ रहे द्वीपीय राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत करने के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया।राष्ट्रपति कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना के लिए भारत की सहायता लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए विक्रमसिंघे ने इसके रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

नवाज शरीफ के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटने की संभावना : पाकिस्तानी मीडिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के 15 अक्टूबर को लंदन से स्वदेश लौटने की संभावना है। स्थानीय मीडिया में शुक्रवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। नवाज शरीफ के भाई और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नवाज के लौटने की घोषणा की थी। नवाज शरीफ नवंबर 2019 से ब्रिटेन में रह रहे है। उन्हे 2018 में अल-अजीजिया मिल्स और एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामलो में दोषी ठहराया गया था। नवाज शरीफ अल-अजीजिया मिल्स मामले में लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की कैद की सजा काट रहे थे। उन्हें 2019 में चिकित्सा आधार पर लंदन जाने की अनुमति दी गई थी। जियो न्यूज ने लंदन से नवाज शरीफ के पारिवारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक अक्टूबर के मध्य की तारीख नवाज, शहबाज और लंदन में उनके परिवार के करीबी सदस्यों द्वारा तय की गई थी।

तोशाखाना मामलाः दोषसिद्धि के खिलाफ इमरान की अपील की सुनवाई फिर स्थगित

भाषा। इस्लामाबाद

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने शुक्रवार को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका पर सुनवाई को 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग(ईसीपी) द्वारा दायर मामले में इस्लामाबाद की एक अदालत ने पांच अगस्त को खान(70) को दोषी ठहराते हुए तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद वह अगले पांच वर्षों के लिए चुनाव लड़ने के वास्ते अयोग्य हो गए थे। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई की अध्यक्षता की। आज सुनवाई के दौरान ईसीपी के वकील अमजद परवेज से उनकी दलीलें खत्म करने की उम्मीद थी। उनके दल के एक सदस्य ने बताया कि परवेज गंभीर रूप से बीमार हैं, इस कारण से वह उपस्थित नहीं हो सके। इसके बाद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सुनवाई को सोमवार यानी 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया। उच्च न्यायालय 22 अगस्त से खान की अपील पर सुनवाई कर रहा है। इससे पहले उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को शुक्रवार तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी थी। इस मामले में बचाव पक्ष ने अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने भी बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय का फैसला आने तक खान की याचिका पर सुनवाई को रोकने का फैसला किया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश ने सबको हैरान कर दिया, जिसमें उसने पाकिस्तान के अटॉर्नी-जनरल (एजीपी) मंसूर उस्मान अवान को 28 अगस्त तक खान की रहने की स्थिति के बारे में एक आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री की रिमांड अवधि तीन दिन बढ़ाई गई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने के एक मामले में पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की रिमांड अवधि तीन दिन के लिए बढ़ा दी। इन दस्तावेजों का इमरान खान के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार द्वारा कथित तौर पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया गया था। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उपाध्यक्ष कुरैशी (67) को 19 अगस्त को शासकीय गोपनीयता अधिनियम के उल्लंघन के लिए गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अमेरिका स्थित पाकिस्तानी दूतावास की ओर से विदेश कार्यालय को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज की गोपनीयता भंग की। बाद में उन्हे विशेष अदालत ने 25 अगस्त तक चार दिनो के लिए संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की हिरासत में भेज दिया था। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, न्यायाधीश अबुअल हसनत ने शुक्रवार को विशेष अदालत में मामले की बंद कमरे में सुनवाई की।

बुशरा बीबी ने न्यायालय से बिगड़ते स्वास्थ्य पर गंभीरता से संज्ञान लेने का आग्रह किया

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया कि वह उनके पति के बिगड़ते स्वास्थ्य पर ‘गंभीरता से संज्ञानै ले। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 70 वर्षीय अध्यक्ष इस महीने की शुरुआत में तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद वर्तमान में पंजाब प्रांत की अटक जिला जेल में बंद है। जेल में इमरान से मंगलवार को मुलाकात के बाद बुशरा ने शीर्ष अदालत का रुख किया। बुशरा ने अपने वकील रिफाकत हुसैन शाह के माध्यम से उच्चतम न्यायालय को एक हलफनामा सौपा, जिसमें इमरान खान के स्वास्थ्य की खातिर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया।

राष्ट्रपति पद के लिए पहली बहस के बाद रामास्वामी की लोकप्रियता बढ़ी

भाषा। वॉशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की पहली प्राथमिक बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अरबपति भारतीय-अमेरिकी बायोटेक उद्यमी विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता रेटिंग में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ऑनलाइन तरीके से धन जुटाने की कवायद में इजाफा दिख रहा है। रामास्वामी की चुनाव संबंधी अभियान टीम के अनुसार, 38 वर्षीय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने बुधवार को बहस के बाद 450,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक जुटाए हैं जिसमें औसत दान 38 डालर था।उद्यमी से राजनेता बने रामास्वामी को बहस के दौरान तीन शीर्ष प्रतिद्वंद्वी न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टीज, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस और दक्षिण कैरोलाइना की गवर्नर निक्की हेली से कड़ी टक्कर मिली। पॉपुलर एक्सिस की खबर के अनुसार, ट्रंप की अनुपस्थिति में रामास्वामी जीओपी ने बहस में बाजी मारी। बहस के बाद सामने आए पहले सर्वेक्षण में कहा गया कि 504 उत्तरदाताओं में से 28 प्रतिशत ने कहा कि रामास्वामी ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उनके बाद 27 प्रतिशत के साथ फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और 13 प्रतिशत के साथ पेंस हैं। भारतीय अमेरिकी हेली को सात फीसदी वोट मिले हैं। फॉक्स न्यूज के अनुसार, रामास्वामी पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस के लिए गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले जीओपी उम्मीदवार रहे। उनके बाद उनकी साथी भारतीय अमेरिकी निक्की हेली थीं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर में बताया गया, विवेक रामास्वामी ने रिपब्लिकन की पहली प्राथमिक बहस में काफी सुर्खियां बटोरीं।

क्रेमलिन ने प्रिगोझिन से जुड़ी विमान दुर्घटना में अपनी भूमिका से इनकार किया

भाषा। मॉस्को

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को उन आरोपों को खारिज कर दिया कि उस विमान दुर्घटना के पीछे क्रेमलिन का हाथ था, जिसमें निजी सेना वैगनर के प्रमुख एवगेनी प्रिगोझिन के मारे जाने की आशंका है। प्रिगोझिन ने दो महीने पहले ही रूस में संक्षिप्त, लेकिन बेहद चौंकाने वाला विद्रोह किया था। विमान में सवार लोगों में प्रिगोझिन भी थे और पुतिन ने उनकी प्रशंसा की थी। हालांकि, यह संदेह बढ़ गया है कि बुधवार की दुर्घटना के पीछे रूसी नेता का हाथ है, जिसे कई लोगों ने हत्या के रूप में देख रहे हैं।प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया आकलन का निष्कर्ष है कि विमान को जानबूझकर विस्फोट करके गिराया गया था।प्रारंभिक अमेरिकी आकलन के बारे में बताने वाले अमेरिकी और पश्चिमी अधिकारियों में से एक ने कहा कि इस बात की बहुत संभावना है कि प्रिगोझिन को निशाना बनाया गया था और यह विस्फोट पुतिन के अपने आलोचकों को चुप कराने के लंबे इतिहास के अनुरूप है। अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर यह बात कही, क्योंकि वह टिप्पणी करने के लिए अधिकृत नहीं था। उन्होंने किस चीज से विस्फोट हुआ, इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया। इसे व्यापक रूप से जून में हुए विद्रोह का प्रतिशोध माना जा रहा है, जिसने रूसी नेता के 23 साल के शासन में सबसे बड़ी चुनौती पेश की थी। फिलहाल, निश्चित रूप से, इस विमान दुर्घटना और एवगेनी प्रिगोझिन सहित विमान के यात्रियों की दुखद मौतों के बारे में बहुत सारी अटकलें हैं। बेशक, पश्चिम में उन अटकलों को एक निश्चित नजरिए के तहत पेश किया जाता है, और यह सब पूरी तरह से झूठ है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या क्रेमलिन को प्रिगोझिन की मौत की आधिकारिक पुष्टि की गई है, पेसकोव ने एक दिन पहले की पुतिन की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा, उन्होंने (पुतिन ने) कहा कि अभी आनुवंशिक परीक्षण सहित सभी आवश्यक फॉरेंसिक विश्लेषण किए जाएंगे।

महीनों के विमर्श के बाद यूक्रेन को एफ-16 उपलब्ध कराने पर बाइडन का रुख बदला

भाष। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने सहयोगियों को यूक्रेनी सेना को एफ-16 लड़ाकू विमान के परिचालन संबंधी प्रशिक्षण की मंजूरी दे दी है। इससे भले ही ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका के कदम में अचानक बदलाव आया है, लेकिन ऐसा कतई नहीं है। वास्तविकता यह है कि अमेरिका का यह कदम सहयोगियों के साथ कई महीनों तक चली आंतरिक और शांतिपूर्ण विचार-विमर्श के बाद उठाया गया है।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की 15 महीने से रूस के साथ जारी युद्ध में स्थिति मजबूत करने के लिए लंबे समय से अपनी सेना को अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं, जिसके बाद ही अमेरिका ने इस सहयोग में शामिल होने का फैसला लिया। प्रशासन की लंबे समय से यह चिंता बनी हुई थी कि इस तरह के कदम से रूस के साथ तनाव बढ़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी तर्क भी रखा कि एफ-16 के परिचालन से संबंधी प्रशिक्षण देना कठिन होगा और ज्यादा समय भी लगेगा। विचार-विमर्श में शामिल में रहे तीन अधिकारियों के अनुसार, तीन महीने तक चले मंथन के बाद प्रशासन का रुख इस ओर बदला कि यूक्रेन की दीर्घकालिक सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके पायलटों को आवश्यक प्रशिक्षण और विमान उपलब्ध कराने का यह सही समय है। फरवरी में एबीसी के डेविड मुइर के साथ एक साक्षात्कार में बाइडन ने इस बात पर जोर दिया था कि यूक्रेन को अब एफ-16 की आवश्यकता नहीं है और मैं फिलहाल इसे खारिज कर रहा हूं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा पक्षकार धर्मेन्द्र,संपत्ति संख्या 304, बिना छत के तीसरी मंजिल पर, माप 5.79 वर्गमीटर, संपत्ति एम पी एल नं. 5151, कृष्णा मार्केट, रुई मंडी, सदर बाजार, दिल्ली की मालिक हैं। और श्री राम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के साथ बंधक रख रहे है. तथा, धर्मेन्द्र के पास से प्रापर्टी से सम्बंधित1. राम करण दास का मृत्यु, उत्तर जीवी और उत्तराधिकार प्रमाण पत्र नहीं है और 2. कमला का मृत्यु और उत्तरजीवी प्रमाणपत्र नहीं है। इसलिए यह सूचित किया जाता है की उक्त विलेख के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार, बिक्री, बंधक आदि सिवाय धर्मेन्द्र और उक्त संस्था के बीच, मान्या नही होगा.तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 08 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरेम लिगल सल्यूशन
चेंबर न. ६६०, द्वारका कोर्ट, सेक्टर-१०,द्वारका, नई देहली- ७५, म. ९८९९०१३९१८

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large of Mrs. Rajendri W/oMr. Gopal Singh who is purchasing the Description: -Plot No. 15 land area measuring 70 sq. Yards, out of khasra no. 110 min, Situated in the village of Dundaheda, pargana and district Ghaziabad, (U.P.) from Mr. Dharmpal S/o Mr. Dal chand who had owner through Khatoni Record, and same to be financed & mortgaged by Vastu Housing Finance Corporation Ltd. If any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien, disputes etc.
Lucem Legal LLP, B-93B, Second Floor, Opp. SBI Bank Sector 2, Noida, UP-201301 Contact #0120-4269379

PUBLIC NOTICE

Be it inform you the General public notice at large that the D.D.A original Conveyance Deed in respect of flat no. 162 on second & third floor duplex cat- III SFS with Car garage no - 162 at Mandakini Enclave Alaknanda Kalkaji New Delhi 110019 vide D.D.A file no. 35(289)81/SFS/ME issued & executed by D.D.A has been lost at Alaknanda main market ND-19 market whoever find the above said document may kindly return to Deputy director LAB (H) SFS, III floor D- block D.D.A office INA N.D 110023 or mrs. Nalini Anand w/o late Shri Suresh Chandra Anand R/o Flat no 162 second & third floor Mandakini Enclave Alaknanda, Kalkaji ,New Delhi 110019.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Shiv Prashad who is purchasing the built up Flat No.402, Front Portion LHS, Third Floor, with roof, Property bearing no. RZ-H-4/7B, area measuring 250 Sq. Yds., out of Khasra No.79/12, Block-A, situated in the area of Village Palam, in the abadi of Mahabir Enclave, Bengali Colony, New Delhi; from Mr. Kuldip Kaushal, who is owner of the aforesaid property vide Sale Deed dated 03.05.2007, which is duly registered vide Document No.4139, at Sub-Registrar, IX, New Delhi; and intend to mortgage against the financial assistance from Aditya Birla Housing Finance Limited. That original Sale Deed dated 03.05.2007, duly registered vide Doc. No. 4139, at SRO-IX, New Delhi;is Lost/Misplaced/Not available an online Lost Report vide LR No.918032/2016, dated 26.09.2016has been lodged by Mr. Kuldeep Kaushalin this regard. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Lucem Legal LLP Plot no.136, (Basement) Uday Park, New Delhi-110049
Contact # 011-40046316

करीब आधे चंद्र मिशन असफल हो जाते हैं

अभी भी अंतरिक्ष में पहुंचना क्यों है इतना मुश्किल?

भाषा। मेलबर्न

भारत ने 2019 में चंद्रमा पर एक अंतरिक्षयान उतारने की कोशिश की और वह इसकी बंजर सतह पर मलबे की एक किलोमीटर लंबी लकीर ही खींच सका। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अब जीत के साथ वापसी की और चंद्रयान-3 का लैंडर पृथ्वी के चट्टानी पड़ोसी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट की सतह छूने में कामयाब रहा। भारत की इस सफलता से कुछ ही दिन पहले रूस को तब असफलता मिली, जब उसके लूना 25 मिशन ने पास ही के क्षेत्र पर उतरने की कोशिश की, लेकिन वह चंद्रमा की सतह से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ए दोनों मिशन हमें याद दिलाते हैं कि चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की पहली सफलता के करीब 60 साल बाद अंतरिक्षयान मिशन अब भी मुश्किल एवं खतरनाक हैं। विशेष रूप से चंद्र मिशन सिक्का उछालने की तरह हैं और हमने हाल के वर्षों में कई बड़े-बड़े देशों को विफल होते देखा है।

एक विशेष समूह : चंद्रमा एकमात्र खगोलीय स्थान है जहां (अब तक) मनुष्य गए हैं। वहां सबसे पहले जाना समझ में आता है: यह लगभग 4,00,000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हमारा सबसे निकटतम ग्रहीय पिंड है।

इसके बावजूद अभी तक मात्र चार देश ही चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग कर पाए हैं। सबसे पहले पूर्व सोवियत संघ ने यह सफलता हासिल की थी। लूना 9 मिशन लगभग 60 साल पहले फरवरी 1966 में चंद्रमा पर सुरक्षित रूप से उतरा था। अमेरिका ने कुछ महीनों बाद जून 1996 में सर्वेयर। मिशन के जरिए सफलता हासिल की। इसके बाद चीन 2013 में चांग ई 3 मिशन की सफलता के साथ इस समूह में शामिल हो गया और अब भारत भी चंद्रयान-3 के साथ चांद पर पहुंच गया है। जापान, संयुक्त अरब अमीरात, इजराइल, रूस, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, लक्जमबर्ग, दक्षिण कोरिया और इटली के मिशन असफल रहे। बड़ी चुनौतियां बरकरार हैं:यदि मनुष्यों को पूर्ण विकसित अंतरिक्ष-सभ्यता का निर्माण करना है, तो हमें बड़ी चुनौतियों से पार पाना होगा। लंबी अवधि, लंबी दूरी की अंतरिक्ष यात्रा को संभव बनाने के लिए कई समस्याओं का समाधान करना होगा। प्रगति धीरे-धीरे होगी, छोटे कदम धीरे-धीरे बड़े बनेंगे। इंजीनियर और अंतरिक्ष प्रेमी अंतरिक्ष मिशन में अपनी दिमागी ताकत, समय और ऊर्जा लगाते रहेंगे तथा वे धीरे-धीरे और अधिक कामयाब होते जाएंगे।शायद एक दिन हम ऐसा समय देखेंगे जब अंतरिक्ष यान में यात्रा करना कार में बैठने जितना ही सुरक्षित होगा।

दुर्घटनाग्रस्त होना असामान्य बात नहीं है

रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने 19 अगस्त, 2023 को घोषणा की कि लूना 25 अंतरिक्ष यान के साथ संपर्क बाधित हुआ है। इसके बाद 20 अगस्त को यान से संपर्क करने के प्रयास असफल रहे। रॉसकॉसमॉस को बाद में पता चला कि लूना 25 दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। पूर्ववर्ती सोवियत संघ से लेकर आधुनिक रूस तक 60 साल से भी अधिक के अनुभव के बावजूद यह मिशन असफल हो गया। हमें नही पता कि वास्तव में क्या हुआ, लेकिन रूस के मौजूदा हालात इसका एक कारक हो सकते है। यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कारण रूस में तनाव अधिक है और संसाधनों का अभाव है। इजराइल का बेरेशीट लैंडर भी अप्रैल, 2019 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और इसी साल सितंबर में भारत ने चंद्रमा की सतह पर अपना लैंडर विक्रम भेजा था, लेकिन वह उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। नासा ने बाद में अपने लूनर रीकानसन्स ऑर्बिटर द्वारा ली गई एक तस्वीर जारी की जिसमें विक्रम लैंडर का मलबा कई किलोमीटर तक फैले लगभग दो दर्जन स्थानों पर बिखरा हुआ नजर आ रहा था।

अंतरिक्ष अब भी जोखिम भरा है

अंतरिक्ष मिशन एक जोखिम भरा काम है। केवल 50 प्रतिशत से अधिक चंद्र मिशन सफल होते है। यहां तक कि पृथ्वी की कक्षा में छोटे उपग्रह मिशन भी शत-प्रतिशत सफल नहीं होते। उनकी सफलता दर 40 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच है। हम मानव रहित मिशन की तुलना मानव युक्त मिशन से कर सकते हैः लगभग 98 प्रतिशत मानव युक्त मिशन सफल होते है, क्योंकि अंतरिक्ष यात्रियों से युक्त मिशन की मदद के लिए पृथ्वी पर काम करने वाले वैज्ञानिक अधिक ध्यान केंद्रित करके काम करेंगे, उनके लिए प्रबंधन अधिक संसाधनों का निवेश करेगा और उनकी सुरक्षा की प्राथमिकता के मद्देनजर देरी को स्वीकार किया जाएगा।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sanjeevan Kaur Saini W/o Surjeet Singh Saini R/o 9 State Bank Nagar II Floor Paschim Vihar Delhi 110063 have changed my name from Sanjeevan Kaur Saini to Sanjeevan Kaur for all purpose in future.

PD(141)A

केरल के वायनाड में जीप खाई में गिरी से नौ महिलाओं की मौत

भाषा। वायनाड (केरल)

केरल के वायनाड जिले में शुक्रवार को एक जीप के खाई में गिर जाने से नौ महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सभी महिलाएं एक निजी चाय बागान में काम करती थीं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। पुलिस ने पुष्टि की कि जीप में चालक समेत 14 लोग सवार थे। यह हादसा अपराह्न करीब 3:30 बजे वलाड-मननथावडी मार्ग पर हुआ। एक स्थानीय निवासी ने मीडिया को बताया, जीप एक निजी चाय बागान में काम करने वाली महिलाओं को लेकर मक्कीमला लौट रही थी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि जीप एक ढलान पर मुड़ते वक्त सडक़ पर फिसलकर करीब 25 मीटर गहरी खाई में गिर गई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में घायल लोगों को मननथावडी के एक अस्पताल में ले जाया गया लेकिन उनमें से नौ की मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, कम से कम दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि महिलाएं एक नजदीकी चाय बागान में दिहाड़ी मजदूरी करती थीं। मुख्यमंत्री विजयन के निर्देश पर राज्य के वन मंत्री ए के शशिंद्रन कोझीकोड से दुर्घटना स्थल पहुंचे। वायनाड में पत्रकारों से बातचीत में शशिंद्रन ने कहा कि स्थानीय लोग घायलों को बचाने के लिए आए। उन्होंने कहा, खबरों के अनुसार, जीप में 14 यात्री सवार थे। पांच घायल हैं। दुखद रूप से उनमें से नौ की मौत हो गई है। लता (41) नामक एक महिला को विशेष उपचार की आवश्यकता है और उसे कोझीकोड मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया जाएगा। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की और जिला चिकित्सा प्राधिकारियों को घायलों को उत्कृष्ट उपचार मुहैया कराने का निर्देश दिया। उन्होंने प्राधिकारियों से पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा जरूरत पड़ने पर और फॉरेंसिक सर्जन की सेवा लेने को भी कहा। श्रमिकों की मौत पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि यह दुर्घटना अत्यधिक दुखद है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वह जीप दुर्घटना में लोगों की मौत से बहुत दुखी हैं।

नूंह में भीड़ के पथराव में तीन पुलिसकर्मी घायल

भाषा। नूंह

नूंह हिंसा के एक संदिग्ध को शुक्रवार को पूछताछ के लिए ले जाते समय 30-40 लोगों के एक समूह द्वारा किए गए पथराव में एक उप निरीक्षक समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने यहां दी।पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब उप-निरीक्षक विनीत के नेतृत्व में तीन पुलिसकर्मियों की एक टीम यहां सिंगार गांव आई थी।पुलिस ने बताया कि जब पुलिसकर्मी संदिग्ध को लेकर वाहन में बैठने जा रहे थे तभी 30-40 लोगों के एक समूह ने उन पर पथराव शुरू कर दिया।पुलिस ने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों को पुन्हाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बाद में अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया और पुलिस ने घटना के सिलसिले में पांच महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने कहा कि बिछोर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

ब्रह्कुमारी के कार्यक्रम भाग लेतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

त्विक न्यूज

पंजाब में राष्ट्रपति शासन की चेतावनी को लेकर आप ने की राज्यपाल की आलोचना

चंडीगढ़। पंजाब मे सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्य मे राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करने की चेतावनी देने को लेकर राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि ऐसा मणिपुर और हरियाणा मे किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा अपनी चिट्ठियो का जवाब नही दिए जाने से निराश होकर पुरोहित ने आज चेतावनी दी कि वह राज्य मे संवैधानिक तंत्र के विफल होने की रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेज सकते है और फौजदारी प्रक्रिया भी शुरू कर सकते है। पुरोहित ने मान को सलाह दी कि इससे पहले कि वह संविधान के अनुच्छेद 356 और भारतीय दंड संहिता की धारा 124 के तहत अंतिम निर्णय ले , मुख्यमंत्री उचित कदम उठाएं। पंजाब मे आप के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने जोर दिया कि मान नीत सरकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर काम कर रही है और भाजपा पर आरोप लगाया कि वह गैर-भाजपा शासित राज्यो की सरकारो के कामकाज मे हस्तक्षेप करने का प्रयास कर रही है। कंग ने कहा, राज्यपाल को गरिमा बनाए रखनी चाहिए और अनुच्छेद 356 की धमकी नही देनी चाहिए।

अशोक लेलैंड मना रहा 75 साल का जश्न

कानपुर। अशोक लेलैंड के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए ड्रीम ड्राइव के हिस्से के रूप में अशोक लेलैंड का बॉस 1215 और बड़ा दोस्त वाहन कानपुर पहुंचे। जम्मू से यात्रा करते हुए वाहन वाराणसी की ओर जा रहा है। यह अभियान पंतनगर के मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट में समाप्त होगा। इस दौरान यह यात्रा लखनऊ को भी कवर करेगी। कुल 10 वाहनों के साथ ड्रीम ड्राइव देशभर में पांच अलग-अलग मार्गों पर भ्रमण कर रही है। बेंगलुरु, मुंबई,जम्मू, कोलकाता और डिब्रूगढ़ से शुरू होकरए यह अभियान देश भर के प्रमुख स्थानों से होकर गुजर रहा है और अशोक लेलैंड के मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट्स में समाप्त होगा। इस अभियान का उद्देश्य कई आयामों में राष्ट्र के साथ कंपनी के स्थायी संबंधों का जश्न मनाना है। साथ ही, अशोक लेलैंड अपने डीलरशिप के व्यापक नेटवर्क के साथ जुड़ेगा, अपने मूल्यवान ग्राहकों के साथ सीधा संबंध बनाएगा और वाणिज्यिक वाहन से संबन्धित अपने वर्षों के अनुभव के जरिये तमाम जानकारी एकत्र करेगा।

डीजीसीए ने आंतरिक सुरक्षा ऑडिट में खामियां पाई

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के दो सदस्यीय निरीक्षण दल ने एअर इंडिया के आंतरिक सुरक्षा ऑडिट मे खामियां पाई है और वह इस मामले की जांच कर रहा है। इस मामले मे संपर्क करने पर एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि नियामक तथा अन्य निकाय सभी एयरलाइंस का नियमित सुरक्षा ऑडिट करते है। उन्होने एक बयान मे कहा, एअर इंडिया अपनी प्रक्रियाओ को मजबूत करने तथा निरंतर उनका आकलन करने के लिए ऐसे ऑडिट मे सक्रिय रूप से शामिल रहता है। डीजीसीए के सौपी निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, एअरलाइन को केबिन सर्विलांस, माल, माल की ढुलाई (रैड और लोड) मे नियमित सुरक्षा जांच करनी थी लेकिन 13 सुरक्षा बिदुओ के निरीक्षण के दौरान दल ने पाया कि एअरलाइन ने सभी 13 मामलो मे झूठी रिपोर्ट तैयार की। दो सदस्यीय दल ने रिपोर्ट मे कहा, जब सीसीटीवी, रिकॉर्डिंग, ऑडिट करने वाले लोगो के बयानो, पाली रजिस्टर दस्तावेज, जीडी (सामान्य घोषणा) सूची, यात्री विवरण सूची से इसका मिलान किया गया तो यह समझा गया कि उपरोक्त 13 मौके पर की गई जांच मुंबई, गोवा और दिल्ली स्टेशनो मे की गई जबकि असल मे ऐसा नही किया गया था।

नवाचार से लोगों को और सुविधाएं मिलेंगी

नोएडा। स्मार्टफोन सेवा प्रदाता रियलमी ने अपनी हीरो नंबर सीरीज और एआईओटी सेगमेंट में चार अत्याधुनिक उत्पादो, रियलमी 11 5जी, रियलमी 11एक्स 5जी, रियलमी बड्स एयर 5 और रियलमी बड्स एयर 5 प्रो के लॉन्च की घोषणा की। इन अत्याधुनिक डिवाइसेज में उन्नत विशेषताओं और सहज डिज़ाइन का शानदार मिश्रण है, जो आपके अनुभव को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए बनायी गई हैं। लॉन्च के अवसर रियलमी के प्रवक्ता ने बताया कि रियलमी इनोवेशन में सबसे आगे रहता हैए और यूज़र्स को अत्याधुनिक तकनीक व विशेषताएँ प्रदान करता हैए जिनसे उन्हें शानदार यूजर अनुभव मिलता है। हम रियलमी 11 सीरीज 5जी और अपनी एआईओटी सीरीज में रियलमी बड्स एयर 5 सीरीज पेश करके बहुत उत्साहित हैं, जो इनोवेशन और उत्कृष्टता की ओर हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। ये चार बेहतरीन उत्पाद स्मार्टफोन और एआईओटी उद्योग में नए मानक स्थापित कर देंगे। इन डिवाइसेज में लीप,फॉरवर्ड विशेषताएँ और इनोवेटिव डिज़ाइन है, जो आपके अनुभव को नये आयाम में ले जाएँगे। इसके अलावा अपनी 5वीं वर्षगांठ के साथ हमने अपने ब्रांड को श्लीप अपश् पर केंद्रित किया हैए और अगले पांच वर्षों के लिए नो लीप नो लॉन्च् की उत्पाद नीति बनायी है।

मप्रः गलत इंजेक्शन से 16 वर्षीय लड़के की मौत, अस्पताल में चिता तैयार करने की कोशिश

इंदौर (मध्यप्रदेश), 25 अगस्त (भाषा) कान के ऑपरेशन के बाद गलत इंजेक्शन से 16 वर्षीय लड़के की मौत का आरोप लगाते हुए उसके परिजनो ने इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के परिसर मे ही शुक्रवार को उसकी चिता तैयार करने की कोशिश की। चश्मदीदो ने यह जानकारी दी। संयोगितागंज पुलिस थाने के प्रभारी विजय तिवारी ने बताया कि पीयूष कश्यप उर्फ प्रेम (16) की शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) मे कान के ऑपरेशन के बाद बृहस्पतिवार को मौत हो गई थी। कश्यप के परिजनो का आरोप है कि 11वी के छात्र की मौत कान के ऑपरेशन के बाद गलत इंजेक्शन लगाए जाने के कारण हुई। उधर, एमवाईएच के कान, नाक और गला (ईएनटी) विभाग की ओर से जारी बयान मे कहा गया कि कश्यप के कान का ऑपरेशन सफल रहा था और उसके इलाज मे कोई लापरवाही नही की गई थी। चश्मदीदो ने बताया कि कश्यप के परिजनो ने एमवाईएच परिसर मे उस समय लकड़ी और उपले एकत्र करके उसकी चिता तैयार करने की कोशिश की, जब एक निजी अस्पताल मे उसके शव का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा था। हालांकि, इससे पहले कि लड़के का शव वहां पहुंचता, पुलिस ने आक्रोशित लोगो को समझा-बुझाकर विरोध-प्रदर्शन समाप्त करा दिया।

बजाज का फिक्स्ड डिपॉजिट 50,000 करोड के पार

पुणे। भारत की लीडिंग और डाइवर्सिफाइड नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों में शामिल, बजाज फिनसर्व ग्रुप की कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा है कि उसकी फिक्स्ड डिपॉजिट बुक ने 50,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। बजाज फाइनेंस में 5 लाख जमाकर्ता डिपॉजिटर्स हैं, हर जमाकर्ता ने 2.87 डिपॉजिट्स रखी हैं, यानी कुल मिलाकर 1.4 मिलियन डिपॉजिट्स हैं। बजाज फाइनेंस को अपने लॉन्ग टर्म डेट प्रोग्राम दीर्घकालिक उधारी कार्यक्रम के लिए केयर और इंडिया रेटिंग्स से हाइएस्ट क्रेडिट रेटिंग स्टेबल, अपने शॉर्ट टर्म डेट प्रोग्राम अल्पकालिक उधारी कार्यक्रम के लिए इंडिया रेटिंग्स से रेटिंग और अपने फिक्स्ड डिपॉजिट प्रोग्राम के लिए स्टेबल की रेटिंग मिली है। बजाज फाइनेंस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट. फिक्स्ड डिपॉजिट एंड इन्वेस्टमेंट सचिन सिक्का ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर लॉन्गस्टर्म सेविंग्स समाधान पेश करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारे फिक्स्ड डिपॉजिट पोर्टफोलियो की तेज ग्रोथ रही हैए जो पिछले 2 सालों में दोगुनी हो गई है। यह बजाज फिनसर्व ब्रांड में ग्राहकों के भरोसेए डिजिटल रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट की बुकिंग में आसानी और हमारी देशव्यापी उपस्थिति को दर्शाता है। कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट पर 12 महीने की अवधि के लिए 7.40 प्रतिशत और 24 महीने के लिए 7.55 की ब्याज दरें ऑफर कर रही है।

लद्दाख की जनता के मुद्दों को संसद में उठाऊंगा, उनकी राजनीतिक आवाज दबाई जा रही है : राहुल

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लद्दाख के लोगों के मुद्दों को संसद में उठाने का शुक्रवार को संकल्प जताया और आरोप लगाया कि उनकी (लद्दाख के लोगों की) राजनीतिक आवाजै को दबाया जा रहा है और रोजगार को लेकर केंद्र सरकार के वादे झूठे निकले हैं। गांधी पिछले एक सप्ताह से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के दौरे पर हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम पर परोक्ष तौर पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं लद्दाख के कोने-कोने में गया और युवाओं, माताओं-बहनों और ग़रीब लोगों से बात की। दूसरे नेता हैं जो सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, मैं आपके मन की बात सुनना चाहता हूं। गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए पोस्ट में कहा, चीन ने हिंदुस्तान की हज़ारों किलोमीटर जमीन छीन ली है। प्रधानमंत्री इस बात को नकार कर झूठ बोल रहे हैं, ए लद्दाख का हर व्यक्ति जानता है। उन्होंने कहा, लद्दाख के मुख्य मुद्दे हैं - यहां के लोगों की राजनीतिक आवाज़ दबाई जा रही है, रोज़गार के लिए सरकार के सभी वादे झूठे निकले और, मोबाइल नेटवर्क और हवाई संपर्क की कमी। अगले सत्र में, इन सभी मुद्दों को संसद में उठाऊंगा। इस स्वागत और मोहब्बत के लिए, लद्दाख को बहुत बहुत धन्यवाद। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाते हुए राहुल गांधी लद्दाख के लोगों से मिले। यात्रा की भावना के अनुरूप उन्होंने उनकी (लद्दाख के लोगों की) मन की बातें सुनीं।

अपराध के खिलाफ कार्रवाई में राजस्थान पूरे देश में अव्वल: गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि अपराधो के खिलाफ कार्रवाई (रेस्पॉन्स टाइम) मे राजस्थान पूरे देश मे अव्वल है। उन्होने कहा कि सरकार के नवाचारो से राज्य मे अपराधो पर नियंत्रण हुआ है और फरियादी को राहत मिली है। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता इस मुद्दे पर राजस्थान को पूरे देश मे बदनाम कर रहे है, जबकि हकीकत दूसरी है। गहलोत ने यहां पुलिस मुख्यालय मे एक बैठक मे पुलिस विभाग की समीक्षा की। उन्होने कहा कि मिशन-2030 के तहत वर्ष 2030 तक के लिए पुलिस विभाग का रोडमैप तैयार किया जाएगा। बैठक के बाद उन्होने संवाददाताओ से कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली मे कई नवाचार किए गए है और इन नवाचार के आधार पर राजस्थान आज देश मे एक मॉडल बन गया है, यहां अपराधो पर नियंत्रण हुआ है और फरियादी को राहत मिली है। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक मे बताया गया कि अपराध के मामलो मे लगने वाले औसत समय मे निरंतर कमी आ रही है।

कानून मंत्री ने आपराधिक कानून में आमूल-चूल बदलाव को उचित ठहराया

भाषा। नई दिल्ली

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए विधेयक लाकर आपराधिक कानूनों में आमूल-चूल बदलाव लाने को शुक्रवार को उचित ठहराया और कहा कि ए कानून अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर थोपे गए थे।मेघवाल ने अपने मंत्रालय की टेली लॉ योजना पर यहां एक कार्यक्रम में कहा, जब हम अमेरिका और ब्रिटेन में दी जा रही प्रो बोनो सेवाओं (वकीलों द्वारा मुफ्त कानूनी मदद) का उल्लेख करते हैं, तो हम यह भूल जाते हैं कि भारत भी ऐसे ही मॉडल का अनुसरण करता रहा है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमारी मानसिकता ऐसी है कि हम मानते हैं कि अगर वहां हो रहा है, तो वह अच्छा ही होगा। उन्होंने कहा, इसलिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आश्चर्य हुआ कि क्या हम भारतीयता के आधार पर काम कर सकते हैं। मेघवाल ने कहा कि इसके आधार पर, गृहमंत्री अमित शाह द्वारा पेश किए गए विधेयकों के माध्यम से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य अधिनियम में सुधार के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया है।उन्होंने कहा, हम इसे भारतीय न्याय संहिता क्यों नहीं कह सकते? उन्होंने तर्क दिया कि जिसे हम 1857 में भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम कहते हैं, उसे अंग्रेजों ने विद्रोह कहा था। मेघवाल ने कहा, जब भारत में प्रत्यक्ष ब्रिटिश शासन शुरू हुआ, तो उन्होंने कानूनों को संहिताबद्ध करना शुरू किया। 1834 में, आयरिश दंड संहिता बनाई गई थी। उन्होंने आयरिश को इंडियन से बदल दिया और हम पर लागू किया, बल्कि इसे हम पर थोप दिया।

झारखंडः स्कूल की छत से गिरी नाबालिग छात्रा, हालत गंभीर

रांची,। झारखंड के रांची जिले मे शुक्रवार को एक निजी स्कूल की छत से कथित तौर पर गिरने के बाद कक्षा 6 मे पढ़ने वाली एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना राज्य की राजधानी रांची से लगभग 11 किलोमीटर दूर तुपुदाना पुलिस थाना क्षेत्र के हुलहुंडू मे हुई।तुपुदाना थाने के प्रभारी मीरा सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि लड़की को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) मे उसका इलाज किया जा रहा है।सिंह ने कहा, वह वेंटिलेटर पर है और उसकी हालत गंभीर है। उसका इलाज कर रहे डॉक्टर ने कहा, 11 साल की लड़की की कई हड्डियां टूट गईं और उसके चेहरे पर भी चोट आई है।

कार्तिक ब्राण्ड अम्बेसडर

नई दिल्ली। डाबर इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में युवाओं के पसंदीदा अभिनेता कार्तिक आर्यन को डाबर रैड बे फ्रैश जैल के लिए ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया है। डाबर ने दुनिया के नंबर 1 आयुर्वेदिक टूथपेस्ट ब्राण्ड डाबर रैड का विस्तार करते हुए नए जैल टूथपेस्ट, डाबर रैड बे फ्रैश जैल का लॉन्च किया है। मदर ब्राण्ड डाबर रैड पहले से देश के हर 3 में से 1 परिवार में मौजूद है, ऐसे में नए जैल टूथपेस्ट के लिए कार्तिक आर्यन को ब्राण्ड अम्बेसडर के रूप में साईन करने से खासतौर पर युवा भारतीयों में ब्राण्ड की पहुंच और भी मजबूत होगी। ब्राण्ड जनरेशन ज़ी एवं मिलेनियल्स आज की पीढ़ी के युवाओं को ध्यान में रखते हुए एक कैंपेन भी लेकर आया है। ओगिल्वी इंडिया द्वारा तैयार किया गया यह कैंपेन दर्शकों को संदेश देगा कि किस तरह ओरल हाइजीन मुंह की सफाई आपका आत्मविश्वास बढ़ा देती है।

महिंद्रा ने भी ई-रिक्शा उतारा

मुंबई। भारत की सर्वश्रेष्ठ' इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर कंपनी महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी ने अपनी इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहन की लाइन अप में महिंद्रा ई.अल्फा सुपर को लॉन्च किया है। यह नया ई रिक्शा महिंद्रा ब्रांड की विश्वसनीयता के साथ अपनी उच्चतम रेंज, श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा और आराम की सुविधाओं के साथ ड्राइवर साथियों के लिए सबसे बेहतर स्वरोजगार विकल्प बनेगी। ई अल्फा सुपर की प्रमुख विशेषताओं में से एक है इसकी अधिक रेंज जो एक चार्ज पर 95 किलोमीटर होती है, जिसे महिंद्रा द्वारा व्यापकड्राइविंग टेस्टिंग्स के माध्यम से प्राप्त किया गया है। इससे ड्राइवरों को अपनी कमाई को अधिकतम करने में मदद मिलती है।

सिक्किम में भारी बारिश के कारण कई स्थान में भूस्खलन , एक व्यक्ति की मौत

गंगटोक। सिक्किम में भारी बारिश के कारण शुक्रवार को कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ,जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान अभियान छेत्री के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि ग्यालशिंग जिले के लोअर लुंगजिक गांव में भूस्खलन में फंसने से उनकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने छेत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया। अधिकारियों ने कहा कि जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवार को चार लाख रुपए अनुग्रह राशि के तौर पर दिए हैं। उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपए भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भारी बारिश से सोरेंग जिले में जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहां भूस्खलन से कई सड़कें, घर क्षतिग्रस्त हो गए साथ ही पानी और बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि बचाव एवं राहत कार्य जारी हैं, प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित लोगों को राशन और तिरपाल मुहैया कराया गया है। जिलाधिकारी भीम थाटल ने पंचायत सदस्यों से मुलाकात की और भूस्खलन से प्रभावित लोगों से भी बातचीत की। अधिकारियों के अनुसार नामची जिले से भी भूस्खलन की सूचना है और घरों तथा फसलों को नुकसान पहुंचा है।

अंडमान-निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव को जमानत देने के आदेश में हस्तक्षेप से शीर्ष न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बलात्कार के एक मामले में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण को जमानत देने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति ए. अमानुल्लाह की पीठ ने निर्देश दिया कि निचली अदालत बिना किसी अनुचित स्थगन के मामले की सुनवाई तेजी से आगे बढ़ाएगी। न्यायालय ने बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुनाया, जिसे शुक्रवार को शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। शिकायतकर्ता महिला और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन पर होगी। शीर्ष अदालत ने नारायण को जमानत देने के कलकत्ता उच्च न्यायालय की पोर्ट ब्लेयर सर्किट पीठ के 20 फरवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

रक्षा मंत्रालय ने पांच बेड़ा सहायक पोत हासिल करने के लिए एचएसएल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए पांच बेड़ा सहायक पोत (एफएसएस) हासिल करने के लिए हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) के साथ 19,000 करोड़ रुपए के अनुबंध पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बताया कि 44,000 टन के बेड़ा सहायक पोत भारतीय शिपयार्ड द्वारा भारत में निर्मित होने वाले अपनी तरह के पहले जहाज होंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह परियोजना रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक होगी, क्योंकि एचएसएल, विशाखापत्तनम स्वदेशी रूप से इन जहाजों की डिजाइनिंग और निर्माण करेगा। मंत्रालय ने कहा, रक्षा मंत्रालय ने 25 अगस्त को भारतीय नौसेना के लिए लगभग 19,000 करोड़ रुपए की कुल लागत से पांच बेड़ा सहायक पोत (एफएसएस) के अधिग्रहण के लिए एचएसएल, विशाखापत्तनम के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने बताया कि मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने 16 अगस्त को अपनी बैठक में इन जहाजों के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। मंत्रालय के अनुसार, एफएसएस को ईंधन, पानी, गोला-बारूद और भंडार के साथ समुद्र में जहाजों को फिर से भरने के लिए नियोजित किया जाएगा, जिससे भारतीय नौसेना के बेड़े को बंदरगाह पर लौटने के बिना लंबे समय तक संचालित करने में सक्षम बनाया जा सके। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ए जहाज बेड़े की रणनीतिक पहुंच और गतिशीलता को बढ़ाएंगे। इन जहाजों के शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री क्षमता में काफी वृद्धि होगी। मंत्रालय के अनुसार, जहाजों को लोगों को बचाने और मानव सहायता व आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों के लिए भी तैनात किया जा सकता है।

शाह के साथ बैठक में कुकी से शांति वार्ता के लिए प्रोत्साहित किया गया: मणिपुर का स्थानीय संगठन

भाषा। इंफाल

मणिपुर की अखंडता पर समन्वय समिति(सीओसीओएमआई) ने शुक्रवार को कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक बैठक के दौरान उसके पदाधिकारियों को कुकी समुदाय के साथ शांति वार्ता शुरू करने को प्रोत्साहित किया गया। सीओसीओएमआई इंफाल के नागरिक समाज से जुड़े कई संगठनों का समूह है।संगठन ने कहा कि उसके प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में शाह से मुलाकात की और इस दौरान जातीय हिंसा से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत हुई। सीओसीओएमआई ने एक बयान में कहा कि शाह के आवास पर बैठक के बाद उसके नेताओं ने मंत्री के निर्देशानुसार खुफिया ब्यूरो के शीर्ष अधिकारियों से भी बातचीत की। बयान में कहा गया, सीओसीओएमआई को कुकी समुदाय के नेताओं तथा समूहों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि समस्या को हल किया जा सके और शांति बनाई जा सके। शाह के साथ पूर्वोत्तर राज्य में घुसपैठ रोकने के कदम जैसे सीमा पर बाड़बंदी, मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता और यह सुनिश्चित करना कि आवश्यक वस्तुएं लोगों के सभी वर्गों तक पहुंचें, जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। संगठन की ओर से जारी बयान में कहा गया, केन्द्रीय गृह मंत्री ने मणिपुर में घुसपैठ के सभी रूपों पर कड़ा रुख अपनाया। प्रवासियों के पंजीकरण के लिए आंखों की पुतली के स्कैन सहित बायोमेट्रिक्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। संगठन ने कहा कि मणिपुर में पृथक प्रशासनों की मंजूरी नहीं दी जाएगी। मणिपुर में चिन-कुकी-मिज़ो-ज़ोमी समूह के दस आदिवासी विधायकों ने मेइती और आदिवासियों के बीच हिंसक झड़पों के मद्देनजर केंद्र से उनके समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन बनाने का आग्रह किया है। विधायकों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सात नेता शामिल हैं। संगठन ने कहा, राज्य में आवागमन तथा आवश्यक वस्तुओं का वितरण समुदायों के दोनों पक्षों के सहयोग से ही संभव हो सकेगा। राजमार्गों को सुरक्षित करने के लिए काफिले की आवश्यक तैनाती कुछ दिनों में सुनिश्चित की जाएगी। बयान में कहा गया, गृह मंत्री ने राज्य में शांति की अपील की और सीओसीओएमआई से इस संदेश को जनता तक पहुंचाने का अनुरोध किया। बहुसंख्यक मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने पर राज्य में तीन मई को पहली बार जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

कावेरी नदी से 24 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने की तमिलनाडु की याचिका पर आदेश देने से न्यायालय का इनकार

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने खड़ी फसलों की सिंचाई के लिए कर्नाटक से प्रतिदिन 24,000 क्यूसेक कावेरी नदी का जल छोड़े जाने संबंधी तमिलनाडु सरकार की याचिका पर कोई आदेश देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा की पीठ ने कर्नाटक द्वारा छोड़े गए पानी की मात्रा पर कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) से रिपोर्ट मांगी। पीठ ने ऐसा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा यह सूचित किए जाने के बाद किया कि प्राधिकरण की एक बैठक सोमवार को निर्धारित है। न्यायालय ने कहा, हमारे पास इस मामले में कोई विशेषज्ञता नहीं है। एएसजी ने बताया है कि प्राधिकरण अगले पखवाड़े के लिए पानी छोड़ने पर निर्णय लेने के वास्ते सोमवार को बैठक करने वाला है। पीठ ने यह भी कहा, हमें लगता है कि यह उचित होगा कि सीडब्ल्यूएमए इस पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे कि पानी छोड़े जाने के लिए जारी निर्देशों का पालन किया गया है या नहीं। कर्नाटक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि यह राज्य सरकार के लिए एक संकटपूर्ण वर्ष रहा है, क्योंकि इस बार बारिश कम हुई है, इसलिए तमिलनाडु को कम पानी छोड़ा जाना अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूएमए द्वारा निर्धारित पानी पहले ही छोड़ा जा चुका है, लेकिन इसे तमिलनाडु तक पहुंचने में तीन दिन लगते हैं। तमिलनाडु की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि सीडब्ल्यूएमए के आदेशों के बावजूद निचले तटीय राज्य को पानी उपलब्ध नहीं कराया गया है। अब इस मामले में एक सितम्बर को सुनवाई होगी।

एशियाई खेलों में 634 एथलीट भेजेगा भारत

बजरंग सूची में शामिल, खेल मंत्रालय ने दी मंजूरी, 23 सितंबर से शुरू होंगे मुकाबले

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने 23 सितंबर से शुरु होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को रिकॉर्ड 634 भारतीय खिलाड़ियों को मंजूरी दी। पिछले 2018 जकार्ता एशियाड में भारत के 572 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए 850 खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की थी। ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा का 65 खिलाड़ियों का दल सबसे बड़ा है जिसमें 34 पुरुष और 31 महिलाएं शामिल हैं। एशियाई खेलों की 38 स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों को चुना गया है जिसमें कुल 44 फुटबॉलर (22 पुरुष और इतनी ही महिला) शामिल हैं। हॉकी का दल तीसरे नंबर पर है जिसमें 36 खिलाड़ी शामिल हैं। मंत्रालय ने पुरुष और महिला वर्ग से 18-18 खिलाड़ी चुने हैं। पुरुष और महिला क्रिकेट टीम में 15-15 सदस्य मौजूद हैं। निशानेबाजी में भारत निरंतर शानदार प्रदर्शन करता रहा है जिसमें 30 सदस्यीय दल हांगझोउ में निशाना लगाएगा और नौकायन से 33 खिलाड़ियों को मंजूरी मिली है। मंत्रालय ने भारोत्तोलन, जिम्नास्टिक्स, हैंडबॉल और रग्बी में किसी भी पुरुष खिलाड़ी को जगह नहीं दी है। कुराश (मार्शल आर्ट) और भारोत्तोलन (दोनों महिलाएं) में दो खिलाड़ियों को मंजूरी मिली है जबकि सूची में एक ही जिम्नास्ट शामिल है। मंत्रालय ने आईओए के तदर्थ पैनल के पहलवान बजरंग पूनिया (65 किग्रा) के नाम की सिफारिश के फैसले के अनुसार चलते हुए उनका नाम सूची में शामिल किया है। बजरंग पिछले महीने एशियाड ट्रायल्स खेले बिना टीम में चुने गए। विशाल कालीरमन इस वजन वर्ग में ट्रायल्स में विजेता रहे थे और उन्होंने मंत्रालय ने अपना नाम इसमें शामिल करने की अपील की है। बजरंग ने हालांकि संकेत दिया है कि वह एशियाई खेलों से हट सकते हैं, अगर खाप पंचायत उन्हें ऐसा करने के लिए कहेगी। पहलवान अंतिम पंघाल (53 किग्रा) का नाम सूची में शामिल है क्योंकि 2018 जकार्ता एशियाड स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट ने घुटने की चोट के कारण हटने का फैसला किया जिन्हें ट्रायल्स में छूट देते हुए सीधे प्रवेश दिया गया था। भारतीय शतरंज खिलाड़ी कोनेरु हम्पी शतरंज की मजबूत टीम का हिस्सा हैं जिसमें डी हरिका और आर प्रज्ञानानंदा शामिल हैं। 2006 में दो एशियाड स्वर्ण पदक विजेता हम्पी ने साल के शुरू में संकेत दिया था कि वह शायद इस महाद्वीपीय टीम का हिस्सा नहीं हों।

खेल मंत्रालय ने तेजस्विन शंकर के लिए पोल वॉल्ट लैंडिंग पिट खरीदने को मंजूरी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने आगामी एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रमंडल पदक विजेता तेजस्विन शंकर की तैयारी को लेकर यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में पोल वॉल्ट लैंडिंग पिट खरीदने के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। हांगझोउ एशियाई खेलों में ऊंची कूद और डेकाथलन के लिए क्वालीफाई कर चुके शंकर 23 सितंबर से शुरू हो रहे खेलों तक अकेले इसका इस्तेमाल करेंगे। उसके बाद जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में अभ्यास करने वाले सभी खिलाड़ी इसका प्रयोग कर सकेंगे। मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इसे खरीदने और लाने की लागत टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत वहन की जाएगी। तेजस्विन के अलावा एमओसी ने पिस्टल निशानेबाज राही सरनोबत को ब्राजील के रियो दि जिनेरियो में अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी है। राही दो से 19 सितंबर से रियो में खेली जाने वाली आईएसएसएफ विश्व कप में भाग लेंगी। टॉप्स के तहत उनका और उनकी फिजियोथेरेपिस्ट ऐश्वर्या देशपांडे का हवाई किराया, रहने और खाने का खर्च, स्थानीय यातायात, राही की रेंज और प्रशिक्षण की फीस, हथियार संग्रहण की फीस, वीजा और बीमा की फीस वहन की जाएगी। इसी के अलावा निशानेबाज इलावेनिल वालारिवान की भी रियो विश्व कप में भागीदारी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। राही और निशानेबाज अभिज्ञा पाटिल के यूरोप में प्रशिक्षण को भी स्वीकृति मिल गई है।

विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल में शीर्ष पर रही अंतिम, दिव्या व सरिता ने की शानदार वापसी

भाषा। पटियाला

अंतिम पंघाल ने शुक्रवार को पटियाला में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ट्रायल जीतकर एक बार फिर देश के शीर्ष पहलवानों में से एक के रूप में उभरने की पुष्टि की, जबकि दिव्या काकरान और सरिता मोर ने एशियाई खेलों के ट्रायल में हार की निराशा से उबरते हुए वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की की। अंतिम (53 किग्रा) हाल ही में अम्मान (जॉर्डन) में अंडर 20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थी। उसने पिछले महीने एशियाई खेलों का ट्रायल भी जीता था। ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में मंजू, पूजा जाट और रजनी ने भी चुनौती पेश की थी लेकिन 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाले विश्व चैंपियनशिप के लिए अंतिम ने बाजी मारी विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सरिता ने पिछले महीने एशियाई खेलों के 57 किग्रा में ट्रायल में अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मानसी अहलावत से मिली अप्रत्याशित हार के बाद यहां शानदार वापसी करते हुए विश्व चैम्पियनशिप का ट्रायल जीतकर टीम में जगह भी पक्की कर ली। पिछले महीने के एशियाई खेलों के ट्रायल के दौरान 68 किग्रा से 76 किग्रा में किस्मत आजमाने वाली काकरान को एशियाई खेलों के ट्रायल में निराशा हाथ लगी थी। उन्होंने हालांकि इस वर्ग में रेलवे की पहलवान किरण को पटखनी देकर हिसाब बराबर किया। किरण ने एशियाई खेलों के ट्रायल में काकरान को हराया था। अम्मान में आयोजित अंडर 20 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता अंतिम कुंडू ने भी 65 किग्रा वर्ग में बेलग्रेड स्पर्धा के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया। इस भार वर्ग में सारिका, मोनिका और रविता ने भी चुनौती पेश की थी। सभी भार वर्गों में फ्री-स्टाइल टीम के चयन के लिए ट्रायल शनिवार को होंगे। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया। अगर यह प्रतिबंध नहीं हटा तो भारतीय पहलवान तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू के बैनर तले चुनौती पेश करेंगे।

चयन ट्रायल को जीतने वाले पहलवान- ग्रीको-रोमन शैली: 55 किग्रा - अजय, 60 किग्रा - मनीष, 63 किग्रा- विक्रम, 67 किग्रा - विनायक, 72 किग्रा - अंकित गुलिया, 77 किग्रा- गुरप्रीत सिंह, 82 किग्रा- साजन, 87 किग्रा- मनोज कुमार, 97 किग्रा- शैलेंद्र, 130 किग्रा- मेहर सिंह (एसएसबीसी)। महिला फ्रीस्टाइल: 50 किग्रा - नीलम, 53 किग्रा अंतिम, 55 किग्रा- नेहा, 57 किग्रा- सरिता, 59 किग्रा- अंजलि, 62 किग्रा- मनीषा, 65 किग्रा- अंतिम, 68 किग्रा- प्रियंका, 72 किग्रा- ज्योति बेरवाल, 76 किग्रा- दिव्या काकरान।

अमेच्योर अवनि स्वीडन में टूर्नामेंट में शीर्ष दस में

टूर (स्वीडन)। एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारत की अमेच्योर गोल्फर अवनि प्रशांत ने लेडीज यूरोपीय टूर के एक्सेस टूर पर शीर्ष दस में प्रवेश कर लिया। अवनि ने 71 के बाद 72 स्कोर करके संयुक्त नौवां स्थान हासिल किया। अमिता सतीश और विदात्री उर्स कट में प्रवेश नहीं कर सकी। अवनि, अदिति अशोक और प्रणवी उर्स हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

गंडास की प्राग में अच्छी शुरुआत

प्राग। भारत के मनु गंडास ने डी प्लस डी रीयल चेक मास्टर्स गोल्फ के पहले दौर में छह अंडर 66 स्कोर करके संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। डीएलएफ अकादमी से निकले गंडास 2022 में इंडियन पीजीटीआई टूर पर शीर्ष रहे थे। वह शीर्ष पर काबिज सी वालीमार्चे से तीन शॉट पीछे है। इस टूर्नामेंट में वह अकेले भारतीय गोल्फर है।

लाहिड़ी, अहलावत को पहले दौर के बाद बढ़त

सेंट एंड्रयूज (स्कॉटलैंड)। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी और वीर अहलावत ने यहां पहली सेंट एंड्रयूज बे गोल्फ चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन छह अंडर 66 के स्कोर के साथ संयुक्त बढत बना ली है। लिव सीरिज मे दूसरे स्थान पर रहे लाहिड़ी के साथ अहलावत, चिली के मिटो परेरा, स्पेन के डेविड पुइग, दक्षिण अफ्रीका के जाको अहलर्स , आस्ट्रेलिया के एंड्रयू डॉट शीर्ष पर है। भारत के विराज मडप्पा संयुक्त सातवे, एसएसपी चौरसिया और गगनजीत भुल्लर संयुक्त 23वे , राहिल गंगजी, राशिद खान और अजितेष संधू संयुक्त 34वे स्थान पर है।

लिनू ने गार्शिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

क्लीवलैंड। चीन के जिन जू ने फ्रांस की शीर्ष वरीयता प्राप्त कैरोलिन गार्शिया को 6-4, 6-। से हराकर क्लीवलैंड टेनिस के सेमीफाइनल मे प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर काबिज जू ने अब तक तीन दौर मे एक भी सेट नही गंवाया। चौथी वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा का सामना सेमीफाइनल मे जू से होगा। उन्होने शिन्यू वांग को 5-7, 6-2, 7-5 से हराकर अंतिम चार मे जगह बनाई।

स्पेन महिलाओं की फीफा रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचा, स्वीडन शीर्ष पर

ज्यूरिख। फीफा महिला विश्व कप विजेता टीम स्पेन शुक्रवार को जारी ताजा रैंकिंग मे दूसरे स्थान पर पहुंच गई जबकि अमेरिका ने छह साल से ज्यादा समय में पहली बार शीर्ष स्थान गंवा दिया। सेमीफाइनल मे स्पेन से हारने वाली स्वीडन की टीम रैंकिंग मे पहले स्थान पर काबिज है। फीफा ने कहा कि चार पायदान चढने वाला स्पेन पहले स्थान पर पहुंच सकता था लेकिन उसने जापान से ग्रुप चरण मे मिली 0-4 की हार से रैंकिंग अंक गंवा दिए। अमेरिकी महिला फुटबॉल टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई। दो बार की गत विश्व कप चैम्पियन टीम प्री क्वार्टर में स्वीडन से हार गई थी।

ईस्ट बंगाल डूरंड कप के सेमीफाइनल में

कोलकाता। जॉर्डन एल्सी के शानदार गोल और अमिनोउ बाउबा के आत्मघाती गोल की मदद से ईस्ट बंगाल शुक्रवार को यहां डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में गोकुलम केरल को 2-। से हराने में सफल रहा। ईस्ट बंगाल अब मंगलवार को सेमीफाइनल मे अपने इंडियन सुपर लीग की एक अन्य टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से भिड़ेगा।ईस्ट बंगाल ने मैच के ईस्ट बंगाल ने शुरुआती मिनट मे ही गोल कर गोकुलम को चौका दिया। बोर्जा हेररा के कॉर्नर किक को जेवियर सिवरियो ने बॉक्स के किनारे भेजा।

आईओए ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू से डब्ल्यूएफआई के निलंबन को स्थगित रखने का अनुरोध किया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को यूडब्ल्यूडब्ल्यू से डब्ल्यूएफआई का निलंबन को स्थगित रखने का अनुरोध किया और कहा कि वह चुनावी प्रक्रिया फिर से शुरू करने के प्रयास कर रहा है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने समय पर चुनाव न कराने के कारण भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया था। इस पत्र पर आईओए अध्यक्ष पीटी उषा, महासचिव कल्याण चौबे और तदर्थ पैनल प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा के हस्ताक्षर हैं। उसने कैसे समय पर चुनाव कराने के प्रयत्न किए लेकिन कई राज्य संस्थाओं के प्रतिद्वंद्वी गुटों में विवाद के कारण अदालत में दायर कई मामलों के कारण देरी हुई। आईओए ने कहा कि उसकी कोशिश चुनाव पर लगी रोक को हटवाने की है। चुनाव से एक दिन पहले पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने गैर मान्यता प्राप्त हरियाणा कुश्ती संघ की याचिका पर 12 अगस्त को निर्धारित चुनावों पर रोक लगा दी।

नीरज पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

विश्व चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचे

भाषा। बुडापेस्ट

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने यहां विश्व चैम्पियनशिप भालाफेंक स्पर्धा में शुक्रवार को पहले ही प्रयास में 88 . 77 मीटर का थ्रो फेंककर फाइनल में प्रवेश किया और इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। चोपड़ा के साथ ही भारत के डी पी मनु (81.31 मीटर) और किशोर जेना (80.55 मीटर) ने भी फाइनल में जगह बना ली। विश्व चैम्पियनशिप में पहली बार किसी स्पर्धा के फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी नजर आएंगे। तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चोपड़ा ने कैरियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। वह क्वालिफिकेशन दौर में ग्रुप ए में थे। पेरिस ओलंपिक का क्वालीफाइंग मानक 85 . 50 मीटर था। क्वालीफाइंग विंडो एक जुलाई से खुली है। चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में क्वालीफाई करने के बाद आगे कोई थ्रो नहीं फेंका। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो 89 . 94 मीटर है जो उन्होंने 30 जून 2022 को स्टॉकहोम डायमंड लीग में फेंका था। उन्होंने अमेरिका के यूजीन में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था।फाइनल रविवार को होगा। चोपड़ा ने कहा, अभ्यास के दौरान मुझे लगा कि मैं पहले ही थ्रो में यह कर सकता हूं। भाला फेंकते हुए अच्छा महसूस हुआ और नतीजा भी संतोषजनक था। मैं फाइनल के लिए ऊर्जा बचाने में सफल रहा क्योंकि मैंने 90 प्रतिशत प्रयास से ही यह थ्रो फेंका था। मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन ने कहा, मैं निश्चित रूप से फाइनल में सर्वस्व दूंगा क्योंकि मैं विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक भी जीतना चाहता हूं। भारत के डी पी मनु 81 . 31 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर ग्रुप में तीसरे और कुल छठे स्थान स्थान पर रहे। उन्होंने जुलाई में एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। जेना ग्रुप बी में पांचवें और कुल नौवें स्थान पर रहे। पहली बार विश्व चैम्पियनशिप खेल रहे जेना का वीजा पहले दिल्ली में हंगरी के दूतावास ने खारिज कर दिया था लेकिन अगले दिन उन्हें वीजा मिल गया। भारतीय टीम के साथ गए एक कोच ने कहा , पहली बार विश्व चैम्पियनशिप में तीन भारतीयों ने एक स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई है। भारतीय भालाफेंक के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। भारत ने पहली बार 1983 में विश्व चैम्पियनशिप में भाग लिया था। क्वालीफाइंग दौर में प्रत्एक प्रतियोगी को तीन मौके मिलते हैं। पाकिस्तान के अरशद नदीम 86 . 79 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। जर्मनी के जूलियन वेबर 82 . 39 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर ग्रुप ए में दूसरे और कुल चौथे स्थान पर रहे। गत चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 78 . 49 मीटर का थ्रो फेंककर ग्रुप ए में सातवें और कुल 16वें स्थान पर रहे। चोपड़ा ने अभी तक विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण नहीं जीता है। क्वालीफाइंग दौर के प्रदर्शन को देखते हुए इस बार इसकी प्रबल संभावना दिख रही है। चोपड़ा के प्रदर्शन ने तोक्यो ओलंपिक 2021 के उनके प्रदर्शन की याद दिला दी। उस समय भी उन्हें फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए एक ही थ्रो लगा था। उन्होंने तब 86 . 65 मीटर का थ्रो फेंका था। उस समय स्वत: क्वालीफाई करने का मार्क 83 . 50 मीटर था। बाद में उन्होंने 87 . 58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता।

प्रज्ञानानंदा और गुकेश बिखेर रहे चमक, भारत में शतरंज प्रतिभाओं की भरमार

चेन्नई। लंबे समय तक पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद भारतीय शतरंज के एकमात्र ध्वजवाहक हुआ करते थे जो अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को हैरान करते रहे थे। लेकिन पिछले करीब एक दशक मे चीजो मे काफी बदलाव आया है और भारतीय शतरंज मे ऐसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे है जो दुनिया मे देश का नाम रोशन कर रहे है। देश से निकल रहे इतने ग्रैंडमास्टर्स को देखते हुए आनंद ने भी कहा कि मौजूदा पीढ़ी भारतीय शतरंज की स्वर्णिम पीढ़ी है। चार भारतीय खिलाड़ी - आर प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगेसी, डी गुकेश और विदित संतोष गुजराती - बाकू मे फिडे विश्व कप के क्वार्टरफाइनल मे पहुंचे जो देश के लिए ऐसे खेल मे पहली बार हुआ जिसमे लंबे समय तक सोवियत संघ और बाद मे रूस का दबदबा रहा है। प्रज्ञानानंदा चमकदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कप के फाइनल मे पहुंचे, वह आनंद के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने। इस तरह उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए अपना स्थान भी पक्का किया जिससे तय होगा कि मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को कौन चुनौती देगा। प्रज्ञानानंदा ने फाइनल से पहले दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा और तीसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारूआना को पराजित किया। प्रज्ञानानंदा(18), गुकेश (17) और एरिगेसी (19) की तिकड़ी को नेतृत्वकर्ता कहा जा सकता है। प्रज्ञानानंदा की उपलब्धियां सभी देख चुके है, गुकेश पिछले साल मे बेहतर से बेहतर हो रहे है और एरिगेसी का खेल भी काफी बेहतर हो गया है। प्रज्ञानानंदा अमेरिका के महान खिलाड़ी बॉबी फिशर और नार्वे के मैग्नस कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे युवा खिलाड़ी बन गए है।

भारत में शतरंज का मजबूत इको सिस्टम बनाने की जरूरत : प्रज्ञानानंदा के कोच

नई दिल्ली। फिडे विश्व कप मे आर प्रज्ञानानंदा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद देश मे शतरंज को मिली लोकप्रियता को क्षणिक बनाने से बचने के लिए उनके कोच आर बी रमेश कुमार ने देश में इस खेल का मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने की अपील की है। रोमानिया के बुकारेस्ट से उनके कोच रमेश ने भाषा को दिए इंटरव्यू मे कहा , प्रज्ञानानंदा की सफलता ने शतरंज को हर भारतीय की जुबां पर ला दिया है लेकिन यह देखा गया है कि जब कुछ अच्छा होता है तो हम शतरंज की बात करते है और फिर भूल जाते है। भारत में शतरंज का मजबूत इको सिस्टम नही है। , हमारे पास दूर दराज गांवो मे भी प्रतिभावान खिलाड़ी मौजूद है जिन्हे तलाशने और तराशने की जरूरत है। भारतीय खिलाड़ी निजी कोचो पर निर्भर रहते है और कई बार आर्थिक स्थिति अच्छी नही होने पर प्रतिभाशाली होने के बावजूद वे खेल में आगे नही बढ पाते। इसके लिए अखिल भारतीय स्तर पर कोचिंग की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि और खिलाड़ी आगे आ सकें। खुद एक ग्रैंडमास्टर रहे रमेश ने कहा कि भारत शतरंज में महाशक्ति बनकर उभर रहा है और अब समय आ गया है जब प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी , डी गुकेश जैसे खिलाड़ियों को विश्वनाथन आनंद की विरासत संभालनी चाहिए।

प्रज्ञानानंदा के कैंडिडेट टूर्नामेंट में पहुंचने से काफी खुशी मिली: नागलक्ष्मी

बाकू (अजरबैजान)। भारतीय शतरंज के नए सिरमौर आर प्रज्ञानानंदा की मां आर नागलक्ष्मी ने कहा कि उनके 18 साल बेटे को इस खेल में अभी लंबा सफर तय करना है लेकिन कैंडिडेट टूर्नामेंट मे जगह पक्की होने की उन्हे काफी खुशी है। कैंडिडेट टूर्नामेंट के विजेता को मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन के सामने चुनौती पेश करने का मौका मिलेगा। दिग्गज विश्वनाथ आनंद के बाद प्रज्ञानानंदा दूसरे भारतीय खिलाड़ी है जिन्होंने कैंडिडेट टूर्नामेंट मे जगह बनाई है। वह गुरुवार को फिडे विश्व कप शतरंज के फाइनल मे दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से टाइब्रेक मे 1.5 - 0.5 से हार गए। वह इस टूर्नामेंट का फाइनल खेलने वाले सबसे युवा और आनंद के बाद सिर्फ दूसरे भारतीय है। प्रज्ञानानंदा की सफलता मे नागलक्ष्मी ने अहम भूमिका निभाई है। वह अपने बेटे के अभ्यास और मैच से पहले अनुकूल माहौल सुनिश्चित करके और लगभग सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओ मे मौजूद रहती है। हमे बेहद खुशी है कि वह टूर्नामेंट में इतनी दूर तक आया। इस से अधिक खुशी इस बात की है कि वह कैंडिडेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रज्ञानानंदा बाकू से जर्मनी होते हुए 30 अगस्त को भारत लौटेगा। विश्व कप के दौरान नागलक्ष्मी की तस्वीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। एक तस्वीर मे वह कुर्सी पर बैठ कर अपनी एक आंख को पोछ रही है तो वही दूसरी तस्वीर वह प्रज्ञानानंदा जब मीडिया से बात कर रहे है तब वह चेहरे पर मुस्कान के साथ अपने बेटे को निहार रही है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हारी

भाषा। कोपनहेगन

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी शुक्रवार को यहां बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन से सीधे गेम में हार गई। दुनिया की दूसरे नंबर की इस भारतीय जोड़ी ने पिछले साल इस प्रतियोगिता में अपना पहला कांस्य पदक जीता था। भारतीय जोड़ी हालांकि 11वीं वरीयता प्राप्त स्थानीय जोड़ी के सामने अपने आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं कर सकी और 48 मिनट तक चले मुकाबले को 18-21, 19-21 से हार गई। दोनों जोड़ियों के बीच इससे पहले सात मैचों में सात्विक और चिराग की जोड़ी दो मुकाबले जीतने में सफल रही थी। दोनों जोड़ियां 2021 के बाद पहली बार एक-दूसरे के आमने सामने थी। बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप की 2021 की कांस्य पदक विजेता डेनमार्क की जोड़ी ने मैच की शुरुआत से ही भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने से रोके रखा। डेनमार्क की जोड़ी ने मुकाबले की शुरुआत में 5-। की बढ़त ली। भारतीय जोड़ी ने कई मौके पर एस्ट्रूप के सर्विस पर शटल को नेट पर खेल दिया। एस्ट्रूप और रासमुसेन ने अपनी बढ़त को 11-6 किया। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद वापसी करते हुए स्कोर को 15-18 कर दिया। चिराग ने इसके बाद खराब सर्विस कर के डेनमार्क के खिलाड़ियों को चार गेम प्वाइंट दे दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने दो गेम प्वाइंट का बचाव किया लेकिन तीसरे मौके पर चूक गए।दूसरे गेम में भी एक बार फिर से ऐसी ही परिस्थितियां दिखी। सात्विक और चिराग की जोड़ी के सामने एस्ट्रूप और रासमुसेन की गति का कोई जवाब नहीं थाा। भारतीय जोड़ी 4-6 और इंटरवल के समय 7-11 से पिछड़ रही थी।

भारतीय महिला हॉकी-5 टीम का जीत के साथ विश्व कप क्वालीफायर में आगाज

मलेशिया को 7-2 से हराया

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को ओमान में मलेशिया के खिलाफ 7-2 की शानदार जीत के साथ महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत की। हॉकी 5 में प्रत्एक टीम में पांच-पांच खिलाड़ी होते है और इसका मैदान नियमित फील्ड हॉकी से छोटा होता है। भारत के लिए कप्तान नवजोत कौर (तीसरे, 28वें), अक्षता ढेकाले (चौथे), मरियाना कुजूर (17वें), मोनिका डी. टोप्पो (12वें, 20वें) और महिमा चौधरी (28वें) ने गोल किए। मलेशिया ने वान वान (सातवें) और अजीज जफिराह (11वें) गोल करने में सफल रही। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाना शुरू कर दिया था। मैच के तीसरे और चौथे मिनट में नवजोत और अक्षता के गोल से टीम ने 2-0 की बढ़त बना ली। मलेशिया ने वान और जफिराह के गोल से मैच में वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। भारत ने इसके बाद जवाबी हमला तेज किया और मोनिका के गोल से टीम ने मध्यांतर से पहले 3-2 की बढ़त बना ली। भारत ने मैच के दूसरे हाफ में खेल की गति को बढ़ाने पर ध्यान दिया और टीम को इसका फायदा भी मिला। मरियाना और मोनिका ने तीन मिनट के अंदर दो गोल कर मैच पर भारतीय पकड़ को मजबूत कर दिया। महिमा और नवजोत ने 28 मिनट में दो गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 7-2 कर दिया।

महिला 50 मीटर पिस्टल में में साधा स्वर्णिम निशाना

विश्व चैम्पियनशिप में 14 पदकों साथ खत्म हुआ भारत का अभियान

भाषा। बाकू (अजरबैजान)

साक्षी सूर्यवंशी और किरणदीप कौर की भारतीय टीम ने महिलाओं की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां 2023 आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप को अपना अभियान कुल छह स्वर्ण और आठ कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। भारत तालिका में 14 पदक के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय निशानेबाजों ने इस दौरान पेरिस ओलंपिक के चार कोटा भी सुनिश्चित किए। महिला 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारतीय तिकड़ी ने।,573 अंक जुटा का स्वर्ण पदक जीता। चीन।,567 के साथ दूसरे जबकि मंगोलिया।,566 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इस दौरान तियाना ने व्यक्तिगत स्पर्धा में 533 अंक के साथ कांस्य पदक भी हासिल किया। साक्षी 531 अंक के साथ पांचवें जबकि किरणदीप 509 अंक के साथ 11वें पायदान पर रही। पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल में भी भारत ने दो कांस्य पदक हासिल किए। रविंदर सिंह व्यक्तिगत स्पर्धा में 556 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले उन्होंने कमलजीत और विक्रम शिंदे के साथ मिलकर।,646 के कुल स्कोर के साथ टीम को कांस्य पदक दिलाया। टूर्नामेंट के अंतिम ओलंपिक क्वालीफिकेशन आयोजन में पृथ्वीराज टोंडिमन और मनीषा कीर की भारतीय जोड़ी ने 133 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। किनान चेनाई और प्रीति रजक की जोड़ी भी इसी स्कोर के साथ 24वें स्थान पर रही।

शुभमन गिल यो-यो टेस्ट में 18.7 के स्कोर से शीर्ष पर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय टीम के खिलाड़ी 31 अगस्त से शुरु हो रहे एशिया कप से पहले नियमित फिटनेस परीक्षण से गुजर रहे हैं जिसमें युवा शुभमन गिल यो-यो परीक्षण में 18.7 के स्कोर से शीर्ष पर रहे। यो-यो परीक्षण कराने वाले सभी क्रिकेटरों ने 16.5 का कट-ऑफ स्तर पार कर लिया है। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के अनुसार 17.2 का स्कोर बनाया। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (एशिया कप के रिजर्व सदस्य) और केएल राहुल इन पांच क्रिकेटरों को छोड़कर सभी इस टेस्ट को कर चुके हैं। बीसीसीआई के इस सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, यो-यो टेस्ट एक एयरोबिक एंड्योरेंस फिटनेस टेस्ट है, जिसमें नतीजे इसे देखते हुए अलग हो सकते हैं कि आप अंतिम मैच कब खेले और पिछले हफ्ते आप कितने कार्यभार से गुजरे हो। उन्होंने कहा, गिल का सबसे ज्यादा 18.7 स्कोर रहा। ज्यादातर खिलाड़ियों ने 16.5 से 18 के बीच स्कोर किया। बीसीसीआई ने यह फिटनेस कम अनुकूलन शिविर का आयोजित किया है।

उप्र के पदम वर्द्धन ने जीती विजेता ट्राफी

हरियाणा के सुमित गोयल को दूसरा स्थान

टेनपिन बॉलिंग टूर्नामेंट 2023

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टेनपिन बॉलिंग एसोसिएशन यूपीटीबीए के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश राज्य रैंकिंग टेनपिन बॉलिंग टूर्नामेंट 2023 में उत्तर प्रदेश के पदम वर्द्धन ने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए विजेता होने का गौरव हासिल किया। पदम वर्द्धन ने ग्रैंड फिनाले में हरियाणा के सुमित गोयल को एक रोमांचक मैच में बड़े अंतर से हराते हुए विजेता ट्राफी अपने नाम कर ली।तीसरे दिन तीन राउंड के राउंड रॉबिन फार्मेट के ग्रैंड फिनाले में पदम वर्द्धन ने असाधारण कौशल और संयम का प्रदर्शन करते हुए 402 पिनफॉल स्कोर किया। वहीं 75 अंक से पिछड़े हरियाणा के सुमित गोयल 327 के पिनफॉल स्कोर के साथ उपविजेता रहे। वहीं लचीलापन और सटीकता का प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश के उत्कर्ष सिन्हा 357 पिन फॉल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। दूसरी ओर खिताब के प्रबल दावेदार रहे दिल्ली के ध्रुव शारदा को 336 पिनफॉल के स्कोर के साथ चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। ध्रुव ने शीर्ष पर रहते हुए नाकआउट में प्रवेश किया था। उन्होंने उम्दा खेल दिखाया लेकिन कड़ी चुनौती के बावजूद पिछड़ गए। यूपीटीबीए के सचिव दिलीप सिंह ने प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने टेनपिन बॉलिंग में उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने खेल प्रेमी दर्शकों का भी आभार जताया कि जिनके चलते इस टूर्नामेंट को खासी लोकप्रियता मिली।